राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंकः 3 **सोलहवीं विधान सभा के तीसरे सत्र का पच्चीसवां दिवस** संख्याः 9

सोमवार,
24 फरवरी 2025

(राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे
राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।)

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

तारांकित प्रश्नोत्तर

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यों से आग्रह है कि अपनी-अपनी सीटों पर जायें। माननीय सदस्यों से आग्रह है कि अपनी सीटों पर जायें, आसन का सम्मान करें और जिन लोगों को निलम्बित किया है वो सदन से बाहर चले जायें। जिनको निलम्बित किया है, सदन से बाहर चले जायें। जिनको निलम्बित किया है, बाहर चले जाएं। अपनी सीटों पर जाएं। बार-बार आग्रह कर रहा हूं।

सदन कूप में

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

प्रश्न काल। डॉ. जसवन्त सिंह यादव।

बहरोड के जापानी जोन नीमराणा में स्थापित औद्योगिक इकाइयां

140. डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे-

(1) विधान सभा क्षेत्र बहरोड के जापानी जोन नीमराणा में कितनी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हैं? उक्त औद्योगिक इकाइयों में से स्थानीय लोगों को रोजगार देने की क्या प्राथमिकता है तथा उक्त में से कितने स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है? संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) क्या उक्त विधान सभा क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत कर्मचारियों को ई.एस.आई. भविष्य निधि का लाभ दिया जा रहा है? यदि नहीं, तो क्यों? लाभार्थियों का संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

उद्योग मंत्री (कर्नल राज्यवर्धन राठौड़): माननीय अध्यक्ष महोदय, (1) जापानी जोन नीमराणा विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में स्थित नहीं है।

(2) राज्य सरकार से संबंधित नहीं है।

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरा जवाब तो आ गया है। मेरा जवाब आ गया पर मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि क्या कोटपूतली, बहरोड़ के अन्दर जापानी जोन या कोरिया जोन के लिए कोई और भी दूसरा स्थान तलाश कर रहे हैं क्या? अगर आप नया स्थान तलाश करते हैं तो कहां कर रहे हैं? नहीं तो, क्यों नहीं?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय सदस्य जसवन्त सिंह जी का सम्मान करता हूं वो अपने क्षेत्र के अन्दर उद्योगों को बढ़ावे के लिए यह प्रश्न पूछ रहे हैं। हालांकि जो मूल प्रश्न था वो प्रश्न अलग था लेकिन फिर भी मैं उनके अभी पूछे गये प्रश्न का उत्तर देता हूं। यह जो क्षेत्र है एन.एच. 8 वाला उसमें बहरोड़ क्षेत्र के आस-पास उद्योग की अपार सम्भावनाएं हैं। हमारा भिवाडी इंडस्ट्रियल एरिया भी वहीं पर है, निश्चित तौर पर अगर हमारे को वहां पर सरकारी जमीन उपलब्ध होती है, एक डिमांड रहती है इंडस्ट्री द्वारा वहां पर उद्योग स्थापित करने के लिए तो जिस तरह से हमने चार सौ से ज्यादा औद्योगिक क्षेत्र पूरे राजस्थान में खोले हैं उसी तरह हम माननीय सदस्य जसवन्त सिंह जी के विधान सभा क्षेत्र बहरोड़ में भी तलाशने की कोशिश करेंगे।

डॉ. जसवन्त सिंह यादव (बहरोड़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि जापानी जोन और कोरिया जोन इन कम्पनियों में क्या कोई ऐसा प्रावधान निकाल रहे हैं, कोई इस तरह की व्यवस्था कर रहे हैं कि जिससे स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार मिल सके? क्योंकि अभी तक स्थानीय बेरोजगारों को रोजगार नहीं मिल रहा है, तो मेरा आपके माध्यम से मंत्री जी से आग्रह है कि क्या कोई ऐसा रास्ता निकाल रहे हैं या नहीं?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 में हमारी भजन लाल जी की सरकार ने जो लोकल यूथ होते हैं उन्हें रोजगार मिले उसके लिए कुछ विशेष कदम उठाये हैं। अगर किसी भी औद्योगिक यूनिट के अन्दर कोई लोकल यूथ को नौकरी दी जाती है तो ई.पी.एफ. ...(व्यवधान)...

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: पहले आसन का सम्मान करो।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): और ई.एस.आई. का जो एम्प्लोयर उसके अन्दर अपना भाग देता है यानी जो उद्योग अपना भाग देता है ...(व्यवधान)...

श्री अध्यक्ष: आसन का सम्मान करना सीखो फिर आपके साथ न्याय जरूर होगा।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ (उद्योग मंत्री): उसके अन्दर पचास प्रतिशत तक राशि राज्य सरकार देती है और अगर यह संख्या उस औद्योगिक इकाई के अन्दर 75 प्रतिशत तक होती है तो फिर राज्य सरकार सौ प्रतिशत जो वहां पर कर्मचारी होते हैं उनका ई.पी.एफ. और

ई.एस.आई. देती है। यह प्रोत्साहन का एक तरीका है। इसके अलावा हमारा स्किल डवलपमेंट के ऊपर भी बहुत जोर है। राजस्थान सरकार यूथ की स्किल डवलपमेंट करा रही है ताकि वो एक कैपेबल वर्कर उस यूनिट के लिए बने।

श्री अध्यक्षः अगला प्रश्न। श्री ललित मीना।

प्रदेश में संचालित स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल व महात्मा गांधी विद्यालय

141. श्री ललित मीना (किशनगंज): क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे-

(1) प्रदेश में कितने स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल व महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) संचालित हैं? ब्लॉकवार व जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विद्यालयों में कितने विद्यार्थी अध्ययनरत हैं? कक्षावार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) उक्त विद्यालयों में कितने शिक्षक हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के कार्यरत हैं? जिलेवार संख्यात्मक विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी। निलम्बित सदस्य हाउस से बाहर जायें। निलम्बित सदस्य आसन की आज्ञा का पालन करें, हाउस से बाहर जायें।

(कांग्रेस के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

शिक्षा मंत्री (श्री मदन दिलावर): माननीय अध्यक्ष महोदय, (1) प्रदेश में संचालित 134 स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल का ब्लॉक वार व जिलेवार विवरण परिशिष्ट-क 1 व 3737 महात्मा गांधी राजकीय (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालयों का ब्लॉक वार व जिलेवार विवरण परिशिष्ट-क 2 पर संलग्न है।

(2) स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल व महात्मा गांधी राजकीय (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों का कक्षावार संख्यात्मक विवरण क्रमशः परिशिष्ट- ख 1 व परिशिष्ट-ख 2 पर संलग्न है।

(3) उक्त स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूलों में स्वीकृत, कार्यरत व रिक्त पदों का जिलेवार संख्यात्मक विवरण परिशिष्ट- ग 1 पर एवं महात्मा गांधी विद्यालयों में हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के कार्यरत शिक्षकों का जिलेवार संख्यात्मक परिशिष्ट- ग 2 पर संलग्न है।

श्री ललित मीना (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि 2019 में हमारे यहां पर इन्होंने अंग्रेजी माध्यम के जो महात्मा गांधी स्कूल खोले, वो जो स्कूल खोले क्रमोन्नत करके, इंटरव्यू लेकर तो मेरे विधान सभा क्षेत्र में कई सारे स्कूल अभी वर्तमान में दो कमरों में ही चल रहे हैं। उनको इन्होंने इंग्लिश मीडियम तो कर दिया पर उसमें न कमरे दिये, न उसमें स्टाफ दिया। पिछले पांच साल से कांग्रेस सरकार ने कोई इसमें व्यवस्था नहीं की, तो मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहूंगा कि अंग्रेजी माध्यम के जो हमारे मॉडल, हमारे महात्मा गांधी स्कूल हैं उनमें आप इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए कोई कमरे और उनमें अतिरिक्त और जो टीचर कम हैं उनको लगाने का विचार रखते हैं

क्या?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी।

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, यह सच है कि कांग्रेस ने अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोले नहीं, बोर्ड लटकाये थे और इसके कारण से बहुत सारे बच्चों को परेशानी हुई जो हिन्दी माध्यम में पढ़ते थे और वहां भवन भी नहीं, केवल दो कमरों में सीनियर सेकेंडरी स्कूल अंग्रेजी चला रखा है। इसके कारण से पढ़ाई नहीं हो रही है। यह कांग्रेस ने इस प्रकार के कारनामे किये थे इसके कारण से राजस्थान के विद्यार्थियों को बहुत परेशानी हो रही है और इसीलिये माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक मंत्रिमंडलीय समिति बनाई है उसकी मीटिंग्स हो रही हैं और इस पर विचार हो रहा है कि ऐसे विद्यालयों के बारे में क्या करना चाहिये? जब हमारी उप समिति का फाइनल निर्णय होगा उसके आधार पर मंत्रिमंडल में उसको प्रस्तुत करेंगे और जो निर्णय होगा उसके आधार पर आगे का निर्णय करेंगे।

श्री ललित मीना (किशनगंज): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहूंगा कि जो हमारे मॉडल स्कूल हैं स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल जो पिछली सरकार बी.जे.पी. की सरकार में 2013 से 2018 में खोले, एक किशनगंज में और शाहबाद में, तो हम उप तहसील में भी नाहरगढ़ और केलवाड़ा में विचार रखते हैं क्या? और इसके साथ-साथ ही मैं एक और पूछना चाहूंगा कि जो हमारे टीचर्स हिन्दी मीडियम से इंटरव्यू लेकर हमारे अंग्रेजी माध्यम महात्मा गांधी वाले विद्यालयों में लगाये हैं, तो उनको पढ़ाने में बहुत दिक्कत आती है क्योंकि कई सारे हिन्दी मीडियम से इंग्लिश मीडियम वाले हैं तो हम लोग उनको कहीं न कहीं...

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्य, प्रश्न पूछो।

श्री ललित मीना (किशनगंज): इंग्लिश मीडियम वाले टीचर ही जिन्होंने एजुकेशन ग्रेजुएट या पोस्ट-ग्रेजुएट इंग्लिश में किया है उनको ही लगाने का विचार रखते हैं क्या?

श्री मदन दिलावर (शिक्षा मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैंने आपको पहले बताया है कि ऐसे विद्यालयों के बारे में विचार किया जा रहा है कि क्या करना है और इस सम्बन्ध में माननीय मुख्य मंत्री जी ने एक मंत्रिमंडलीय उप समिति बनाई और जो उसका निर्णय आयेगा उसके आधार पर आगे की कार्यवाही की जायेगी।

प्रश्न संख्या 142

श्री अध्यक्ष: अगला प्रश्न। कु. रीटा चौधरी।

(माननीय सदस्य द्वारा सदन कूप में होने के कारण प्रश्न नहीं पुकारा गया।)

श्री श्रीचन्द कृपलानी।

निम्बाहेडा में टाडा-माडा में सम्मिलित गांव

143. श्री श्रीचन्द कृपलानी (निम्बाहेड़ा): क्या जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे-

(1) विधान सभा क्षेत्र निम्बाहेडा की पंचायत समिति निम्बाहेडा एवं छोटी सादडी की

किन-किन ग्राम पंचायतों के कौन-कौन से ग्राम टाडा-माडा योजना के अन्तर्गत हैं? सूची सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(2) उक्त विधान सभा क्षेत्र में विगत चार वर्षों में उक्त योजना के अन्तर्गत कितने कार्य कहां-कहां पर स्वीकृत कर, उक्त कार्यों पर कितनी राशि व्यय की गई? सूची सहित विवरण सदन की मेज पर रखें।

(3) क्या सरकार विधान सभा क्षेत्र निम्बाहेड़ा में उक्त योजना में सम्मिलित गांवों के विकास हेतु नवीन कार्य स्वीकृत करने का विचार रखती है? विवरण सदन की मेज पर रखें।

श्री बाबूलाल खराड़ी (जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, (1) विधान सभा क्षेत्र निम्बाहेडा की पंचायत समिति निम्बाहेडा में बिखरी जनजाति योजना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले गांवों की सूची परिशिष्ठ-अ पर संलग्न है। पंचायत समिति छोटी सादडी जिला प्रतापगढ के समस्त गांव अनुसूचित क्षेत्र के अन्तर्गत सम्मिलित है।

(2) विधान सभा क्षेत्र निम्बाहेडा मे विगत चार वर्षों में कुल राशि रुपये 652.15 लाख के 65 कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी की गई। जिसमे से 53 कार्य पूर्ण, 9 कार्य प्रगतिरत एवं 3 कार्यों के टेण्डर प्रकियाधीन है। इस कार्यों पर राशि रुपये 597.60 लाख का व्यय हुआ है। कार्यों का विवरण परिशिष्ठ-ब पर संलग्न है।

उक्त कार्यों के अतिरिक्त 5 कार्य जिनकी लागत राशि 37.50 लाख है कि प्रशासनिक स्वीकृति जारी की जा चुकी है। कार्यों का विवरण परिशिष्ठ-स पर संलग्न है।

(3) जी हां। विकास हेतु नवीन कार्यों के विचाराधीन एवं नवीन उपयुक्त प्रस्ताव प्राप्त होने पर कार्यों की आवश्यकता, उपादेयता एवं बजट की उपलब्धता के आधार कार्य स्वीकृत करने पर विचार किया जा सकेगा।

Kas/rtm/24.02.2025/11.10/1b

श्री श्रीचन्द कृपलानी (निम्बाहेड़ा): अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से पूछना चाह रहा था कि बिखरी जन जाति योजना के तहत निम्बाहेडा विधान सभा क्षेत्र में 163 राजस्व गांव जुड़े हुए हैं। कांग्रेस के पांच साल के राज में कोई काम नहीं हुए, ऊंट के मुंह में जीरे के बराबर काम हुए। मंत्री महोदय, क्या हमारे प्रस्ताव पर आने वाले समय में सरकार विकास कराने का विचार रखती है? यदि हां, तो कब तक?

श्री अध्यक्ष: माननीय मंत्री जी, कुछ कहना है?

श्री बाबूलाल खराड़ी (जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय, निम्बाहेड़ा विधान सभा क्षेत्र में पिछले चार साल में कांग्रेस शासन में केवल 652.05 लाख के कार्य स्वीकृत हुए थे, जबकि उस समय इनका विधायक भी था, इन्होंने काम नहीं किया। अध्यक्ष महोदय, हमारी सरकार आने के बाद निम्बाहेड़ा विधान सभा क्षेत्र में 28 कार्य राशि रुपये 455 लाख स्वीकृति हेतु पत्रावली वित्त विभाग को प्रेषित की गई है। वित्त विभाग से राशि प्राप्त होते ही स्वीकृति जारी कर दी जायेगी।

इस प्रकार इनके विधान सभा क्षेत्र निम्बाहेड़ा में 10 कार्य रुपये राशि 1.85 लाख के प्रस्ताव विचाराधीन हैं। उक्त कार्यों की आवश्यकता एवं बजट की उपलब्धता को देखते हुए परीक्षण करा कर स्वीकृति जारी करने हेतु निर्णय लिया जायेगा।

श्री अध्यक्षः हो गया, दो हो गये। लास्ट एक और पूछ लो।

श्री श्रीचन्द कृपलानी (निम्बाहेड़ा): अध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि छोटी सादड़ी में डाडा माला क्षेत्र में छोटी सादड़ी पंचायत समिति के कई गांव ऐसे हैं, पीलीखेडा के मामा देव, कनखेड़, इन गांवों में बिजली भी नहीं पहुंची है। मैं माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करूंगा कि वहां विकास एवं बिजली की उपलब्धता शीघ्र कराने का अगर आप आश्वासन दे दें तो मैं संतुष्ट हो जाऊंगा, इतना ही मुझे निवेदन करना है।

श्री अध्यक्षः माननीय मंत्री जी, कुछ कहना है?

श्री बाबूलाल खराड़ी (जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री): अध्यक्ष महोदय, आपने बिजली के सम्बन्ध में पूछा है, बिजली के सम्बन्ध में विद्युत विभाग कार्य करता है। आपके क्षेत्र में विद्युत के सम्बन्ध में कोई डिमांड है, कोई प्रस्ताव है, तो आप भेजेंगे तो निश्चित रूप से कुसुम-सी, कुसुम-ए और कुसुम-बी में हम प्रस्ताव भेज कर उसको स्वीकार करेंगे।

श्री अध्यक्षः माननीय सदस्यों से एक बार पुनः आग्रह है कि जिनको निलम्बित किया है, वे हाउस से बाहर जाएं। सदन का सम्मान करें, सदन का सम्मान करो।

सदन की कार्यवाही 12.00 बजे तक स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.13 बजे 12.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

Msk/rtm/24.02.25/1200/1g

(समयः 12.00 बजे)

पुनः समवेत होने पर

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः मैं माननीय सदस्यों को एक बार पुनः अपील कर रहा हूं कि आप अपनी सीटों पर जाइये और जिनका निलंबन है, वे सदन से बाहर जायें। फिर एक बार अपील कर रहा हूं कि आप अपनी-अपनी सीटों पर जायें और जिनका निलंबन है, वे सदन का सम्मान करते हुए बाहर जायें।

स्थगन प्रस्तावों पर अध्यक्षीय व्यवस्था

मुझे माननीय सदस्यों को सूचित करना है कि निम्नांकित स्थगन प्रस्तावों की सूचना प्राप्त हुई है :-

1. श्री गणेश घोगरा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र डूंगरपुर के ग्राम बिलड़ी एवं ग्राम पंचायत पालवाड़ा में आदिवासियों की भूमि के अधिग्रहण से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

2. श्री मनोज कुमार (सादुलपुर), सदस्य की ओर से राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलेवरी कॉरपोरेशन बोर्ड की अधिसूचना जारी नहीं किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

उपरोक्त प्रस्ताव ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोककर इन पर विचार किया जाये, अतः इन पर अनुमति देने में असमर्थ हूं।

3. डॉ. सुभाष गर्ग, सदस्य की ओर से भरतपुर शहर के लोहागढ़ फोर्ट में वर्षों से रहने वाले निवासियों को स्थानीय प्रशासन द्वारा नोटिस दिए जाने एवं मौखिक रूप से धमकाये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

4. श्री उमेश मीणा, सदस्य की ओर से बेणेश्वर धाम की भूमि पर ऋषि आश्रम द्वारा अवैध कब्जा किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

5. श्री पूसाराम गोदारा, सदस्य की ओर से चूरू जिले में कृषि भूमि का नियमन नहीं होने से निवासियों को हो रही परेशानी से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।

उपरोक्त प्रस्ताव भी ऐसे नहीं हैं कि सदन की पूर्व निर्धारित कार्यवाही को रोककर इन पर विचार किया जाये, अतः अनुमति देने में असमर्थ हूं। फिर भी माननीय सदस्य डॉ. सुभाष गर्ग, श्री उमेश मीणा एवं श्री पूसाराम गोदारा को उनके प्रस्ताव की विषयवस्तु पर दो-दो मिनिट बोलने की अनुमति होगी।

नियम 295 के अन्तर्गत प्राप्त विशेष उल्लेख की सूचनाएं

1. श्रीमती अनिता भदेल, सदस्य की ओर से राजकीय विद्यालयों में नियुक्त बेसिक एवं वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशकों की वेतनमान विसंगति को दूर किये जाने के संबंध में।

2. श्री बालमुकुन्दाचार्य, सदस्य की ओर से जयपुर शहर के विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ किये जाने के संबंध में।

3. श्री गोविन्द प्रसाद, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र मनोहरथाना के कतिपय विद्यालयों को क्रमोन्नत किये जाने एवं नवीन विद्यालय खोले जाने के संबंध में।

4. श्री भागचन्द टांकड़ा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र बांदीकुई के ग्राम रायपुरा निवासी श्री सचिन शर्मा की गलत ब्लड चढ़ाये जाने से मृत्यु पर आश्रितों को सहायता देने के संबंध में।

5. श्री मनीष यादव, सदस्य की ओर से प्रदेश में शिक्षकों के रिक्त पदों के कारण शिक्षा की गुणवत्ता पर विपरीत प्रभाव पड़ने के संबंध में।

6. श्री कालूराम, सदस्य की ओर से प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सैक्टर हैल्थ सुपरवाइजरों का मानदेय बढ़ाये जाने के संबध में।

7. श्री छगनसिंह राजपुरोहित, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र आहोर के चिकित्सालयों के क्रमोन्नयन एवं नवीन उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने के संबंध में।

8. श्रीमती शोभा चौहान, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र सोजत में जल जीवन मिशन के अपूर्ण कार्यों को पूर्ण कराये जाने के संबंध में।

9. श्री गोपीचन्द मीणा, सदस्य की ओर से भीलवाड़ा जिले में जल संकट की समस्या के समाधान हेतु कार्ययोजना बनाये जाने के संबंध में।

10. श्री रेवन्तराम डांगा, सदस्य की ओर से नागौरी पान मैथी को जीआई टैग दिलवाये जाने के संबंध में।

11. श्री अमित चाचाण, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र नोहर की पेयजल समस्या का निराकरण करने के संबंध में।

12. श्री गणेश घोगरा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र डूंगरपुर के महाविद्यालयों के स्वीकृत पदों को भरने के संबंध में।

13. श्री रामस्वरूप लाम्बा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र नसीराबाद के ग्राम पीसांगन के पुष्कर रोड स्थित नाले पर बड़ी पुलिया का निर्माण किये जाने के संबंध में।

14. श्री फूल सिंह मीणा, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र उदयपुर ग्रामीण के भुवाणा की अवार्ड लैप्स भूमियों की आवासीयों योजनाओं का सामान्य दर पर नियमन करने के संबंध में।

15. श्री सुरेश गुर्जर, सदस्य की ओर से विधान सभा क्षेत्र खानपुर के चिकित्सालयों की बेड क्षमता बढ़ाये जाने व रिक्त पदों को भरने के संबंध में।

माननीय सदस्यों को उनके द्वारा दी गयी सूचना को पढ़ने की अनुमति होगी।

पर्ची

आज दिनांक 24/02/2025 को शून्यकाल में बोलने हेतु 19 पर्चियां प्राप्त हुई, जिनमें से शलाका द्वारा 4 पर्चियां चयनित की गई, जो निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	माननीय सदस्य का नाम	विषय
1.	श्री राजेन्द्र	महवा विधान सभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मुख्यालय पीपलखेड़ा में देव नारायण योजना के तहत आवासीय कन्या छात्रावास महाविद्यालय खोले जाने के संबंध में।
2.	श्री रविन्द्र सिंह भाटी	जोधपुर की औद्योगिक इकाइयो द्वारा जोजरी नदी के जल को प्रदूषित किए जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में ।
3.	श्री धर्मपाल	खेतड़ी विधान सभा क्षेत्र में सप्लाई किये जा रहे सतही पेयजल में कटौती किये जाने से उत्पन्न स्थिति के संबंध में।
4.	श्री चन्द्रभान सिंह चौहान	चित्तौड़गढ़ दुर्ग में पिछले 2 माह से बंद पड़े लाइट साउंड शो के संबंध में ।

डॉ. सुभाष गर्ग।

स्थगन प्रस्ताव आदि पर चर्चा

भरतपुर के लोहागढ़ फोर्ट में निवासियों को स्थानीय प्रशासन द्वारा नोटिस एवं धमकी

डॉ. सुभाष गर्ग (भरतपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं राजस्थान विधान सभा के प्रक्रिया नियम 50 के अंतर्गत स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित कर कहना चाहूंगा कि भरतपुर विधान सभा क्षेत्र के लोहागढ़ फोर्ट के अन्दर वर्षों से एक कॉलोनी बनाकर निवासी वहां रह रहे हैं। तीस वर्षों से करीब हजार परिवार वहां रह रहे हैं, लेकिन वर्तमान में सड़कों को चौड़ी करने के नाम पर उन लोगों को डराया-धमकाया जा रहा है। प्रशासन अवैध तरीके से नोटिस दे रहा है, जबकि इस फोर्ट के अन्दर जो कॉलोनी है, इसके अलावा वहां व्यापारिक कार्य हो रहे हैं, शैक्षिक गतिविधियां हो रही हैं, वहां औद्योगिक गतिविधियां हो रही हैं। इस तरह का माहौल वहां बना दिया गया है कि वहां के नागरिकों में डर के अपने मकान बेचने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। मैं राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि वह इस बात की जांच कराये कि किन नियमों के तहत वे नोटिस दिये गये हैं? जबकि फोर्ट के अन्तर्गत एक अतारांकित जवाब में दिया है कि फोर्ट के अंतर्गत कोई भी गतिविधियां एएसआई (Archeological Survey of India) की अनुमति के बिना नहीं हो सकती है। इसके बावजूद भी, राष्ट्रीय कन्या महाविद्यालय वहां चल रहा है, वर्षों से चल रहा है। शैक्षिक गतिविधियां हो रही हैं, तो क्या कारण है कि केवल निवासियों को टारगेट करके गरीब लोगों या आर्थिक रूप से पिछड़े हुए लोगों ने 30 वर्ष से वहां मकान वहां बना रखे हैं और कम से कम 20-25 हजार लोग रह रहे हैं, उनको परेशान किया जा रहा है।

मैं राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करके कहना चाहूंगा कि वह इस चीज की जांच कराये और वहां रहने वाले निवासियों को आश्वस्त करे कि किसी भी मकान को तोड़ा नहीं जायेगा, किसी भी निवासी को डिस्टर्ब नहीं किया जायेगा। कुछ उद्योगपतियों की नजर उस पूरे फोर्ट पर है, इस बात की जांच करायी जाए। धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय।

श्री अध्यक्षः श्री उमेश मीणा। (अनुपस्थित) श्री पूसा राम गोदारा। (अनुपस्थित) 295

नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख।

श्रीमती अनिता भदेल। (अनुपस्थित) श्री बालमुकुन्दाचार्य।

जयपुर शहर स्थित कन्या महाविद्यालयों/विद्यालयों में बच्चियों की सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद। प्रक्रिया के नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव के अन्तर्गत जयपुर शहर स्थित कन्या महाविद्यालयों/विद्यालयों में बच्चियों की सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने के सम्बन्ध में मैं एक महत्वपूर्ण मसले पर सदन का ध्यान दिलाना चाहता हूं कि प्रदेश की राजधानी जयपुर शहर के कन्या महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के बाहर असामाजिक तत्व/आवारा लड़के सारे दिन खड़े रहते हैं और कॉलेज/स्कूल आने-जाने वाली बालिकाओं को परेशान करते हैं। उक्त आवारा लड़के स्कूल/कॉलेज की छुट्टी के समय भी उनके सामने खड़े रहकर माहौल खराब करते हैं। कई बार तो स्कूलों के सामने

आवारा लड़के मोटर साइकिलों पर स्टंट करते हैं तथा कार एवं मोटरसाइकिल तेज गति आड़ी-तिरछी चलाकर स्कूटी/साइकिल से आने वाली छात्राओं से छेड़खानी करते हैं, कट मारते हैं जिससे दुर्घटनाएं भी होती हैं।

इस सम्बन्ध में मेरा निवेदन है कि शहर के महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के बाहर सुरक्षा हेतु सिविल वर्दी में महिला एवं पुरुष पुलिसकर्मियों की नियुक्ति की जाए। जिससे वहां पर आने वाले आवारा लड़कों/ असामाजिक तत्वों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्यवाही की जा सके। इसके अतिरिक्त सी.सी.टी.वी. कैमरों की भी व्यवस्था की जाकर उनकी मॉनिटरिंग की जाए, जिससे अवांछित/असामाजिक तत्वों की आवारागर्दी पर रोक लग सके।

अतः प्रक्रिया के नियम 295 के अन्तर्गत यह विशेष उल्लेख प्रस्ताव प्रस्तुत कर निवेदन है कि जयपुर शहर के महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के बाहर सुरक्षा गार्ड तथा सी.सी.टी.वी. लगाने एवं अवांछित/असामाजिक तत्वों पर आवश्यक कार्यवाही कर बालिकाओं के लिए सुखद माहौल बनाने की कृपा करें।

mdp/rtm/24.02.2025/12:10/1h

श्री अध्यक्ष: श्री गोविन्द प्रसाद।

मनोहरथाना में विद्यालयों का क्रमोन्नयन एवं नवीन विद्यालयों का प्रारम्भ

श्री गोविन्द प्रसाद (मनोहर थाना): प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमों के नियम 295 के तहत विशेष उल्लेख प्रस्ताव। अध्यक्ष महोदय, मैं सदन के माध्यम से माननीय शिक्षा मंत्री महोदय को अवगत करवाना चाहता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र मनोहरथाना, जिला झालावाड़ में काफी लम्बे समय से विद्यालय क्रमोन्नत करवाने की मांग पूर्ववर्ती सरकार के समय से चली आ रही है, लेकिन मैंने विद्यालय क्रमोन्नत के प्रस्ताव विभाग द्वारा भिजवाया भी गया है। ग्रामीण क्षेत्र के बालक-बालिकाएं विद्यालय क्रमोन्नत के अभाव में शिक्षा को बीच में ही छोड़ देते हैं, क्योकि उनके माता-पिता बच्चों को शिक्षा के लिए दूर स्थान पर संसाधनों के अभाव में नहीं भेज पाते हैं, जिससे कारण शिक्षा का स्तर कमजोर होता जा रहा है। मेरी विधान सभा में राजकीय विद्यालय रानीपुरा, खेजड़ा, पाटलिया लोठान, नेश गुजरान, गुराड़ी मोग्याबेह भीलान, देवकादार, दहीखेड़ा, नीमखेड़ा, उचावदा, संस्कृत विद्यालय गेहूंखेड़ी एवं ब्लॉक अकलेरा को क्रमोन्नत करवाने व हनोती, बोरदा में नवीन विद्यालय खुलवाने का प्रस्ताव भी भिजवाया गया है। साथ ही, विधान सभा क्षेत्र मनोहरथाना के लगभग सभी विद्यालयों में कला वर्ग वर्तमान में संचालित है, जबकि आज की आवश्यकता के अनुसार विज्ञान वर्ग व अंग्रेजी वर्ग, कृषि विज्ञान, विषय निम्न विद्यालयों में ग्राम चंदीपुर, जावर, आवलहेड़ा, कामखेड़ा, कोलुखेड़ीमाल्यान, बासखेड़ी मेवातियान, खाताखेड़ी, कोलुखेड़ीकलॉ, समरोल, बड़बद, शोरती, डूंगरगाँव, खेड़ला, टाडीसोहनपुरा, लावासल, असनावर, जूनाखेड़ा, बडोदिया, घाटोली, ल्हास, चुरेलिया, नयापुरा, सरड़ा आदि गावों के विद्यालयों में नवीन संकाय खुलवाकर शिक्षा के क्षेत्र में विधान सभा क्षेत्र मनोहरथाना को शिक्षा की और बढ़ावा दिया जा सके। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः श्री भागचन्द टांकड़ा।

बांदीकुई के ग्राम रायपुरा में गलत ब्लड़ चढ़ाये जाने से
मृत्यु पर आश्रितों को सहायता

श्री भागचन्द टांकड़ा (बांदीकुई): अध्यक्ष महोदय, आपने राजस्थान विधान सभा प्रक्रिया तथा संचालन नियम 295 के अन्तर्गत विशेष उल्लेख प्रस्ताव में मुझे बोलने का अवसर दिया, धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा कि मेरी विधान सभा क्षेत्र बांदीकुई के ग्राम रायपुरा निवासी स्वर्गीय श्री सचिन शर्मा की सड़क दुर्घटना में घायल होने के पश्चात् प्रदेश के सबसे बड़े चिकित्सालय सवाई मानसिंह चिकित्सालय जयपुर में गलत ब्लड चढ़ाने के कारण दिनांक 23.02.2024 को मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में राज्य सरकार द्वारा एक जांच कमेटी भी गठित की गई थी। उक्त जांच कमेटी के सामने चिकित्सकीय लापरवाही भी सामने आई थी तथा कमेटी ने कतिपय चिकित्साकर्मियों को दोषी भी माना था। उसके बावजूद भी उक्त घटना के दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। मृतक सचिन शर्मा परिवार में इकलौते कमाऊ सदस्य थे। सचिन शर्मा की आय से परिवार का खर्चा चलता था। उनके निधन से परिवार पर आर्थिक संकट आ गया है तथा परिवार का संचालन मुश्किल हो गया है।

अतः मैं माननीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री से निवेदन करता हूं कि मृतक सचिन शर्मा के आश्रित को नौकरी दिलवाई जाये।

श्री अध्यक्षः मार्शल, मार्शल।

श्री भागचन्द टांकड़ा (बांदीकुई): इस अल्प-आय परिवार को सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास तथा बी.पी.एल. में शामिल किया जाये। साथ ही दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाये ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। धन्यवाद।

श्री अध्यक्षः सदन की कार्यवाही 01.00 बजे तक स्थगित की जाती है। निकालो सबको।

(तदनंतर सदन की बैठक 12:13 बजे 13.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

Ans/rtm 13.00 1n 24.02.20

(समयः 13:00 बजे)
पुनः समवेत होने पर
(श्री फूल सिंह मीणा, सभापति, पदासीन)
(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री फूल सिंह मीणा (उदयपुर ग्रामीण): सदन की कार्यवाही भोजनावकाश के लिए दो बजे तक स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की कार्यवाही 13.00 बजे 14.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

VPS-RTM-24.02.2025-14.00-2c

(समय: 14.00 बजे)

पुन: समवेत होने पर

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण। माननीय सदस्यगण, हो गया। कोई किसी का अपमान नहीं चाहता। मेरी दोनों पक्षों से कुछ बातचीत हुई है इसलिए आप सबसे यह आग्रह करता हूं कि आप अपनी-अपनी सीटों पर चले जाएं और सदन का जो निर्णय है, जो सदस्य निलंबित हैं, वे सदन से बाहर चले जाएं। नाम तो सबको ध्यान ही है जो आये हैं। छह नाम है। आप इस सदन से बाहर चले जाएं। सदन तो यही है। सदन अलग थोड़े ही है। दीवानों को जाना हो तो अपने नाम बता दें।

(तदनंतर निलंबित माननीय सदस्यगण श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, श्री रामकेश, श्री अमीन कागजी, श्री जाकिर हुसैन गैसावत, श्री हाकम अली खां एवं श्री संजय कुमार सदन से बाहर गये।)

विपक्ष के नेता श्री टीकाराम जूली।

अनुरोध एवं मांग

दिनांक 21 फरवरी 2025 से उत्पन्न गतिरोध को समाप्त करने हेतु अनुरोध

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्ष महोदय, इस सदन के अन्दर जो गतिरोध पैदा हुआ और विशेष रूप से मैं यह उल्लेख करना चाहूंगा हमारी पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधीजी का, जिस पर यह सारी बातें यहां तक पहुंची। मैं यहां पर कोट करना चाहूंगा अटल बिहारी वाजपेयी जी का जिन्होंने, जब इंदिराजी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े किये तो उन्होंने इंदिरा गांधीजी को दुर्गा का अवतार बताया था। यह हमारी परंपरा रही है। कई ऐसे वाकया यहां पर आये हैं, जब संसदीय व्यवस्था की बात आयी है तो हमने भी भैरोंसिंहजी शेखावत साहब को बड़े ही मान-सम्मान और इज्जत के साथ यह कहा है कि उन्होंने हमेशा संसदीय कार्य व्यवस्था को अपनाया और एक बहुत ही क्योंकि हम सब लोग यहां पर, चाहे पक्ष हो या विपक्ष हो, हम सब लोग राजस्थान की जनता की बात करने के लिए यहां पर आते हैं। राजस्थान कैसे आगे बढ़े, इस बात को लेकर आते हैं लेकिन कई बार इस प्रकार की परिस्थितियां बनती हैं कि गतिरोध बन जाता है।

मैं अध्यक्षजी, आपसे यह आग्रह करूंगा क्योंकि जो चीजें यहां पर घटित हुईं, वह नहीं होनी चाहिए थी। मेरा आपसे यह आग्रह है कि आप इस पर व्यवस्था दें ताकि सदन आगे सुचारु रूप से चल सके।

श्री राजेन्द्र पारीक (सीकर): माननीय अध्यक्ष महोदय, 21 तारीख से जिस तरह का यह गतिरोध था, सभी जो इस सदन के माननीय सदस्य हैं, उन सबको शायद इस बात से इत्तफाक होगा कि वह गलत हुआ। हम 1952 के काल खंड से लेकर जब नरोत्तम लालजी

जोशी इस विधान सभा के अध्यक्ष रहे तब से लेकर डाक्टर सी.पी.जोशी तक का काल खंड हम देखें तो इस तरह के गतिरोध कई बार हुए हैं लेकिन गतिरोध को समाप्त करने के लिए हमेशा संवाद हुआ है और संवाद से समाधान तक हम पहुंचे हैं और इस तरह की पुनरावृत्ति नहीं हो तो मैं खास तौर से सभी माननीय सदस्यों से जो पुराने हैं और खास तौर से जो नये सदस्य हैं, उनसे भी यह आग्रह करना चाहूंगा कि हम यहां पर अपनी अलग-अलग भूमिका में है। सत्ता पक्ष की अपनी अलग भूमिका है और विपक्ष की अपनी अलग भूमिका है और हम अपना-अपना रोल प्रकट कर रहे हैं। हम सब जनता के हितों की बात कहने के लिए आये हैं। आप भी जनता के हितों की बात कर रहे हैं, हम भी अपनी जनता के हितों की बात कर रहे हैं। हो सकता है कि आपके और हमारे बीच में वैचारिक मतभेद हो लेकिन हम सबका उद्देश्य यही है कि राजस्थान की पूरी जनता, हम जो कुछ भी यहां पर सार्थक चर्चा करें, उससे लाभान्वित हो। यह जो समय गया है, मैं व्यक्तिगत रूप से यह मानता हूं कि यह मूल्यवान समय है जो राजस्थान की जनता का हमने यहां पर 21 तारीख से लेकर अब तक जो व्यतीत किया है, मैं यह समझता हूं कि यह हम सबके लिए चिंता का विषय है। भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति नहीं हो और गतिरोध हो भी तो संवाद के माध्यम से इस तरह का समाधान होना चाहिए। आपके और हमारे व्यक्तिगत कोई भी ऐसी बात नहीं है जिससे आपके और हमारे किसी तरह का कोई व्यक्तिगत मतभेद हो।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे भी यह आग्रह करूंगा कि नरोत्तम लालजी जोशी से लेकर डाक्टर सी.पी.जोशी तक का काल खंड आप देखेंगे तो आप स्वयं इस बात को पाएंगे कि आसन हमेशा पितृवत पद पर रहता है। चाहे पक्ष हो या चाहे विपक्ष हो, विपक्ष का संरक्षण आपको ही करना है और विपक्ष आपसे संरक्षित होगा तो अपनी भूमिका में वह ज्यादा कर्मठता से अपनी बात को रख पायेगा तो आप भी इस बात को यह देखते हुए कि विपक्ष का संरक्षण मुझे करना है और संरक्षित भाव से आप यदि विपक्ष को देखेंगे तो आसन के प्रति किसी भी माननीय सदस्य का कोई भी अमर्यादित आचरण कोई नहीं चाहता और आप सर्वोपरि हैं, सर्वोपरि रहेंगे और सभी माननीय सदस्य आपका सम्मान दिल से करते हैं, केवल मुंह से ही नहीं। यह बात कोई सिर्फ जबान से कहने की नहीं है, हृदय से मनसा, वाचा और कर्मणा हम आपका सम्मान करते हैं। मेहरबानी करके जो भी कुछ यह घटित हुआ, इसको अपने दिमाग से निकालें और भविष्य के लिए आप निर्देश फरमाएं, आप दोनों पक्षों के लिए निर्देश फरमाएं कि हम शालीनतापूर्वक अपने व्यवहार की बात करें। शाब्दिक, 'वचने का दरिद्रता', शास्त्र कहता है 'वचने का दरिद्रता', वचन की दरिद्रता न इधर से हो और न उधर से हो। वचन की दरिद्रता करके हम स्वयं इस बात का प्रमाण पत्र देते हैं कि मेरा व्यक्तित्व कैसा है। तो मैं सभी माननीय सदस्यों से जो कि इस सदन के सदस्य हैं, उनसे यह आग्रह करूंगा कि वचन की दरिद्रता नहीं हो, वैचारिक मत-भेद हो सकते हैं लेकिन वचन की दरिद्रता जो है वह उससे भी ज्यादा निकृष्ट है। भविष्य में हम इस बात का ध्यान रखें और इस सदन का जो समय है, राजस्थान की जनता का यह समय है। हम भाग्यशाली हैं 200 लोग

जिनको राजस्थान की जनता ने एक अमूल्य समय हमको दिया है और इसका हम सदुपयोग करें, यही मेरी आप सबसे अपेक्षा है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं पुन: आपसे यह आग्रह करूंगा कि 21 तारीख से लेकर अब तक जो गतिरोध बना हुआ है, आप उदारता दिखाते हुए उस गतिरोध को समाप्त करें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: माननीय संसदीय कार्य मंत्री।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, पहले तो मैं आपका आभार व्यक्त करूंगा कि आपने अपनी तरफ से पूरे प्रयास किये। सदन की गरिमा बनी रहे, आसन का मान और सम्मान हो और हमारी जो स्वस्थ परंपराएं इस विधान सभा में रही हैं, वह कायम रहें। पक्ष हो या विपक्ष हो, सभी एक दूसरे माननीय सदस्य का मान और सम्मान करें और उससे भी अधिक आसन का पूरा मान और सम्मान करे। हमारा यह भी मानना है, मेरे दल के लोगों का कि हम कभी भी ऐसा कोई कृत्य नहीं करेंगे, न हमने किया है और न भविष्य में कभी करेंगे जिससे किसी एक दूसरे को कुछ कहने की आवश्यकता रहे। हमने हमेशा आसन का सम्मान किया है और हमेशा सम्मान करते भी रहेंगे। जो गतिरोध हुआ, वह ठीक नहीं था।

मेरा सभी साथियों से अनुरोध है और विशेषकर प्रतिपक्ष के साथियों से भी मेरा अनुरोध है कि हम, जैसा कि अभी पारीक साहब ने कहा कि हम शब्दों से या अपने व्यवहार से या अपने कृत्य से ऐसा कोई काम नहीं करें जिससे एक दूसरे का मान-सम्मान कम हो, एक दूसरे के मान-सम्मान में कोई कमी नहीं रहे या आसन को यह लगे कि नहीं मेरे मान-सम्मान में कोई ठेस पहुंची है। मेरा अब यह मानना है कि हमारा यह सदन वह सदन है जहां से माननीय भैरोंसिंहजी जैसे, माननीय शिवचरणजी जैसे महान व्यक्ति यहां से निकले हैं। हम उनके आदर्श को मानते हुए एक दूसरे का मान और सम्मान करें और गतिरोध के प्रति चूंकि माननीय पारीक साहब ने और माननीय प्रतिपक्ष के नेता ने आपसे रिक्वेस्ट की है, आपसे प्रार्थना की है और ऐसी परिस्थिति में मेरे दल का भी यह मानना है कि आप पूरा बड़ा दिल दिखाएं और इस गतिरोध को समाप्त करने के लिए कोई न कोई फार्मूला निकाल कर आप इसको हल करें।

मैं पुन: सभी का आभार व्यक्त करता हूं कि आपने प्रयास किया और सभी ने, पक्ष और विपक्ष ने इस पर सहमति जतायी, ऐसी स्थिति में मेरा पुन: आपसे यह अनुरोध है कि आप इस गतिरोध को समाप्त करें। हमारी इन स्वस्थ परंपराओं को पुन: कायम करें और यह निरंतर स्वस्थ परंपराएं हमारी चलती रहें। शब्दों से किसी को आहत नहीं करें, ऐसा मेरा निवेदन है। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: सदन से जो लोग निलंबित हैं उनमें से, वैसे तो निलंबन समाप्ति के पहले वे सदन में नहीं आ सकते, लेकिन उनमें से एक श्री गोविन्द सिंह डोटासरा को विशेष अनुमति से, केवल वे अकेले सदन में आएं और अपनी बात कहें।

(तदनंतर श्री गोविन्द सिंह डोटासरा सदन में आये)

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार।

SSY/RTM/24.02.2025/14.10/2d

आपने बड़ा दिल दिखाया और सत्ता पक्ष, प्रतिपक्ष के साथ में आपने वार्ता करके बड़ा दिल दिखाते हुए इस गतिरोध को तोड़ने की पहल की है, गतिरोध को समाप्त करने की पहल की है, इसके लिए पूरा सदन आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, क्योंकि प्रतिपक्ष अपनी बात सदन के माध्यम से, आपकी अनुमति से ही कह सकता है और जब से आप अध्यक्ष के पद पर आसीन हुए हैं तब से हमेशा आपने प्रतिपक्ष को संरक्षण प्रदान किया है, यह बात कहने में मुझे किसी तरह की कोई शंका नहीं है। मैं कहना चाहता हूं कि आपने हमेशा ध्यान रखा है और आगे भी मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, आपसे अपेक्षा करता हूं कि आप हमेशा प्रतिपक्ष को जो केवल यहां सरकार के समक्ष जनता की बात कहने के लिए आता है, उसको आप संरक्षण प्रदान करेंगे। यह मैं निवेदन करना चाहता हूं।

माननीय, जो गतिरोध उत्पन्न हुआ, माननीय कैबिनेट मंत्री जी ने भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी, पूर्व प्रधान मंत्री जी के लिए अमर्यादित टिप्पणी की और उसको प्रतिपक्ष एक्सपंज कराना चाहता था, उससे गतिरोध शुरू हुआ, फिर आक्रोश के अन्दर हम लोग माननीय अध्यक्ष महोदय आपसे गुहार लगाने के लिए टेबल तक भी चले गए और उसके बाद में 2-3 दिन तक वार्ता नहीं हुई और यह जो गतिरोध बना रहा, हमें हाउस में रहना पडा, लेकिन हाउस में भी आपने हमको पूरी तरीके से संरक्षण प्रदान किया। सारी व्यवस्थाएं की। लेकिन मेरा ऐसा मानना है कि हम इस सदन के अन्दर चाहे सत्ता पक्ष हो, चाहे प्रतिपक्ष हो, आपके नेतृत्व में यहां पर अपनी-अपनी बात करते हैं। सरकार अपना बिजनस पूरा करती है, काम करती है। अपनी योजनाएं बताती है और प्रतिपक्ष उसमें कमियां, खामियां और जनता की बात बताने का काम करता है।

मेरा ऐसा मानना है कि माननीय मंत्री महोदय की अमर्यादित टिप्पणी से शुरू होकर के जो हमारे द्वारा 5 सदस्यों के साथ, मेरे द्वारा डायस पर जाना और उसके बाद में यह 3 दिन तक गतिरोध होना, चाहे वह सदन के अन्दर सदन की कार्यवाही चलने के दौरान हुआ हो, चाहे वह जब यहां पर सदन नहीं चला हो, उस वक्त हुआ हो, वह संपूर्ण जो घटनाक्रम है, वह वास्तव में खेदजनक है हमारे सब के लिए, क्योंकि खेदजनक इसलिए है कि हम जनता के मुद्दों के लिए आये हैं और आपके नेतृत्व में आपके द्वारा यहां पर हम सबको सुविधा प्रदान की जाती है कि वह अपने-अपने इलाके की बात करें। तो, मैं तो आपसे यही आग्रह करूंगा कि आसन का हमेशा, आसन का हमेशा सम्मान रहा है।

श्री अध्यक्ष: खेद।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आगे भी रहेगा। संपूर्ण घटनाक्रम शुरू से लेकर आखिरी तक जो भी हुआ, वह निश्चित रूप से खेदजनक है क्योंकि जनता के सवालों के लिए यहां आते हैं, हमारा व्यक्तिगत कोई काम नहीं होता है। यह मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं। आगे भी हम लोग, हमारे नेता, प्रतिपक्ष सम्माननीय जूली साहब जी के नेतृत्व में यहां पर प्रतिपक्ष आपको यह विश्वास दिलाता है कि आसन का सम्मान हमेशा बना रहेगा। इसमें किसी तरह की कोई कमी नहीं आयेगी। जहां भी जिस तरीके की बात आये, मैं आपसे आग्रह करुंगा चाहे हमारी तरफ से आये, आप हमें टोकें, डांटें, व्यवस्था दें, जो भी करें, यह आपका अधिकार है। लेकिन सत्ता पक्ष की ओर से शुरूआत हो तो फिर दिक्कत आती है, इसलिए दोनों तरफ से आप जो भी अपनी व्यवस्था दें उसमें दे देंगे, आपकी व्यवस्था के मुताबिक हम सदन को चलायेंगे। इसलिए मैं तो यही निवेदन करना चाहता हूं कि जो भी घटनाक्रम हुआ, पूरा जब सदन चलने के दौरान शुरू से लेकर आखिर तक वह वास्तव में खेदजनक है और जो हाउस के एडजोर्न के दौरान भी हमारे द्वारा कोई भी शब्द कहे गये हैं, वह शब्द अमर्यादित हों, नहीं होने चाहिए, यह मैं खुद स्वीकार करता हूं कि वह शब्द भी अच्छे होने चाहिए चाहे वह सड़क पर कहें, सदन में कहें, चलने के दौरान कहें, चाहे बाहर कहें, वह अच्छी बात नहीं है, हम भी खुद इसको महसूस करते हैं। इसलिए आप हमें संरक्षण प्रदान करें और इस गतिरोध को आपने समाप्त करने की जो पहल की है, मैं उम्मीद करता हूं कि यह गतिरोध समाप्त होगा और आगे चलेगा। धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष: माननीय एक सैकण्ड। माननीय सदस्य, आपने घटना को तो खेद जनक बताया; मैं खेद प्रकट करता हूं, यह तो एक वाक्य कह दें। यह बात हुई है। आप खेद नहीं करें, बाकी घटना तो खेद जनक बता दी है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): मुझे आपने अनुमति दी है। जब मैं कह रहा हूं कि मंत्री की बात से लेकर के अब तक जो भी घटना क्रम हुआ, वह सारा का सारा खेद जनक है। निश्चित रूप से खेद जनक है। यह नहीं होना चाहिए क्योंकि हम जनता के लिए आते हैं, हमारा व्यक्तिगत कोई काम नहीं होता है। यह मैं कहना चाहता हूं।

श्री अध्यक्ष: माननीय संसदीय मंत्री जी। यह तो नहीं है। खेद आपने कहां प्रकट किया? घटना का कहा।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मेरा आपसे अनुरोध है कि जो बात हुई, उसको आप थोड़ा सा उन्हीं शब्दों में कहें, मेरा निवेदन रहेगा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): नहीं, नहीं, आप सुनिये।

श्री अध्यक्ष: अपना यह जो डायस पर चढ़े, उसके लिए खेद प्रकट करें। जो डायस पर चढ़े उसके लिए हम खेद प्रकट करते हैं।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आपने कहा था कि मैं खेद व्यक्त कर दूंगा। मेरा निवेदन है, आपसे अनुरोध है कि जो तय हुआ है उसी अनुसार चलें। सभी माननीय सदस्य, पारीक साहब ने वही बात कही। जूली साहब ने कही। मैंने भी वही कही। इसलिए जो तय

हुआ है आप उसी पर कायम रहें।

श्री अध्यक्षः डायस वाला पार्ट। यह नहीं है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): आप मंत्री से करवाइये। उसके बाद में मैं, जो भी मेरे से बन पड़ेगा वह मैं करुंगा। पहले मंत्री बोलेगा, शुरूआत मंत्री से हुई है।

श्री अध्यक्षः दुबारा मंत्री से जो कहलवाना होगा वह कहलवाऊंगा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): शुरूआत मंत्री से हुई है।

श्री अध्यक्षः पहले आप खेद प्रकट करो।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष के चैम्बर में जो तय हुआ है, सभी माननीय सदस्यों ने तय किया है और स्पेशल रूप से पारीक साहब ने जो कहा है, जूली साहब ने जो कहा है, आपने वहां पूर्ण रूप से एग्री किया है। उसमें विथड्रा होना ठीक नहीं है। मेरा आपसे अनुरोध है कि सदन में अपनी बात कहने से, सदन में आसन के प्रति सम्मान करने से आदमी छोटा नहीं होता है। आदमी बड़ा होता है। आपका जो भी आसन के प्रति जाने में रहा है, पारीक साहब जैसा कह रहे हैं, मेरा आपसे सविनय है कि आप कह दें कि मेरे से कोई हुआ है तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। इतनी बात हुई। काम आगे चलेगा, रुकेगा नहीं। मेरा आपसे पुनः अनुरोध है, मेरी रिक्वैस्ट है कि जैसे पारीक साहब कह रहे हैं, मान लें उस बात को।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): जो कक्ष में बात हुई है उसके मुताबिक ही करेंगे, क्योंकि हम जनता के मुद्दों पर चर्चा करना चाहते हैं। इसलिए पहले जहां से शुरूआत हुई, उनके शब्दों, आप सुनिये मेरी बात, ऐसे नाड़ हिलाने से नहीं चलता काम। आप मेरी बात सुनिये, मैं चेयर को निवेदन करुंगा कि जब शुरूआत जिससे हुई, वह अगर अपनी बात ही कहने को तैयार नहीं है तो मेरे शब्दों का क्या महत्व है? फिर डैडलॉक कैसे टूटेगा? आप बताइये।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): किसी ने नहीं कहा।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): मंत्री की बात सुनूंगा मैं, मुझे लगेगा कि इन्होंने वास्तव में रियलाइज किया है तो मैं 4 बार कर लूंगा। लेकिन मंत्री ही रियलाइज नहीं करे और मैं उससे पहले रियलाइज कर लूं यह संभव नहीं है।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): एक मिनट, माननीय अध्यक्ष महोदय, जब सारे वरिष्ठ सदस्यों के मामले में सब तय हो गया, सबने पूर्ण रूप से एग्री किया, उसके बाद शब्दों का फेरफार करना, मुझे जचेगा, नहीं जंचेगा, यह इस सदन की और वरिष्ठ सदस्यों का अपमान है। यह आप वहीं कह देते कि मैं नहीं करुंगा तो जो भी व्यवस्था होगी, वह होगी। अब वहां तय होने, आने के बाद, स्पष्ट रूप से तय होने, आने के बाद अपने स्वयं के वरिष्ठ सदस्यों की मौजूदगी में तय होने के बाद, यहां पारीक साहब और स्वयं कह रहे हैं कि नहीं भाई, अपने तय हुआ है। आपके स्वयं कह रहे हैं। जूली साहब स्वयं कह रहे हैं और उसके बाद इस तरह से शब्दों का फेरफार करना मेरी समझ में उचित नहीं है। बड़ा दिल दिखाना

चाहिए और आपको खेद व्यक्त करना चाहिए।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि आपने निलंबित होते हुए भी मुझे बुलाया और मैं चौथी बार चुनकर के आया हूं तो मैं समझता हूं कि आसन का सम्मान, डैडलॉक कैसे टूटना चाहिए। लेकिन डैडलॉक की शुरूआत जब मंत्री से हुई है तो मंत्री अपनी बात कह दे, फिर मैं कहूंगा ना, कहां दिक्कत आ रही है?

श्री अध्यक्ष: डैडलॉक, मैं तो ऊपर डायस पर आने पर क्षमा चाह रहा हूं। खेद, जो भी है। उस विषय को तो अपन चलेंगे। डायस पर चढ़े यह अध्यक्ष का अपमान है।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (लक्ष्मणगढ़): एक मिनट, मुझे डेस्क पर क्यों आना पडा?

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): क्यों आना पडा?

श्री अध्यक्ष: ऐसे नहीं आ सकता कोई ...(व्यवधान)...लोक सभा में ...(व्यवधान)...

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): अध्यक्ष महोदय, जस्टिफाई कर रहे हैं ...(व्यवधान)... यह जस्टिफाई कर रहे हैं। आप बात को घुमा रहे हैं।

श्री अध्यक्ष: यदि आप नहीं कर रहे हैं तो मैं इससे सहमत नहीं हूं। मैं सदन की कार्यवाही आधे घंटे के लिए स्थगित करता हूं।

(तदनन्तर सदन की बैठक 14.18 बजे 14.48 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)

spp/rtm/24.02.2025/14.40/2g

(समय:14.48 बजे)

पुन: समवेत होने पर

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

अध्यक्ष द्वारा सम्बोधन

लोक सभा नियमों की तर्ज व परिप्रेक्ष्य में आसन के निकट अथवा अन्य नियम उल्लंघन पर सदस्यों का स्वत: निलम्बन

श्री अध्यक्ष: राम-राम, नमस्कार। जिन माननीय सदस्यों को निलम्बित किया गया है, वे सदन से चले जाएं। वह बाहर ही रहें। ..(व्यवधान).. नहीं हो गया। एक मिनट। अध्यक्ष के लिये लोक सभा के अन्दर व्यवस्था है। आप बिराजो एक मिनट। अध्यक्ष के आसन के निकट आकर अव्यवस्था उत्पन्न करने वाले सदस्यों का स्वत: निलम्बन। और हम लोक सभा का पालन करते हैं। मैं पढ़कर बता रहा हूं -

'किसी सदस्य द्वारा अध्यक्ष के आसन के निकट आकर अथवा सभा के नियमों का उल्लंघन करके, सभा में नारे लगाकर या अन्य प्रकार से सभा की कार्यवाही में हठपूर्वक और जान-बूझकर बाधा डालकर घोर अव्यवस्था उत्पन्न किये जाने की स्थिति में अध्यक्ष द्वारा सदस्य का नाम लिये जाने पर वह सभा की सेवा से लगातार पांच बैठकों के लिये या सभा की शेष अवधि के लिये, जो भी कम हो, स्वत: निलम्बित हो जायेगा।'

मैंने यहां बहुत प्रयत्न किया कि सदन चले और सवेरे से बातचीत कर रहा हूं और पहले

दिन भी आपको पता है कि मैंने प्रयत्न किया। लेकिन मेरे प्रयत्नों पर एक हठधर्मिता के कारण यह काम नहीं हो पाया। अतः अब यह संभव नहीं है, हम सदन की कार्यवाही चलायेंगे।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय अध्यक्षजी, मेरा आपसे आग्रह है, जहां तक आप लोक सभा की बात कर रहे हैं, यहां अपने परिपाटी रही है। पहले भी यहां तक सदस्य, चाहे सत्ता पक्ष के हों, जो आज सत्ता पक्ष में हैं, वह पहले विपक्ष में थे, वह लोग जाते रहे थे। और यह एक ऐसी जो बात है, वह सारी तय हो गयी थी। संसदीय मंत्रीजी से भी तय हो गयी थी। जो गतिरोध बना है, उसको मैं चाहूंगा कि आप व्यवस्था दें। इसको और आगे आधे घंटे के लिये स्थगित करके, जिससे कि सदन सुचारू रूप से चल सके। यह अध्यक्ष जी ...(व्यवधान)...

jyg/rtm/24.02.25/14.50/2h

श्री अध्यक्ष: सदन की मेज पर रखे जाने वाले पत्रादि। अधिसूचनाएं। श्री झाबर सिंह खर्रा। ...(व्यवधान)... अब बहुत हो गया, आपको जो करना है वो करो। ...(व्यवधान)...यहां पर कोई भी आये तो मेरे बिना कहे भी मार्शल आ सकते हैं। ...(व्यवधान)... बहुत हो गया, सुबह से दो घण्टे हो गये, आपके सदस्य नट गये। ...(व्यवधान)... आपकी बात को नट गये, पारीक साहब की बात को नट गये, बार-बार थोड़े ही होता है, सदन किसी के करने से बाधित नहीं होगा। ...(व्यवधान)...

सदन पटल पर रखे गये पत्र

अधिसूचनाएं

नगरीय विकास विभाग

श्री झाबर सिंह खर्रा (राज्य मंत्री, नगरीय विकास): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से कार्य सूची में किये गये उल्लेख के अनुसार नगरीय विकास विभाग की निम्नांकित अधिसूचनाएं सदन की मेज पर रखता हूं:-

1. अधिसूचना संख्या: प.11(21)नविवि/मारवाड़ जंक्शन/2024 दिनांक 12.08.2024 जिसके द्वारा मारवाड़ जंक्शन (जिला-पाली) मास्टर प्लान-2043 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

2. अधिसूचना संख्या: प.11(22)नविवि/रानीवाड़ा/2024दिनांक 12.08.2024 जिसके द्वारा रानीवाड़ा (जिला-जालौर) मास्टर प्लान-2043 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

3. अधिसूचना संख्या: प.10(43)नविवि/3/2000 दिनांक 12.08.2024 जिसके द्वारा बाड़ी मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से समयावधि 1 वर्ष अथवा नवीन मास्टर प्लान प्रारूप का प्रकाशन होने तक, जो भी पहले हो, तक बढ़ायी गई है;

4. अधिसूचना संख्या: प.11(23)नविवि/हमीरगढ़/2024दिनांक 12.08.2024 जिसके द्वारा

हमीरगढ़ (जिला-भीलवाड़ा) मास्टर प्लान-2045 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

5. अधिसूचना संख्या: प.11(7)नविवि/भीनमाल/2022 दिनांक 28.08.2024 जिसके द्वारा भीनमाल मास्टर प्लान-2041 को बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 7 की अधिसूचना जारी की गई है;

6. अधिसूचना संख्या: प.11(2)नविवि/2021 दिनांक 28.08.2024 जिसके द्वारा परतापुर-गढी (जिला-बांसवाड़ा) मास्टर प्लान-2036 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 7 की अधिसूचना जारी की गई है;

7. अधिसूचना संख्या: प.11(3)नविवि/मनोहरपुर/2024 दिनांक 30.09.2024 जिसके द्वारा मनोहरपुर (जिला-जयपुर ग्रामीण) मास्टर प्लान-2043 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

8. अधिसूचना संख्या: प.11(4)नविवि/नरायना/2024 दिनांक 30.09.2024 जिसके द्वारा नरायना (जिला-जयपुर ग्रामीण) मास्टर प्लान-2043 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

9. अधिसूचना संख्या: प.11(2)नविवि/दांता(सीकर)/2024 दिनांक 04.10.2024 जिसके द्वारा दांता (जिला-सीकर) मास्टर प्लान-2043 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

10. अधिसूचना संख्या: प.11(8)नविवि/2020 दिनांक 14.10.2024 जिसके द्वारा विकास प्रोत्साहन एवं नियंत्रण उपविधियां (DPCR) लागू की गई है;

11. अधिसूचना संख्या: प.11(1)नविवि/अजीतगढ़/2024दिनांक 21.10.2024 जिसके द्वारा अजीतगढ़ (जिला नीमकाथाना) का मास्टर प्लान-2043 बनाये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 3(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

12. अधिसूचना संख्या: प.10(6)नविवि/3/81 पार्ट-2 दिनांक 08.11.2024 जिसके द्वारा भीलवाड़ा शहर मास्टर प्लान-2035 में प्रस्तावित जोनल डवलपमेन्ट प्लान 'सी' में संशोधन किया गया है;

13. अधिसूचना संख्या: प.11(3)नविवि/इटावा/2015 दिनांक 19.11.2024 जिसके द्वारा इटावा (जिला-कोटा) मास्टर प्लान-2041 को राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 7 के तहत अधिसूचित किया गया है;

14. अधिसूचना संख्या: एजेजेड/1120/एमपी/डेगाना/24 दिनांक 27.11.2024 जिसके द्वारा डेगाना मास्टर प्लान-2041 पर आपत्ति/सुझाव प्राप्त किये जाने हेतु धारा 5(1) के तहत अधिसूचना जारी की गई है;

15. अधिसूचना संख्या: प.10(15)नविवि/3/2003 दिनांक 29.11.2024 जिसके द्वारा पीलीबंगा मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि बढ़ाये जाने अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

16. अधिसूचना संख्याः प.11(18)नविवि/छबडा/2023 दिनांक 29.11.2024 जिसके द्वारा छबड़ा मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

17. अधिसूचना संख्याः प.11(12)नविवि/अन्ता/2023 दिनांक 02.12.2024 जिसके द्वारा अन्ता मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

18. अधिसूचना संख्याः प.10(43)नविवि/3/2000 दिनांक 02.12.2024 जिसके द्वारा बाडी मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

19. अधिसूचना संख्याः प.11(6)नविवि/फलौदी/2024 दिनांक 02.12.2024 जिसके द्वारा फलौदी मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

20. अधिसूचना संख्याः प.1(2)नविवि/3/04 दिनांक 05.12.2024 जिसके द्वारा कुशलगढ़ मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

21. अधिसूचना संख्याः 1.17(10)नविवि/नियम/2010 pt1 GSR 78 दिनांक 06.12.2024 जिसके द्वारा राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आवंटन) नियम, 2012 के फॉर्म-02 में उल्लेखित शपथ-पत्र के बिन्दु संख्या 04 को प्रतिस्थापित एवं प्रस्तावना में संशोधन किया गया है;

22. अधिसूचना संख्याः प.1(2)नविवि/3/04 दिनांक 08.12.2024 जिसके द्वारा अनूपगढ़ मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

23. अधिसूचना संख्याः प.10(26)नविवि/3/2000 दिनांक 12.12.2024 जिसके द्वारा डीडवाना मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

24. अधिसूचना संख्याः टीपीआरः1121/एमपी/ओएस/बीकेजेड/बीकानेर दिनांक 12.12.2024 जिसके द्वारा बीकानेर मास्टर प्लान-2043 पर आपत्ति/सुझाव प्राप्त किये जाने के संबंध में राजस्थान नगर सुधार अधिनियम, 1959 की धारा 5(1) की अधिसूचना जारी की गई है;

25. अधिसूचना संख्याः प.17(19)नविवि/नियम/2024 दिनांक 15.12.2024 जिसके द्वारा भरतपुर विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है;

26. अधिसूचना संख्याः प.17(20)नविवि/नियम/2024 दिनांक 15.12.2024 जिसके द्वारा बीकानेर विकास प्राधिकरण का गठन किया गया है;

27. अधिसूचना संख्याः प.10(7)नविवि/3/1997 दिनांक 16.12.2024 जिसके द्वारा

शाहपुरा मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से 01 वर्ष समयावधि दिनांक 31.12.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

28. अधिसूचना संख्या: प.17(19)नविवि/नियम/2019 दिनांक 20.12.2024 जिसके द्वारा राजस्थान नगरीय क्षेत्र (कृषि भूमि का गैर कृषिक प्रयोजन के लिए उपयोग की अनुज्ञा और आंवटन) नियम, 2012 के नियम 10 के उप नियम (2) में प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना (रिप्स) 2024 के अधीन स्थापित होने वाले उद्यम को उक्त योजना के अन्तर्गत छूट प्रदान की गई है;

29. अधिसूचना संख्या: प.10(16)नविवि/3/1998 दिनांक 27.12.2024 जिसके द्वारा सूरतगढ़ मास्टर प्लान-2023 की समयावधि समाप्त होने से दिनांक 31.06.2025 अथवा नवीन मास्टर प्लान का प्रकाशन होने तक के लिए बढ़ायी गयी है;

30. अधिसूचना संख्या: टीपीआर 1121/ओएस/जेजेड/एमपी/विद्या-विहार-पिलानी विद्या-विहार पिलानी दिनांक 02.01.2025 जिसके द्वारा मास्टर प्लान-2031 पर आपत्ति/सुझाव प्राप्त किये जाने हेतु धारा 5 के तहत अधिसूचना जारी की गई है;एवं

31. अधिसूचना संख्या: प.19(2)नविवि/2023 दिनांक 21.01.2025 जिसके द्वारा श्रीमती रश्मि गुप्ता को राजस्थान रियल एस्टेट अपीलेट ऑथोरिटी में सदस्य नियुक्त किया गया है।

जय हिन्द। जय-जय राजस्थान।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्ष: ...(व्यवधान)... सुन लिया। अब नहीं सुनूंगा। ...(व्यवधान)... बहुत हो गया। आपकी हठधर्मिता मैं पसन्द नहीं करता हूं। ...(व्यवधान)...

श्री हीरालाल नागर।

ऊर्जा विभाग

श्री हीरालाल नागर (राज्य मंत्री, ऊर्जा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से ऊर्जा विभाग की अधिसूचना संख्या: रा.वि.वि. आयोग/सचिव/विनियम/154 दिनांक 25.07.2024 जिसके द्वारा विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 61, 66, 86(1)(ई) सपठित धारा 181 के तहत राजस्थान विद्युत विनियामक आयोग (ग्रिड पारस्परिक क्रिया वितरित अक्षय ऊर्जा उत्पादन तंत्र) (द्वितीय संशोधन) विनियम, 2024 बनाये गये हैं, सदन की मेज पर रखता हूं।

श्री अध्यक्ष: श्री संजय शर्मा।

प्रतिवेदन एवं लेखे

श्री संजय शर्मा (राज्य मंत्री, वन): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्नांकित वार्षिक प्रतिवेदन एवं लेखे सदन की मेज पर रखता हूं:-

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल का वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2023-24)

जल (प्रदूषण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 32(2) के अन्तर्गत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24;

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर के वैधानिक अंकेक्षण प्रतिवेदन
(वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22)

जल (प्रदूषण की रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम-1974 की धारा 40(7) के अन्तर्गत राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्डल, जयपुर के वैधानिक अंकेक्षण प्रतिवेदन वर्ष वर्ष 2018-19, 2019-20, 2020-21 एवं 2021-22;

राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष (2023-24)

जल (प्रदूषण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 32(2) के अन्तर्गत राजस्थान राज्य जैव विविधता बोर्ड, जयपुर का वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2023-24;

राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड का प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन
(वर्ष 2020-21) व द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन (वर्ष 2021-22)

कम्पनी अधिनियम की धारा 394 के अन्तर्गत राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड का प्रथम वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2020-21 व द्वितीय वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2021-22 धन्यवाद।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री अध्यक्षः अब सदन को आगे तक चलाना है। ...(व्यवधान)... बहुत हो गया। यह आसन का अपमान नहीं है तो और क्या है? ...(व्यवधान)... मैं बोलना नहीं चाहता। ...(व्यवधान)... मैं अब क्षमा चाहूंगा। मैंने आप सबका आदर करते हुए मैंने व्यवस्था दी, यह आकर ऐसे थोड़े ही होता है। ...(व्यवधान)... मार्शल, यहां आओ। ...(व्यवधान)... मैंने सदन को चलाने के लिए ही सारी व्यवस्थाएं की थी। ...(व्यवधान)... नीचे जाओ पहले। पहले नीचे जाओ। ...(व्यवधान)... लोक सभा में 140 भी गये थे, यहां भी चले जायेंगे। ...(व्यवधान)... पहले नीचे जाओ। ...(व्यवधान)... नीचे जाओ। अदरवाइज यू शुड बी रेडी, मेरे ऊपर कोई भी आये। ...(व्यवधान)... याचिकाओं का उपस्थापन। श्री कान्ति प्रसाद। ...(व्यवधान)... श्री कान्ति प्रसाद। (बोलने के लिए अपनी सीट पर उपस्थित नहीं हुए।) ...(व्यवधान)... श्री अमित चाचाण। नहीं है। (बोलने के लिए अपनी सीट पर उपस्थित नहीं हुए।) श्री गोपाल शर्मा। अपना भाषण शुरू करें। ...(व्यवधान)...

आय-व्ययक

आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2025-26 पर सामान्य वाद-विवाद

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस बात के लिए आभारी हूं कि आपने मुझे बजट प्रस्तावों के ऊपर बोलने का अवसर दिया। मैं किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाये बिना निवेदन करना चाहता हूं,

अपने चेहरे से जो जाहिर है, वो छुपाये कैसे,
तेरी मर्जी के मुताबिक नजर आयें कैसे,
ये कैसे शख्स हैं, कितनी ही अच्छी बात करो,
कोई न कोई बुराई का पहलू निकाल लेते हैं।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

हमारे देश के लोकप्रिय प्रधान मंत्रीजी, आदरणीय नरेन्द्र मोदीजी के मागदर्शन में हमारे मुख्य मंत्री महोदय, श्रीमान् भजन लाल जी की कर्मठता, परिश्रम, भविष्य के प्रति जागरूकता इस बजट के अन्दर परिलक्षित है, स्पष्ट नजर आती है। मुख्य मंत्रीजी की प्रदेश के प्रति त्वरित विकास की आतुरता और जन समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता की भावना से यह सारा सदन परिचित है, इसीलिए अच्छे बजट के ऊपर कोई भी बात बोलने देने के लिए यह घृणित प्रयास किया जाता है कि लोगों को बोलने नहीं दिया जाये, सदन को चलने नहीं दिया जाये। यह जो बजट है यह हिन्दुस्तान के इतिहास में इस राजस्थान के लिहाज से एक मॉडल बजट है। यह 'पी' मॉडल बजट है, इसमें पंच निष्ठा का प्रतिबिम्ब है। यह बजट पोजिटिव बजट है। यह बजट है परफोर्मिंग बजट, यह बजट है प्रोग्रेसिव बजट, यह बजट है पावरफुल बजट, यह बजट है परफेक्ट बजट। इस तरह से यह पंच निष्ठाओं का प्रतीक है।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

इस ग्रीन बजट के अन्दर इन्द्रधनुष के सात रंग हैं, सात रंग हैं, युवाओं को अवसर, महिलाओं का सशक्तीकरण, गरीब किसानों का सम्बल, व्यवसाय को प्रोत्साहन, उद्योग का वातावरण, इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास और विरासत का संरक्षण। बजट में विजन भी है, बजट में विश्वास भी है, बजट में विरासत भी है, बजट में विकास भी है, बजट में आध्यात्मिकता भी है, बजट के अन्दर आधुनिकता भी है।

राजस्थान ग्लोबल माइंड सेट के हिसाब से एक ऐसे रोडमैप को तय कर रहा है, जिसको सारा इतिहास याद रखने वाला है। विश्व की टोप टेन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल फ्रांस और इटली से अधिक मानव संसाधन हमारे पास है। इंग्लैण्ड और इटली से अधिक जमीन हमारे पास है। जर्मनी से हम आबादी और क्षेत्रफल के मुकाबले में बराबर हैं। यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि कुल अर्थव्यवस्था का 21.5 प्रतिशत हमारा बजट है। जीएसडीपी 17.4 लाख करोड़ रुपये, 183 बिलियन डॉलर और हमारे बजट का अनुमान है 5.37 लाख करोड़ रुपये, 5.37 लाख करोड़ रुपये। यह सारे देश के लिए उदाहरण है कि उद्योग बजट में 42 प्रतिशत और इंफ्रास्ट्रक्चर बजट में 79 प्रतिशत की वृद्धि दूरगामी बजट का हिस्सा है।

(समयः बजे)

(श्री संदीप शर्मा, सभापति, पदासीन)

आदरणीय सभापति महोदय, आदर्श बजट की चार कसौटियां होती हैं। वह बैलेंस्ड होना चाहिए, वह ट्रांसपेरेंट होना चाहिए, वह रियलिस्टिक होना चाहिए, वह पॉलिसी ऑरियंटेड होना चाहिए। यह जो हमारा बजट है, वह ट्रांसपेरेंट है, एक-एक पैसे का पूरा हिसाब है, जिसे कोई भी नागरिक आसानी से समझ सकता है। यह बजट बैलेंस्ड है, सरकार की में आय-व्यय 7.66 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। जितनी हमारी आय है लगभग उतना ही हमारा व्यय है। यह आश्चर्यजनक स्थिति 75 साल बाद पैदा हुई है। उस राज्य में पैदा हुई है जिसमें कम से कम कांग्रेस के 25 वित्त मंत्री यह कहते रहे हैं कि राजस्थान का बजट तो इंद्र भगवान के

भरोसे है और हमेशा विपक्ष यह कहता था कि कांग्रेस और अकाल ये दोनों जुड़वा भाई हैं, एक दूसरे के बिना रह नहीं सकते हैं, इस चीज को बदलने का काम किया है तो भजन लाल जी की सरकार ने किया है। यह रियलिस्टिक बजट है, भजन लाल जी की सरकार ने 12 प्रतिशत विकास दर जीएसडीपी 15.22 लाख करोड़ रुपये से 17.4 लाख करोड़ रुपये करने का काम किया है।

आदरणीय सभापति महोदय, प्रति व्यक्ति आय में किसी राज्य के लिए यह महत्वपूर्ण होता है कि उसके प्रति व्यक्ति आय के अन्दर कितनी बढ़ोतरी हुई, हमारे राजस्थान के अन्दर प्रति व्यक्ति आय में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी इस बार हुई है। जिस राजस्थान में 1 लाख 66 हजार 667 करोड़ रुपये जीएसडीपी हुआ करती थी वह इस बार 1 लाख 85 हजार 53 रुपये हुई है।

MLS/RTM/24.02.2025/15:00/2j

भारत सरकार यूं ही राजस्थान के बजट की तारीफ नहीं करती। केन्द्र सरकार अपने बजट में राजस्थान के बजट का उल्लेख करके भजन लाल सरकार की तारीफ करती है तो उसका एक बड़ा कारण है कि स्टेट की जीएसटी में 22 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। यह पॉलिसी ओरिएंटेड बजट है। राजस्व का उपयोग अधिकतम आर्थिक विकास में होना चाहिये और यही है आत्मनिर्भर राजस्थान की आधारशिला। आर्थिक सेवाओं के लिए 16.40 परसेंट अधिक राजस्व इस बार खर्च किया जा रहा है। विपक्ष में बैठे हुए हमारे माननीय सदस्य, जो बैठे नहीं हैं, खड़े हैं, नारे लगा रहे हैं, उनसे मेरा निवेदन है कि आंख बन्द करने से कभी सूर्य अस्त नहीं होता और सूर्य के ऊपर थूक उछालने से वह हमेशा खुद पर आता है, किसी दूसरे पर नहीं जाता।

सभापति महोदय, बजट की आलोचना करने वाले कौन हैं, जिनके शासन में 90 परसेंट राजस्व वेतन-भत्ते, पेंशन और दफ्तर चलाने पर खर्च हो रहा था। यह मैं आरबीआई की रिस्क एनालिसिस जून 2022 के आधार पर कह रहा हूं। आरबीआई ने राजस्थान को स्पष्ट चेतावनी दी कि आपकी अर्थव्यवस्था खस्ताहाल हो चुकी है, क्योंकि आपका जो कल्चर है, वह रेवड़ी कल्चर है। यह मैं नहीं कह रहा हूं, रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया की रिपोर्ट कह रही है। तत्कालीन मुख्य मंत्री कहते थे कि राजस्थान के आर्थिक प्रबन्धन की सब लोग तारीफ करते हैं, पता नहीं कौन-से लोग थे? आपको मैं बताना चाहता हूं, निवेदन करना चाहता हूं, 2022-23 के मुकाबले 2023-24 में, सिर्फ एक साल में 61 परसेंट ज्यादा कर्ज लिया गया। आखिरी 8 महीनों में जब गहलोत साहब की सरकार की महा शोभा यात्रा निकल रही थी, चांदपोल श्मशान की तरफ जा रही थी, उस समय वेंटिलेटर सरकार ने 8 महीने में 44 हजार करोड़ से ज्यादा का कर्ज लिया। सिर्फ 8 महीने के अन्दर।

सभापति महोदय, सितम्बर 2024 में हर नागरिक पर 54 हजार रुपये का कर्ज था, एक साल में वह 70 हजार करोड़ हो गया, 70 हजार रुपये से ज्यादा हो गया। आदरणीय

सभापति महोदय, भाजपा सरकार ने इस धारणा को बदला। बेहतर सिंचाई व्यवस्था से एक वर्ष में अद्भुत परिणाम आये, खाद्यान्न उत्पादन में 10.67 प्रतिशत की वृद्धि हुई, 2.41 करोड़ टन से 2.67 करोड़ टन उत्पादन हुआ। कांग्रेस ने राजस्थान को कहां पहुंचाया? सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं माननीय सदस्यों से निवेदन करना चाहता हूं, बेरोजगारी में नम्बर 1, महंगाई में नम्बर 1, उधार लेने में नम्बर 1, पेपर लीक में नम्बर 1, भ्रष्टाचार करने में नम्बर 1, असत्य बोलने में नम्बर 1 और जनता को धोखा देने में नम्बर 1...

श्री सभापति: अपनी बात समाप्त करें।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): भाजपा सरकार कहां लेकर आयी? सोलर एनर्जी में नम्बर 1, मिलेट्स उत्पादन में नम्बर 1, औषधीय फसलों के उत्पादन में नम्बर 1, जिंक के उत्पादन में नम्बर 1, लैड उत्पादन में नम्बर 1, रोड सेफ्टी एक्शन प्लान में नम्बर 1, 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में राजस्थान ऐसा प्रदेश है, जिसने 50 परसेंट कमी लाने का संकल्प व्यक्त किया है, जो दुनिया में अकेला राज्य है।

श्री सभापति: विराजें। एक मिनट में अपनी बात पूरी करें।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): एजुकेशन इंडेक्स में राजस्थान नम्बर 1, आर्थिक स्थिरता का सीधा प्रमाण यह है कि सारे देश में बैंक डिपॉजिट कम हो रहा है और हमारे राजस्थान में बैंक डिपॉजिट में 11.36 परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। आदरणीय सभापति महोदय, प्रतिदिन 25 किलोमीटर की नयी सड़कें बन रही हैं। भजन लाल जी की सरकार में 32 किलोमीटर सड़कों का प्रतिदिन विकास हो रहा है। हर दिन 3 गांव सड़कों से जुड़ रहे हैं। प्रतिदिन 162 लोगों को सरकारी नौकरी मिल रही है और प्रतिदिन 3 हजार नलों के कनेक्शन दिये जा रहे हैं।

श्री सभापति: विराजें।

श्री गोपाल शर्मा (सिविल लाईन्स): आखिरी एक मिनट।

Connectivity is the key. राजस्थान देश के दो सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क वाले राज्यों में है। नेशनल हाइवे के मामले में टॉप थ्री में है। तीन बड़े बन्दरगाह राजस्थान से 10-15 घण्टे की दूरी पर हैं और एयर कनेक्टिविटी के मामले में यहां सात एयरपोर्ट्स हो चुके हैं। मैं आखिर में यह कहकर अपनी बात समाप्त करना चाहता हूं:

हम आह भी भरते हैं तो हो जाते हैं बदनाम,
ये कत्ल भी करते हैं तो चाहते हैं कि चर्चा न हो।।

नमस्कार, भारत माता की जय।

श्री सभापति: श्री गोरधन।

श्री गोरधन (धोद): बोलो, भारत माता की...जय। भारत माता की...जय।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से बजट 2025-26 पर मुझे विचार रखने का और अपनी बात रखने का आपने मौका दिया, उसके लिए मैं आपका धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। माननीय सभापति महोदय, इस राजस्थान की 8 करोड़ से अधिक जनसंख्या और मेरे

धोद विधान सभा क्षेत्र की 2 लाख 76 हजार देवतुल्य मतदाताओं की तरफ से भी मैं इस बजट के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा और वित्त मंत्री एवं उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी जी का हम आभार प्रकट करते हैं।

इस बजट में माननीय मोदी जी ने जिस प्रकार का सपना लिया है, 2047 तक भारत एक विकसित राष्ट्र बने, राजस्थान के यशस्वी मुख्य मंत्री और हमारी उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी जी ने उसी सपने को साकार करने के लिए यह बजट पेश किया है। माननीय सभापति महोदय, हमारे वरिष्ठ साथियों ने इस बजट के बारे में काफी कुछ बताया है। जिस प्रकार से इस बजट में किसानों, युवाओं, मजदूरों, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों, सबका ध्यान रखा गया है, विभिन्न वर्गों का सर्वांगीण विकास कैसे हो, इस बात को ध्यान में रखते हुए यह एक ऐतिहासिक बजट पेश किया गया है।

वैसे तो भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा गरीब को गणेश मानकर सेवा करने की कोशिश करती है, उसके कल्याण के लिए वह राष्ट्र हित और राज्य हित में सर्वोपरि काम करती है और यही कारण है कि आज जिस प्रकार से भारतीय जनता पार्टी चाहे केन्द्र में हो या अन्य राज्यों में हो, तभी हमारी सरकार या हमारी भारतीय जनता पार्टी का परिवार बड़ा होता जा रहा है।

MKD/RTM/24.02.2025/15:10/2k

यही कारण है कि इस कांग्रेस को, यह हमेशा से भारतीय जनता पार्टी दिखाने जा रही है और 21 राज्यों से अधिक में आज हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। जिस प्रकार से विपक्ष के साथी अभी संविधान खत्म करने की बात कर रहे हैं और इनके एक राजकुमार जी भी एक डायरी संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं, तो इनके राजकुमार जी को भी पूछना चाहिए कि संविधान में कितने तो पेज हैं, कितने अनुच्छेद हैं और कितनी अनुसूचियां हैं। जिस प्रकार से ये अभी जय भीम, जय भीम का नारा लगा रहे थे, लेकिन इन कांग्रेसियों ने और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने बाबा साहब को हराने का काम किया है। जवाहर लाल नेहरू खुद ने बाबा साहब के सामने उनका जो पीए था, उसको सामने खड़ा किया और यही कारण रहा कि 1952 और 1954 के चुनाव में बाबा साहब को हार का सामना देखना पडा। यह इनकी खुद की नीतियों के कारण से और मैं तो यह कहता हूं कि दलितों के कोई हितैषी नहीं हैं, क्योंकि जिस बाबा साहब ने इस राष्ट्र के लिए बहुत बड़ा संविधान लिखा था, बहुत बड़ा काम किया था, उन्हीं का ये अपमान कर रहे हैं तो मैं सोचता हूं कि दलित समाज का ये कभी भी भला नहीं कर सकते हैं। बाबा साहब को यदि भारत रत्न दिलाते, क्योंकि कांग्रेस सरकार ने कभी भी नहीं सोचा और भारतीय जनता पार्टी की समर्थित सरकार ने ही बाबा साहब को भारत रत्न दिलाया था।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा बाबा साहब के जो पांच तीर्थ स्थल थे, जहां पर बाबा साहब ने

शिक्षा ग्रहण की, जहां पर बाबा साहब ने जन्म लिया और जहां पर बाबा साहब ने इस जीवन की अन्तिम सांस ली, उन पांचों स्थानों को करोड़ों रुपये लगाकर विकसित करवाया, एक पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया तो उसका नाम नरेन्द्र मोदी है। इसलिए, मैं यह कहना चाहूंगा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार हमेशा से ही गरीबों के बारे में, एससी-एसटी के बारे में, हमेशा से ऐतिहासिक निर्णय लेती है और उनके भले के लिए और उनके कल्याण के लिए काम करती है।

मैं कुछ बात इस बजट के बारे में बताना चाहूंगा, क्योंकि कांग्रेस ने जिस प्रकार से पांच साल में जो काम किया है, वह जनता के सामने है और उन्हीं के कारण से आज ये हमारे सामने बैठे हैं। जिस प्रकार से ये कर रहे हैं, मैं सोचता हूं कि आने वाले समय में ये एक टेम्पो की सवारी भी नहीं मिलेगी। जिस प्रकार से आज हम जनता के विकास के लिए बात कर रहे हैं, राजस्थान के विकास के लिए बात कर रहे हैं। माननीय सभापति महोदय, न तो ये कांग्रेस के लोग, न तो बजट पर अपनी बात रखना चाहते हैं और न ही बजट के बारे में कुछ सुनना चाहते हैं, क्योंकि ये सोचते हैं कि जिस प्रकार से हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल जी के द्वारा और हमारी उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी जी के द्वारा जो बजट पेश किया गया है, वह राजस्थान के विकास के लिए एक आधार स्तम्भ स्थापित होगा। एक विकसित राजस्थान बनेगा तो यह बात इनको पच नहीं रही है। इसलिए ये इस बात का, क्योंकि इनके पास कहने के लिए तो कुछ है नहीं और केवल और केवल हल्ला करने के अलावा, ये सोचते हैं कि हम सदन का ध्यान कैसे भटका सकते हैं। यही कारण है कि आज ये हल्ला कर रहे हैं, इस राजस्थान के विकास के बारे में सोच नहीं रहे हैं।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से आज 20 लाख से अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल, पीने के पानी के लिए 425 करोड़ रुपये दिये गये हैं और माननीय जिस प्रकार से जल जीवन शहरी योजना को आरम्भ करने के लिए 5 हजार 830 करोड़ रुपये दिये गये है तो मैं सोचता हूं, यह हम सबके लिए एक बहुत बड़ी बात होगी, बहुत सौभाग्य की बात होगी।

माननीय सभापति महोदय, आज यदि हम ऊर्जा के क्षेत्र की बात करें तो राजस्थान की हालत जिस प्रकार से पिछले पांच साल में रही है, क्योंकि कृषि के कनेक्शन नहीं दिये गये, सही समय पर बिजली नहीं दी जा रही थी। आज हमारे माननीय यशस्वी मुख्य मंत्री जी के द्वारा जिस प्रकार से इस ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिस प्रकार से काम किया जा रहा है, मैं सोचता हूं कि आने वाले समय में राजस्थान आत्मनिर्भर भी होगा और आने वाले समय में बिजली हम दूसरों को भी दे सकते हैं, ऐसी व्यवस्था हमारी राजस्थान सरकार कर रही है।

जिस प्रकार से रबी की फसल की अभी से तैयारी करते हुए 20 हजार 700 मेगावाट बिजली सप्लाई करने का लक्ष्य रखा गया है तो मैं सोचता हूं कि जिस प्रकार से हमारी भारतीय जनता पार्टी की सरकार, जो पहले 100 यूनिट बिजली मिलती थी, उसको बढ़ाकर

आज 150 यूनिट फ्री किया गया है, इसके लिए भी मैं धन्यवाद देता हूं।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से हम सड़क के क्षेत्र में देखें तो आज भारतीय जनता पार्टी की सरकार चाहे केन्द्र में हो, चाहे राज्य में हो, हमेशा से ही जनता की सुविधा के लिए और उस रास्ते को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए जिस प्रकार से सड़कों के क्षेत्र में काम किया जा रहा है, उसी बात को आगे बढ़ाते हुए लगभग 5 हजार करोड़ से अधिक की लागत के कार्य किये जायेंगे।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से प्रत्येक विधान सभा, क्योंकि इन्होंने जो सड़कें बनाई थीं, वे तो हमारी सड़कें ही बनी हुई थीं, उन सड़कों की मरम्मत भी इनके द्वारा नहीं की गई। इसी बात का आगे बढ़ाते हुए आज माननीय मुख्य मंत्री जी को हम धन्यवाद इस बात के लिए देते हैं कि 10 से लेकर 15 करोड़ रुपये के कार्य सड़कों को सुधारने के लिए किये जायेंगे, यह भी हमारे लिए एक बहुत बड़ी बात है।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से हमारे राजस्थान में पर्यटन और संस्कृति अपने आप में एक अहम स्थान रखते हैं, और उस पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए लगभग 975 करोड़ रुपये के विकास कार्य करवाये जायेंगे, इसके लिए भी, माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय हमारे मुख्य मंत्री और उप मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा।

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, शीघ्र समाप्त करें।

श्री गोरधन (धोद): माननीय सभापति महोदय, राजस्थान में चाहे युवाओं के क्षेत्र में हों, चाहे चिकित्सा के क्षेत्र में हो और चाहे हमारे वरिष्ठ नागरिकों के क्षेत्र में हो और चाहे हमारे दिव्यागजनों के मामले में हो, चाहे कृषि के मामले में हो, सब विभागों में जिस प्रकार से इस बजट में प्रावधान किया गया है, मैं सोचता हूं कि आने वाला समय इस राजस्थान के लिए एक ऐतिहासिक युग होगा।

जिस प्रकार से बजट में प्रावधान किये गये हैं, वह हम सबके लिए और इस जनता के लिए बहुत-कुछ करने का माननीय मुख्य मंत्री जी विश्वास रखते हैं। माननीय सभापति महोदय, मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र धोद में जिस प्रकार से इस बजट में और पहले वाले बजट में जिस प्रकार से घोषणा की गई, उसके लिए भी मैं धन्यवाद देना चाहूंगा। चाहे हमारी नगरपालिका लोसल में उप-जिला अस्पताल हो, चाहे हमारा पंचायत मुख्यालय धोद है, उसको नगरपालिका बनाने की बात हो, चाहे सड़कें हों, चाहे रसिकपुरा प्याज मंडी को क्रमोन्नत करने की बात हो, मैं इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को और हमारे उप मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा।

श्री सभापतिः विराजिये।

श्री गोरधन (धोद): माननीय सभापति महोदय, मैं इस बजट के द्वारा माननीय मुख्य मंत्री जी को और माननीय वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में जहां पर शिक्षा के लिए एक महाविद्यालय की घोषणा की गई है, जो हमारे युवाओं के लिए, हमारे छात्र-छात्राओं के लिए एक नींव का पत्थर साबित होगा और शिक्षा का स्तर भी हमारा

बढ़ेगा। इसलिए मैं उनको इस बात के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा।

माननीय सभापति महोदय, हमारे विकास के लिए और हमारी घोषणाओं के लिए बहुत-कुछ दिया गया है, क्योंकि वैसे तो इस बजट में और पहले वाले बजट में बहुत सारा दिया गया है।

Bhs/Rtm/24.02.25/15.20/2l

मेरे क्षेत्र की एक-दो बात और रखूंगा जो आने वाले समय में हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी जब रिप्लाई दें...।

श्री सभापति: एक मिनट में बात समाप्त करें, माननीय सदस्य।

श्री गोरधन (धोद): एक मिनट में करता हूं, साहब। माननीय सभापति महोदय, मैं यह कहना चाहूंगा कि हमारे लोसल में जो उप तहसील है उसको तहसील में क्रमोन्नत किया जाये, जिससे उस क्षेत्र को फायदा मिल सके। एक हमारे थोरासी का जो खेल ग्राउंड है जहां पर माननीय उप मुख्य मंत्री जी डॉ. प्रेम चन्द बैरवा भी गये थे तो उस क्षेत्र में भी हमें एक फुटबाल एकेडमी दी जाये। इस प्रकार से हमारे विधान सभा क्षेत्र में कुछ जो चिकित्सा के क्षेत्र में हमारे खरूड़ का कस्बा है उस पी.एच.सी. को सी.एच.सी. में क्रमोन्नत किया जाये और हमारे कुछ जो उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं खाकोली, हरस, बाडलवास, अनोखू, सांवलादा, दायलान, बिन्दयासी, सेवद बड़ी, पालवास व अन्य गांव जहां पर उप स्वास्थ्य केन्द्र हैं उनको भी पी.एच.सी. में कन्वर्ट किया जाये ऐसा मेरा आपके माध्यम से आग्रह रहेगा। मेरे को इस पर बोलने का मौका दिया, सभापति महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री सभापति: श्री अर्जुन लाल।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): माननीय सभापति महोदय, मुझे वर्ष 2025-26 के इस बजट पर बोलने के लिए अवसर दिया इसके लिए आपका बहुत-बहुत साधुवाद, बहुत-बहुत आभार।

सभापति महोदय, हमारे देश के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के और हमारे मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा के नेतृत्व में हमारे उप मुख्य मंत्री जी जो वित्त मंत्री के रूप में आपने यह बजट पेश किया है और इसका नाम ग्रीन बजट दिया है, मैं इस ग्रीन बजट के लिए मानूंगा कि यह ग्रीन नहीं एवरग्रीन और फोर एवरीवन को ग्रीन करने के लिए बजट दिया है। मैं उनको बहुत-बहुत धन्यवाद, साधुवाद देता हूं और इस बजट में गरीब, दलित, वंचित, शोषित, किसान, महिला, उद्यमी और नारी सशक्तीकरण के लिए, नौजवान, अन्नदाता किसान के लिए विकास का जो मूल मंत्र है जो हमारे प्रधान मंत्री जी ने ज्ञान दिया है, इन कांग्रेस वालों को ध्यान नहीं है उस ज्ञान का जी फोर गरीब, वाई फोर युवा, ए फोर अन्नदाता किसान और एन फोर नारी, इनके लिए इन्होंने आज तक कोई काम नहीं किया।

सभापति महोदय, 55 साल तक इन्होंने राज किया लेकिन कभी इनके ऊपर इनकी नजर नहीं गई तो हमारे प्रधान मंत्री जी ने यह ज्ञान दिया। अभी ये जो हल्ला कर रहे हैं, इनको

पता है कि हमारे मुख्य मंत्री जी ने जो एवरग्रीन बजट दिया है जो निश्चित रूप से एवरीवन को ग्रीन करने के लिए इन्होंने बजट दिया है, वह एक बहुत अच्छा बजट है। इनके पास कहने को कुछ शब्द नहीं हैं बजट पर इसलिये ये हमेशा, अभिभाषण के समय भी इन्होंने हल्ला किया था और यह बजट पर भी कुछ बोल नहीं सकते इसलिये इन्होंने अभी भी हल्ला किया है।

सभापति महोदय, मैं हमारे वित्त मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं कि हमारे मुख्य मंत्री जी का जो स्वप्न है 'आपणो अग्रणी राजस्थान' इसको राजस्थान को आगे बढ़ाने के लिए इन्होंने 'सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय' का इस बजट में प्रावधान रखा है, निश्चित रूप से राजस्थान को यह अग्रणी रखेगा।

सभापति महोदय, मैं राजस्थान के मरू प्रदेश से आता हूं, ग्रामीण क्षेत्र से आता हूं और ग्रामीण क्षेत्र में निश्चित रूप से न कोई रेवेन्यु एक्सपंडीचर के बारे में जानते हैं, न कोई कैपिटल एक्सपंडीचर के बारे में जानते हैं, न वो रेवन्यु डेफिसिट जानते हैं, न वो फिस्कल डेफिसिट जानते हैं, वो सिर्फ यह जानते हैं कि इस बजट में हमारे लिए हमारे से सम्बन्धित क्या राजस्थान सरकार ने प्रावधान किये हैं, वो सिर्फ महसूस करते हैं, अपनी सारगर्भिता के हिसाब से महसूस करते हैं कि हमारा इसमें अपनेपन का, इस बजट में क्या सारगर्भित है उस चीज को देखते हैं।

सभापति महोदय, मैं इस बजट पर एक कविता के रूप में दस लाइनें बताऊंगा। आप भी सुनो यह आपके हित की भी बात है,

'आर्यवर्त इसके अमर पृष्ठ पर उन्नति का आलेख सज़ा है,
लोकतंत्र के लक्षित मन में नव शब्दों का बिगुल बजा है।
आशाओं के अमर कलश में सौगातों का कमल खिला है,
संकल्प पत्र के सब वादों का सेवा भाव से हल मिला है।
सुशासन के प्रथम वर्ष में सभी वर्ग का ध्यान रखा है,
रखा बजट तो यों लगा जैसे आपणो अग्रणी राजस्थान दिखा है।
सवा लाख युवा सपनों को रोजगार का मान दिया है,
किसान हितों के साथ पी.एम. किसान सम्मान निधि सम्मान दिया है।
बिजली, पानी, शिक्षा व चिकित्सा सेवा को विस्तार दिया है,
मुफ्त दवा संग सड़क सुरक्षा का खुल कर उपहार दिया है।
वरिष्ठजनों की ले आशीषें, केयर पैकेज दिया है,
मां-बहनों का मान बढ़ाये, मातृ निधि भी साथ दिया है।
उन्नत सड़कें रिंग रोड से यातायात को सुगम किया है,
जीरो एक्सीडेंटल जोन बना कर सुरक्षा का वचन दिया है।
कितने नाम गिनाऊं तुमको, सौगातों की सूची में,
विकसित राजस्थान दिखा है, वित्त मंत्री की कूँची में।

अटल भाव है आशाओं का, उन्नति का नवद्वार है,
बजट नहीं है यह बीज मंत्र है, संकल्पों का सार है।
शब्दों में नया सवेरा है, जिसमें इंकलाब लिखा है,
अपनी स्वर्णिम कलम से विकास का सच्चा ख्वाब लिखा है।
माना बहुत सवाल उठायेंगे ये, आज इस बजट पर,
लेकिन इसके हर शब्द में उनका जवाब भी लिखा है।

माननीय सभापति महोदय, हमारे विकास के लिए जी.एस.डी.पी. को 19.89 लाख करोड़ बढ़ाने का इसमें अनुमान रखा है तथा 2030 तक 350 बिलियन डॉलर इकॉनॉमी की अर्थव्यवस्था का निर्माण करने का भी संकल्प लिया है, दृढ़ता दिखायी है। पूंजीगत व्यय में 40 प्रतिशत से अधिक वृद्धि कर 9,600 किलोमीटर सड़कों का निर्माण एवं 1300 किलोमीटर सड़कों का अपग्रेडेशन, स्ट्रेन्थनिंग, वाइडनिंग का काम लिया है। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र भाई मोदी ने, उनके आशीर्वाद से और उनके सहयोग से हमारे राम जल सेतु लिंक परियोजना की संशोधित पी.के.सी. को धरातल पर उतारने का काम किया है। राइजिंग राजस्थान में और ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में देश-विदेश के निवेशकों के द्वारा 35 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. किये गये हैं और जन घोषणा पत्र की 58 प्रतिशत घोषणाएं तथा गत बजट घोषणा की मात्र 7 माह में 73 प्रतिशत प्रगति प्राप्त की है।

सभापति महोदय, मेरे से पहले राजाखेड़ा से आने वाले माननीय सदस्य ने यह बात रखी थी और उन्होंने आंकड़ों के मायाजाल से सदन को गुमराह करने का पूरा प्रयास किया था, लेकिन सदन के सभी सदस्य यह जानते हैं कि यह बजट जो है सर्वकल्याणकारी, समावेशी और सर्वस्पर्शी है। हमारा देश युवाओं का देश है और इसके अन्दर युवाओं के लिए मैं एक बात कहूंगा इनके राज में क्या हुआ था,

'हाथों में डिग्रियां ले घूमते, ऑफिसों की चौखट को चूमते,
लाखों युवा नौजवान बेरोजगार थे, यह तो गत सरकार कांग्रेस के नजारे।'

तो साथियों, इसके अलावा आप जो हल्ला कर रहे हो, यह पूरे राजस्थान की जनता आपको देख रही है और उन सबको पता है कि आपकी अन्दरूनी कलह की वजह से आपने इस सदन को एक अखाड़ा बना रखा है।

Kas/rtm/24.02.2025/15.30/2m

माननीय सभापति महोदय, शास्त्रों में लिखा है क्षिति जल पावक गगन समीरा पंच तत्व से बना शरीरा। महोदय, जल को सृष्टि का और मानव शरीर का अभिन्न वेटेज माना गया है। राजस्थान में भौगोलिक दृष्टि से पेयजल की कमी रहती है। इससे निजात दिलाने के लिये हमारे माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी की महत्वाकांक्षी योजना राम जल सेतु लिंक परियोजना नि:संदेह दूरगामी परिणामों से परिपूर्ण है। यह योजना आने वाले समय में राजस्थान के पूरे जनमानस के लिये एक वरदान साबित होगी। सभापति महोदय, मैं आपके

माध्यम से मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि जैसे हमारी ईआरसीपी बनी है, इसी तर्ज पर हमारे पश्चिमी राजस्थान के लिये डब्ल्यूआरसीपी का भी पैकेज दें और उसको धरातल पर लाने का प्रयास करें।

जल जीवन मिशन में हमने देखा है कि गत सरकार ने करोड़ों रुपये के घोटाले करके जो हमारी एक महत्वाकांक्षी योजना थी, हमारे नरेन्द्र मोदी जी का सपना था कि हर घर नल जल योजना लागू हो जाये, लेकिन गत सरकार ने उस योजना को ठंडे बस्ते में डाल कर अटका दिया। अब हमारे मुख्य मंत्री जी ने प्रधान मंत्री जी से निवेदन कर इस योजना को 2028 तक आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। उन्होंने इस बजट में घोषणा की है, इसमें जो गांव, ढाणियां, मजरे वंचित रह गये थे, उनको जोड़ने के लिये यह योजना एक वरदान साबित होगी।

इसके साथ-साथ जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री महोदय से आग्रह है कि हमारे जैसुल सागर जो मारवाड़ का सबसे बड़ा बांध है और उससे ग्रेविटी से पश्चिमी राजस्थान को पानी मिल सकता है।

श्री सभापतिः अपनी बात समाप्त करें।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): राजस्थान में जोधपुर में जो इंदिरा गांधी नहर से पानी आ रहा है, उसको करीब 60 किलोमीटर आगे बढ़ा कर जैसुल सागर में डाला जाये तो निश्चित रूप से पश्चिमी राजस्थान को बाई ग्रेविटी बिना पम्पिंग पानी मिल जायेगा।

श्री सभापतिः विराजें।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): दो मिनट, मेरे क्षेत्र की बात कह रहा हूं।

इसके साथ-साथ ऊर्जा मंत्री जी से मेरा निवेदन है, मुख्य मंत्री जी ने 132 केवी जीएसएस बिलाडा कापरडा सेज के लिये दिया है, मैं उनका बहुत-बहुत आभारी हूं, लेकिन बिलाडा से जैतारण को, सोजत, पिपाड़, बोरूंदा को सप्लाई होती है, उस पर बहुत ज्यादा लोड आयेगा, तो बिलाड़ा के 220 केवी जीएसएस को 400 केवी में क्रमोन्नयन करने की मैं मांग करता हूं।

श्री सभापतिः विराजिए, विराजिए माननीय सदस्य।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): सिर्फ दो सड़कों का नाम बोल रहा हूं।

श्री सभापतिः संक्षिप्त में कहें अपनी बात।

श्री अर्जुन लाल (बिलाड़ा): मेरे विधान सभा क्षेत्र बिलाड़ा में बजट भाषण में सड़कों की घोषणा करनी थी, उसमें कुछ रह गई हैं। मैं हमारी उप मुख्य मंत्री, वित्त मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि बिलाड़ा से खेजडला, बिलाडा बाई पास 14 किलोमीटर, बीसलपुर-सफाला 7 किलोमीटर और बिलाडा विधान सभा क्षेत्र की 7 मिसिंग लिंक सड़कें निश्चित रूप से हमें देंगे।

इसके अलावा, हमारे स्वास्थ्य मंत्री जी से मेरा आग्रह है कि हमारे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र डांगियावास, लडसीगांव, खानिया, खेजडला को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने की आप घोषणा करेंगे। साथ के साथ हुडगांव कलां में उप केन्द्र को पीएचसी में क्रमोन्नत करने की घोषणा करेंगे।

मैं वर्तमान बजट के लिये माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं वित्त मंत्री महोदय को मेरे संपूर्ण विधान सभा क्षेत्र बिलाड़ा की जनता की तरफ से बारंबार अभिनंदन करता हूं, उनका हार्दिक आभार प्रकट करता हूं, धन्यवाद।

श्री सभापतिः श्री गोपाल लाल शर्मा।

श्री गोपाल लाल शर्मा (माण्डलगढ): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे वर्ष 2025-26 के बजट चर्चा पर विचार रखने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत आभार। मैं दो पंक्तियों के साथ अपना वक्तव्य प्रारम्भ करूंगा।

लोग बदलते हैं, बदलता है जमाना

दमदार वो हैं जो बदल देते हैं जमाने को।

सभापति महोदय, सामने वाले माननीय सदस्य बहुत हल्ला कर रहे हैं। मैं आपको बताना चाहता हूं कि 2018 में भी मैं आपके सामने सदन में था, आपने उस समय जो पांच साल के पांच बजट पेश किये, उन पांचों बजट में आपने क्या किया, आपने राजस्थान की जनता को गुमराह करने के अलावा कुछ नहीं किया। आप जवाब दीजिए, आपसे जवाब तो दिया नहीं जाता है और आज जो बजट पर बहस हो रही है, उसमें आप हल्ला कर रहे हो, यह आपके लिये शर्मनाक है। मैं आपको कहना चाहता हूं कि राजस्थान की जनता यह सब कुछ देख रही है। आज राजस्थान के विकास पुरुष, राजस्थान के भागीरथ, राजस्थान के यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल जी ने बजट दिया, आम लोगों का बजट दिया, उसको देखने में आपको शर्म आ रही है। आप बजट पर सुनना नहीं चाहते हैं, आपके पास बोलने के लिये तो कोई सामान है ही नहीं।

राजस्थान के 2025-26 के बजट में मैं आपको बताना चाहता हूं, पूर्ववर्ती सरकार ने मेरे माण्डलगढ़ विधान सभा क्षेत्र में एक भी विकास का काम नहीं किया। केवल एक घोषणा 2021 में वहां ट्रोमा सेंटर की की थी और वह घोषणा अभी तक धरातल पर नहीं उतरी। इससे साफ लगता है कि आपकी कथनी और करनी में रात दिन का फर्क है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र में राजस्थान के विकास पुरुष, राजस्थान के यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा ने जो सौगातें दी हैं, हमारे यहां माण्डलगढ़ में आपकी पार्टी के मुख्यमंत्री रहे शिवचरण माथुर साहब, उन्होंने भी विकास के नाम पर कुछ नहीं किया है। विकास तो केवल भाजपा की सरकार ही करती है। राजस्थान में जब भी भाजपा आती है, तभी राजस्थान का विकास होता है। जब-जब आपकी सरकार आती है, आपने हमेशा विनाश का काम किया है, विकास के बारे में आपने कभी सोचा नहीं है।

सभापति महोदय, मेरे क्षेत्र में तीन नदियों का संगम है, उनके विकास के लिये, उसके कॉरिडोर के लिये यशस्वी मुख्यमंत्री जी ने, वित्त मंत्री दिया कुमारी जी ने 23 करोड़ का बजट देकर हमारी उधर की गंगा का विकास करने का सराहनीय काम किया, वह आपके सामने है। मेरा माण्डलगढ़ विधान सभा क्षेत्र कृषि प्रधान क्षेत्र है, वहां पर पानी फुल उपलब्ध है। वहां पर कृषि महाविद्यालय की आवश्यकता थी, राजस्थान के विकास पुरुष, राजस्थान के यशस्वी

मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा ने मेरे माण्डलगढ़ क्षेत्र में कृषि महाविद्यालय खोल कर हमारे युवा छात्र-छात्राओं के भाग्य का रास्ता खोल दिया है।

मेरे माण्डलगढ़ विधान सभा क्षेत्र में पिछले पांच सालों से बिजली की बहुत बड़ी समस्या होती थी। मजदूर पूरे दिन मजदूरी करने के बाद घर जाता और खाना बनाने के समय लाइट बंद हो जाती थी, अंधेरे में वो खाना बनाता था, बहुत पीड़ित थे। हमने पांच सालों तक यहां धरना दिया, ज्ञापन दिया, लेकिन आपके कान पर एक जू नहीं रेंगी। हमने एक जीएसएस की मांग की थी, उप मुख्य मंत्री जी ने इसकी घोषणा करके हमारे क्षेत्र की जनता को राहत प्रदान की है।

(समयः)

(श्री फूल सिंह मीणा, सभापति, पदासीन।)

सभापति महोदय, बजट में पूरे प्रदेश में सड़कों से सम्बन्धित जो प्रावधान किये हैं, वे ऐतिहासिक व अभूतपूर्व हैं, इसके लिये मैं सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। माण्डलगढ़ विधान सभा क्षेत्र में थलकलां से बोरेन चौराहा वाया सदरडा-ठिठोडा, जिसे एमडीआर 279 के नाम से जाना जाता है, 15 किलोमीटर की सड़क के लिये बजट में 27 करोड़ का प्रावधान किया गया है। मैं उक्त घोषणाओं के लिये क्षेत्र की जनता की ओर से और व्यक्तिशः मेरी ओर से राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल जी शर्मा और वित्त मंत्री दिया कुमारी जी का आभार व्यक्त करता हूं। इस ऐतिहासिक बजट को प्रस्तुत करने के लिये मैं राजस्थान के भागीरथ, राजस्थान के यशस्वी मुख्यमंत्री भजन लाल जी शर्मा और वित्त मंत्री दिया कुमारी जी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

Msk/rtm/24.02.25/1540/2n

समाज में प्रत्येक वर्ग को सुविधापूर्ण जीवन जीने और उनके सिर को ऊंचा उठाने के लिए, उनकी सोच को आगे बढ़ाते हुए, यह बजट दिया है। युवाओं के लिए राजस्थान रोजगार नीति, 2025 में 500 करोड़ का रोजगार सहायता कोष, सवा दो लाख पदों पर भर्तियां, प्रदेश में 11 नवीन महाविद्यालय, 8 कन्या महाविद्यालय, 2 कृषि महाविद्यालय, आठ आईटीआई और उदयपुर, जयपुर व जोधपुर में वैदिक पर्यटन केन्द्रों की स्थापना से युवा वर्ग में खासी प्रसन्नता है।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

आदरणीय सभापति महोदय, मैं एक बजट प्रावधान के लिए विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूं। सरकार ने युवाओं में बढ़ती नशाखोरी के प्रति, क्योंकि आजकल युवाओं में यह प्रवृत्ति ज्यादा बढ़ रही है। हर क्षेत्र में नशे की प्रवृत्ति बढ़ रही है। हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल जी ने बजट में नशा मुक्त राजस्थान की संकल्पना की है। इसके लिए नयी किरण से नशा मुक्ति केन्द्रों की स्थापना होगी। मैं सरकार से यह निवेदन करना चाहता हूं कि नशीली वस्तुओं के व्यापार को रोकने के लिए कड़े कानून बनाये जायें, जिससे युवा पीढ़ी नशे

के दलदल में जाने से बच सके। युवा पीढ़ी का जीवन खुशहाल बन सके। युवा वर्ग में बढ़ते तनाव, डिप्रेशन और नशाखोरी से आत्महत्या की घटनाएं बढ़ रही हैं। सरकार ने युवा साथी केन्द्र की घोषणा करके युवा वर्ग को नयी दिशा देने का प्रयास किया है। बजट में पेयजल, उर्जा, सड़कें, नगरीय विकास, औद्योगिक विकास, पर्यटन, कला व संस्कृति, युवा व महिला विकास, अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सड़क सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था, कृषि, सिंचाई, पशुपालन प्रत्येक क्षेत्र में प्रदेशवासियों को राहत एवं विकास उपलब्ध कराने का प्रावधान इस बजट में किया है।

यह पूरे राजस्थान का बजट है। इस बजट में सरकार ने जनता पर एक भी टैक्स नहीं बढ़ाया है। जनता को राहत के लिए, विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान इस सरकार के कुशल वित्तीय प्रबंधन का उदाहरण है। मैं माण्डलगढ़ की जनता के आशार्वीद से 15वीं विधान सभा में सदस्य था। उस कार्यकाल के पांचों बजटों की तुलना में मैं निस्संदेह कह सकता हूं कि इस सरकार के दो बजटों में मेरे क्षेत्र में विकास के नये-नये आयाम हुए हैं, मैं इसके लिए आभार व्यक्त करता हूं। मैं पिछली सरकार के बारे में टिप्पणी तो नहीं करना चाहता, परन्तु उन्होंने पहले बजट में जो घोषणाएं की थीं, चौथे और पांचवें वर्ष में आरंभ हुईं। पेपर लीक होते रहे, पेपर बाजार में बिकते रहे, नाथी बाड़ा में पेपर बिकते रहे। जल जीवन का पैसा केन्द्र ने भेजा था, उसे समय पर पूरा नहीं किया, लेकिन उसमें भी भ्रष्टाचार हो गया, वह आपके सामने है। मामलों की जांच चल रही है। पिछली सरकार ने डीएमएफटी व जनजातीय विभाग फंड का भी मनमाना उपयोग किया है। मेरे साथी विधायकों ने इस विषय को उस समय सदन में उठाया था, लेकिन सरकार ने लीपापोती कर दी थी। मेरी मांग है कि पिछली सरकार में प्रदेश में डीएमएफटी व जनजातीय विभाग के विकास कार्यों में जो घोटाला हुआ है, उसकी जांच करायी जाए।

पिछली सरकार ने इंग्लिश मीडियम स्कूल खोले, कॉलेज खोले, उनमें न तो भवन है, न स्टाफ है। केवल, स्कूल के आगे जो नाम लिखा था, उस नाम चेंज कर दिया। हिन्दी मीडियम स्कूल थी, उसको अंग्रेजी मीडियम करके किया है।

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन कूप में नारे)

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, समाप्त कीजिये।

श्री गोपाल लाल शर्मा (माण्डलगढ): ...(व्यवधान)... तीन-चार कॉलेज का खोले, ...(व्यवधान)... पर अभी तक काम नहीं हुआ। चुनाव के पहले सस्ती लोकप्रियता के लिए ताबड़तोड़ जिले बना दिये। उनमें आधारभूत सुविधाओं के लिए कोई भी प्रावधान नहीं था। योजना नहीं थी, केवल चुनावी घोषणा थी। सरकार के पांच साल में फाइव स्टार होटलों में घूमते रहे और ऐश करते रहे, जब चुनाव का समय नजदीक आने लगा तो इन्होंने रेवड़ी बांटने का काम किया है। इन्होंने सोचा राजस्थान की जनता को गुमराह कर देंगे, उनको गुमराह करके वापस सरकार में आ जायेंगे। राजस्थान की जनता सब जान चुकी है। लोकतंत्र में जनादेश सर्वोपरि है। अभी दिल्ली की जनता ने ऐतिहासिक जनादेश दिया है। मैं प्रधान

मंत्री जी को बधाई प्रेषित करना चाहता हूं। माननीय प्रधान मंत्री जी के कुशल नेतृत्व में देश व प्रदेश में प्रगति के नये आयाम स्थापित किये हैं।

श्री सभापतिः समाप्त कीजिये।

श्री गोपाल लाल शर्मा (माण्डलगढ): मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र में कुछ मांग रखना चाहता हूं।

मेरे माण्डलगढ़ में ऐतिहासिक प्राचीन किला है, जो कि इतिहास में 500 साल पुराना किला है। वह किला जीर्णशीर्ण अवस्था में हो गया है, ऊपर जाने का रास्ता नहीं है। उसमें सागर-सागरी है। तोपखाना है।

श्री सभापतिः समाप्त कीजिये।

श्री गोपाल लाल शर्मा (माण्डलगढ): दो मिनट। मेरी डिमांड है। मैं उनके लिए मांग करता हूं। नीचे से रोड चढ़े और मेरा जो सिंगोल चारभुजा नाथ का ऐतिहासिक मन्दिर है, जीर्णशीर्ण अवस्था में है, वापस नये मन्दिर की घोषणा करें। ...(व्यवधान)... पांच साल तक। मैं आपको कहना चाहता हूं। आप मुझे रोक रहे हैं। आप लोगों ने पांच साल तक, ये बीजेपी के कार्यकर्ता जनता की सेवा कर रहे थे, कोरोना काल में आप फाइवस्टार होटलों में ऐश करने में लगे थे। पूरे राजस्थान की जनता आपको जान रही है। आज विकास जो काम हुआ है, उसको सुनना ही नहीं चाहते हैं।

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, समाप्त कीजिये।

श्री गोपाल लाल शर्मा (माण्डलगढ): ये आपके कर्मों की सज़ा है और अब की बार तो आपकी इतनी संख्या भी आने वाली नहीं है। आप देख लेना, अब की साल आपकी यह संख्या नहीं आयेगी। मेरे विधान सभा क्षेत्र में कुछ-एक अस्पतालों को पीएचसी से सीएचसी में क्रमोन्नत करने की मांग करता हूं। मैं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में कुछ संकाय खोलने की मांग करता हूं।

श्री सभापतिः प्लीज सदस्य, समाप्त कीजिये।

श्री गोपाल लाल शर्मा (माण्डलगढ): जय-जय श्रीराम।

श्री सभापतिः माननीय नेता प्रतिपक्ष।

अनुरोध एवं मांग

दिनांक 21 फरवरी, 2025 से उत्पन्न गतिरोध को समाप्त करने हेतु अनुरोध

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय सभापति महोदय, मैं आसन से यह आग्रह करना चाहूंगा कि अभी माननीय अध्यक्ष जी के चैम्बर में जो चर्चा हुई, उस चर्चा के अनुरूप खुद मेरे द्वारा, पारीक जी के द्वारा और डोटासरा जी के द्वारा पूरी घटना पर खेद व्यक्त कर दिया गया। संसदीय मंत्री जी ने भी अपनी बात रखी, लेकिन सरकार के मंत्री जी की बात उस पर नहीं आयी, जो कि पहले तय हुआ था और आनी चाहिए थी, मैं एक बार फिर सत्ता पक्ष से यह आग्रह करता हूं। संसदीय मंत्री जी भी यहां पर विराज रहे हैं। मंत्री जी का वक्तव्य भी इस पर आ जाये तो मैं समझता हूं कि यह सदन जो हम सुचारु रूप से चलाना चाहते हैं

और इसमें हम कोई गतिरोध पैदा नहीं करना चाहते हैं, उसमें सहयोग मिलेगा। आप इस चीज को लेकर इतना हठ नहीं करें। मैं पुनः आसन से यह आग्रह करता हूं कि मंत्री जी या सरकार को निर्देश दें कि वह भी इस पर अपना वक्तव्य दे।

श्री सभापतिः माननीय।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): इसमें मेरा अनुरोध यह है। माननीय सभापति महोदय, संसदीय परम्पराओं का पहला नियम है कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो, अपनी जो भी बात कहें, वे अपने आसन पर जाकर बैठें, अपनी चेयर पर बैठें, फिर कोई बात कहें। आसन पर खड़े होकर कोई वक्तव्य रिकॉर्ड नहीं होता है। यह इनका अधिकार है, यहां खड़े रहे, वहां खड़े रहें, यह इनका अधिकार है। शब्दों का प्रयोग समझ कर करें। माननीय सभापति महोदय, मेरा अनुरोध यह है कि अगर संसदीय परम्पराओं में माननीय अध्यक्ष के वेश्म में जो शब्द तय हुए, जो प्रक्रिया तय हुई, सभी ने तीन बार कन्फर्म किया, उस परम्परा को माननीय प्रतिपक्ष के नेता ने निभाया, हमारे सबसे वरिष्ठ साथी पारीक साहब ने निभाया, मैंने निभाया, लेकिन जिस माननीय सदस्य को विशेष अनुमति देकर अपना स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया था, माननीय स्पीकर के वेश्म में जो तय हुआ, उनके कक्ष में जो तय हुआ, उसको पूर्ण रूप से डाइल्यूट करते हुए पूर्ण रूप से बदल गये। अपनी हठधर्मिता से वे माननीय सदस्य बाज नहीं आये। ऐसी स्थिति में चूंकि वह हमारे पार्ट पर कुछ भी नहीं था, हमने कल से, आज से, रात से, मैंने, मेरे दल के अनेक लोगों ने, हमारे यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने, सबका एक मंतव्य था कि हमको सदन चलाना है।

mdp/rtm/24.02.2025/15:50/2o

इस सदन पर हर माननीय सदस्य की बात आनी चाहिए। वह सदस्य खुद नहीं बोल रहा है। उसकी जनता जिसने वोट देकर दो लाख, ढ़ाई लाख, तीन लाख, जो भी हैं, वह अपनी बात कह रहा है, अपने क्षेत्र की बात कह रहा है। वह अपनी बात नहीं कह रहा है, राजस्थान की बात कह रहा है, लेकिन खेद के साथ मुझे कहना पड़ रहा है कि मेरे इतने बड़े संसदीय कार्य में पहली बार कहना पड़ रहा है कि माननीय सदस्य ने सारी हदें पार कर दीं।

(समयः बजे)

(श्री संदीप शर्मा, सभापति, पदासीन)

अपने वरिष्ठ सदस्यों का कहना नहीं माना। अपने प्रतिपक्ष के नेता का कहना नहीं माना, पारीक साहब का कहना नहीं माना, सबको हर्ट किया और हर्ट करने के बावजूद भी, अपना काम कीजिए ...(व्यवधान).... मुझे बात कहने का अपना अधिकार है। आपको टोकने का अधिकार है। अभी आपकी टोन ये है तो मुझे पता लग जाता है कि आप कितने संसदीय कार्य में भाग लेना चाहते हैं। मैं अपनी बात कह रहा हूं। प्रतिपक्ष के नेता ने कहा, हमारा एक सदस्य नहीं बोला और आपका यह व्यवहार शो करता है कि आप संसदीय कार्यवाही में भाग नहीं लेना चाहते, सिर्फ व्यवधान करना चाहते हैं ...(व्यवधान)....अपने सदन की बात नहीं

कहना चाहते, अपनी जनता की बात नहीं कहना चाहते, मुद्दों पर नहीं आना चाहते।

श्री सभापतिः आप विराजिए।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): आपको अधिकार नहीं है बीच में बोलने का। आपसे वरिष्ठ लोग बैठे हैं आगे। ...(व्यवधान)....जाइए आप, कहीं भी जाइए। हमको एतराज नहीं है।

श्री सभापतिः आप नये हैं। सीनियर व्यक्ति बैठे हुए हैं।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मेरा यह मानना है, मेरा यह कहना है, मेरे दल का यह मानना है कि जिस व्यक्ति ने अपने कहे हुए वचन से, कही हुई बात से डिविएट हुआ है, जानबूझ कर किया है, हमें नहीं, जितने अन्दर हम सब वरिष्ठ बैठे थे, उनको और माननीय आसन के प्रति सदन की कार्यवाही खतम होने के बाद जिन शब्दों का यहां प्रयोग किया है, जो मीडिया में चल रहा है, क्या वह क्षम्य योग्य है? क्या राजस्थान विधान सभा का एक भी सदस्य कहेगा कि आसन के प्रति जिन शब्दों का प्रयोग किया गया है, वह इस राजस्थान की विधान सभा में आज तक हुआ? जूते तक की स्थिति में चले गये और वह सदस्य यहां आकर ऐसा करते हैं, मेरा प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों से विनम्र अनुरोध है कि उनकी कोई गलती नहीं है, वह पूरा चाहते हैं, मैं भी चाहता हूं। दो दिन से पूरे प्रयास किये, जितने प्रयास किये, वह सब प्रयास किये, लेकिन एक माननीय सदस्य की वजह से यह सारा खेल बिगड़ा है और माननीय सदस्यों में से जो पहली बार जीत कर आए, दो बार आए, तीन बार आए और जो मेरे से वरिष्ठ हैं, मेरे से ज्यादा ज्ञानी हैं, वे अपने इस तरह के व्यवहार को बंद करें।

श्री सभापतिः आप सुन लीजिए एक बार।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): अदरवाइज यह कार्यवाही विधान सभा में नहीं चलनी है। अपने वरिष्ठ सदस्यों से सीखें। हमारा यह मानना है कि वह जो एपिसोड है, खतम हो चुका। हमारी तरफ से नम्रता से निवेदन है कि सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाई जावे।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): माननीय सभापति जी, माननीय संसदीय मंत्री जी, आप इतना गुस्सा नहीं करें। देखिए, माननीय सदस्य ने दो बार यह कहा कि पूरे दिन का घटनाक्रम है, उस पर मैं खेद व्यक्त करता हूं। आपकी, उनकी खुद की चर्चा हुई और हम सब लोग यहां पर चर्चा करना चाहते हैं। यह भी तय हुआ था कि जहां से गतिरोध शुरू हुआ, प्रधान मंत्री जी को लेकर जो टिप्पणी की, एक दो मिनट की बात है, इसमें आप कोई छोटे नहीं हो जाओगे। जब हमने खेद प्रकट कर दिया, हमारे पारीक जी ने खेद प्रकट कर दिया, खुद हमारे सदस्य जी ने दो बार यह कहा कि जो पूरा घटनाक्रम है, उस पर मुझे खेद है। ...(व्यवधान).... एक मिनट।

श्री सभापतिः विराजिए, माननीय सदस्य।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): कृपलानी जी, आपको भी मौका देंगे। आप क्यों चाहते हैं कि गतिरोध खतम नहीं हो। गतिरोध खतम हो रहा है तो थोड़ा आप भी सहयोग कीजिए। मैं माननीय मंत्री जी, फिर आपसे निवेदन करता हूं, मेरा बार-बार आग्रह है कि कोई माफी

मांगने से, खेद प्रकट करने से छोटा नहीं होता। मैं खुद यह कह चुका हूं कि सारा जो घटनाक्रम हुआ है, वह ठीक नहीं है। उससे एक मैसेज चाहे टिप्पणी मंत्री जी की तरफ से आयी हो और उसके बाद जो भी हुआ हो, उससे कोई बड़ी बात नहीं है। जब मैं कह रहा हूं कि आप इस सदन को चलाने में सहयोग करें। हमारा भी इसके अंदर हक है। 200 जितने भी सदस्य हैं, सबका हक है। आप हठधर्मिता छोड़ें और मंत्री जी से आप इस पर वक्तव्य दिलवा दें तो बात पूरी खतम।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): सभापति महोदय, ...।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): एक मिनट, डिबेट नहीं हो रही है, बात तो रखूं।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): नहीं, नेता प्रतिपक्ष बोल चुके हैं, आप नहीं।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): बात ही रख रहा हूं।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): इस पर बहुत डिबेट हो चुकी। आप अपना ...(व्यवधान).... सुधारने को तैयार नहीं है।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): आप सुनिए तो सही। एक मिनट।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): फिर मेरे को पहले सुनिए। जहां से विवाद शुरू हुआ।

श्री रफीक खान (आदर्श नगर): एक मिनट।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): अब मैं खड़ा हो गया, अब आप बैठ जाओ। जहां से विवाद शुरू हुआ, माननीय मंत्री ने कह दिया डिलीट कर देना, आसन ने दो बार कह दिया डिलीट कर दूंगा, वह आपने माना क्या? जब आपने नहीं माना तो हम क्यों मानें? ...(व्यवधान).... जो शब्द बोलने की बात की थी, ...(व्यवधान).... वह शब्द डोटासरा जी ने नहीं बोला। नहीं बोला उन्होंने।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): सचेतक महोदय, माफी मांगने से कोई छोटा नहीं होता। ...(व्यवधान).... दो शब्द मंत्री जी बोल दें।

श्री सभापति: विराजिए।

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): दस मिनट का भाषण दिया ...(व्यवधान).... एक लाइन नहीं बोल पाए वह, इसलिए गतिरोध बन रहा है। आप उसके लिए जिम्मेवार हो। अब हम किसी को नहीं बोलने देंगे।

श्री सभापति: माननीय सचेतक महोदय, ...(व्यवधान).... आप प्रतिपक्ष के नेता, आप विराजिए।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप इस प्रकार से, माननीय संसदीय मंत्री महोदय, मेरा पुन: आग्रह है 'क्षमा बड़न को चाहिए, छोटन को उत्पात', आज आप सत्ता के अन्दर हैं, आप बड़ा मन करिए। हम सब लोगों ने अपनी भावना जब व्यक्त कर दी तो इस प्रकार से मंत्री जी का भी इतना नहीं होना चाहिए, दो शब्द वे कह देंगे, गतिरोध खतम हो जायेगा।

श्री सभापति: देखिए, ये अब सदन में चर्चा का विषय नहीं है। इस विषय पर कोई बात

जो होनी थी, वह माननीय अध्यक्ष जी के समक्ष हो गयी और उन्होंने पूरा अवसर भी प्रदान किया है, एक सेकेण्ड आप विराजिए। आप जो भी बात, पहले से चर्चा की व्यवस्था दी है। हम एक बार चर्चा करवा लें और जब उसके बाद बैठना हो तो उसके बाद आप लोग बैठकर बात करें। श्रीमती शोभा चौहान।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आखिरी में एक बार और निवेदन कर रहा हूं कि आप चाहते हैं कि हम यहां आपकी डिबेट के अन्दर रहे और आप कार्यवाही में हमें भी भागीदार बनाना चाहते हैं।

आय-व्ययक

आय-व्ययक अनुमान वर्ष 2025-26 पर सामान्य वाद-विवाद

श्रीमती शोभा चौहान (सोजत): सभापति महोदय, बजट सत्र 2025-26 पर मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए मैं धन्यवाद ज्ञापित करती हूं। मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा...।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): तो मैं चाहूंगा, सभापति जी, तो मैं चाहूंगा ...(व्यवधान).... इसमें संसदीय मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं तो ठीक है, नहीं तो ...(व्यवधान).... आप चला लीजिए।

श्रीमती शोभा चौहान (सोजत): उप मुख्य मंत्री जी, वित्त मंत्री जी आदरणीय दिया कुमारी जी...।

श्री सभापति: माननीय सदस्य।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय सभापति महोदय, सत्ता पक्ष की ओर से जितने प्रयास करने चाहिए थे, ईमानदारी से उससे भी अधिक प्रयास किए। आक्या साहब, मैं इतना धन्यवाद भी दूंगा। मैं ये नहीं हूं कि नहीं दूंगा, जो घटनाक्रम हुआ है, मैं माननीय प्रतिपक्ष के नेता को भी कहूंगा उनकी सद्भावना रही है, मैं माननीय पारीक साहब के प्रति भी कि उनकी सद्भावना रही है, वरिष्ठ सदस्य पायलट साहब बैठे हैं, उनकी भी सद्भावना रही है और उन्होंने जितना अफसोस इस घटनाक्रम पर किया है, उससे ज्यादा कभी हो नहीं सकता। माननीय शांति जी धारीवाल यहां बैठे हैं, मेरे पास आकर कहा, उन्होंने जितना अफसोस व्यक्त किया है, लेकिन उस माननीय सदस्य की हठधर्मिता है, वह पूरे सदन को डाइल्यूट करना चाहते हैं ...(व्यवधान).... हाइजेक करना चाहते हैं।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): मंत्री जी, ...(व्यवधान)....बात सुनिए।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): मेरी बात पूरी करने दीजिए। ...(व्यवधान).... आप दो मिनट मेरी बात होने दीजिए। आज तक नहीं कही मैंने।

श्री सभापति: आप विराजिए प्लीज।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय सदस्य, पूरे सदन को हाइजेक करना चाहते हैं और जो हाइजेक करेगा, ...(व्यवधान)....उसकी हमारी कोई सुनवाई नहीं है।

श्री सभापति: श्रीमती शोभा चौहान। बैठिए। आप भी विराजिए, साहब।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): कोई असंसदीय शब्द नहीं बोला है, ...(व्यवधान)....न कोई अनपार्लियामेंट लेंग्वेज बोली है।

श्री सभापति: देखिए, यदि कोई बात करनी है...।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय अध्यक्ष जी ने व्यवस्था दे दी है, उसी पर चलेगी।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप सत्ता पक्ष में हैं ...(व्यवधान).... राजस्थान की जनता की बात है। ...(व्यवधान)....आप हमारा सहयोग लो सदन चलाने के अन्दर।

श्री सभापति: श्रीमती शोभा चौहान।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): आप इससे कोई छोटे नहीं हो जाएंगे। ...(व्यवधान).... मेरा आपसे आग्रह है, संसदीय मंत्री और सचेतक यहां पर दोनों विराजमान हैं।

श्रीमती शोभा चौहान (सोजत): माननीय भजन लाल जी शर्मा और वित्त मंत्री।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): सुनिए, मैडम, एक मिनट। सभापति जी, दो मिनट की बात है ...(व्यवधान).... संसदीय मंत्री महोदय, संसदीय मंत्री महोदय, जाए फिर हम लोग? ...(व्यवधान)....

श्री सभापति: अब ये चर्चा करने का, बात करने का ...(व्यवधान).... नहीं है। अंकित नहीं हो।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): 000

श्रीमती शोभा चौहान (सोजत): मुझे यह बताते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल जी शर्मा के नेतृत्व में उप मुख्य मंत्री एवं वित्त मंत्री जी आदरणीया दिया कुमारी जी द्वारा वर्ष 2025-26 का खुशहाल राजस्थान ...(व्यवधान)....बजट प्रस्तुत किया। सम्पूर्ण राजस्थान को अग्रणी राजस्थान बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होने वाला भाजपा सरकार का यह दूसरा अनुपम बजट है।

श्री टीकाराम जूली (नेता, प्रतिपक्ष): 000

बहिर्गमन

(प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों द्वारा सदन से बहिर्गमन)

श्रीमती शोभा चौहान (सोजत): हमारी सरकार वादे, घोषणाएं तक ही सीमित नही रहती, बल्कि उससे भी आगे बढते हुए, जो कहा जाता है, उसे संकल्प शक्ति के साथ पूरा किया जा रहा है। जन घोषणा पत्र की 58 प्रतिशत तथा विगत बजट घोषणा की 73 प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित की है। जन कल्याण की भावना को नजर अंदाज कर स्वयं कल्याण करने वाली पूर्व कांग्रेस सरकार ने जनता को सिर्फ बड़े-बड़े वादे कर सम्पूर्ण कार्यकाल में आमजन का शोषण किया है। कांग्रेस सरकार को ना तो प्रदेश ना ही प्रदेशवासियों के बारे में सोचने का कोई समय मिला लेकिन नेक इरादों के साथ सत्ता में आई भाजपा सरकार ने समाज के किसान, युवा, महिला, दलित, गरीब वर्ग एवं प्रत्येक क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पांच वर्षीय

योजना बनाकर कार्य करना प्रारम्भ कर दिया। भाजपा सरकार ने अपने प्रथम बजट में ही यह साबित कर दिया कि संकल्प शक्ति के साथ राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाना है। इसी तरह दूसरे बजट में सम्पूर्ण राजस्थान के विकास एवं आमजन के कल्याण के लिए घोषणाओं की झड़ी लगा दी। सरकार द्वारा प्रथम बार हरित बजट प्रस्तुत किया जो माननीय मुख्यमंत्री जी भजनलाल जी शर्मा के राजस्थान कल्याण हेतु किया गया गहन चिन्तन का परिणाम है।

श्री जोगाराम पटेल (संसदीय कार्य मंत्री): माननीय सभापति महोदय, आज का जो व्यवहार प्रतिपक्ष का रहा है, इस राजस्थान के इतिहास में हमेशा-हमेशा काले अक्षरों में लिखा जाएगा। प्रतिपक्ष के पास कोई आधार नहीं, कोई मुद्दा नहीं, उनकी आपस की एकता नहीं, एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए, एक-दूसरे को प्रतियोगिता में पछाड़ने के लिए, एक-दूसरे की अन्तर कलह उजागर होकर आज इस माननीय सदन के बीच में आयी है।

Ans/rtm 16.00 2p 24.02.2025

राजस्थान के इतिहास में पहली बार, माननीय अध्यक्ष के वेश्म में जो तय हुआ उस बात को पूर्ण रूप से यहां नकारा, उसके बाद उस पर नट गये, ऐसी स्थिति में उस सदस्य को तो कभी भी इस सदन में आने का अधिकार ही नहीं है। इस तरह का व्यवहार माननीय वरिष्ठ सदस्य का रहा है। जो-जो ऐसे गलत, गैर जिम्मेदाराना हरकत का सपोर्ट करते हैं मेरे लिहाज से वह भी इस सदन की मान-मर्यादा के प्रति कतई गंभीर नहीं है।

आज किसी भी कारण से वाकआउट करने का कोई कारण नहीं है, सिर्फ अपनी अंतर्कलह बनने के लिए, एक दूसरे का, किसी परिवार के प्रति जो लॉयल्टी है उसका नम्बर बढ़ाने के लिए यह सारा आचरण कर रहे हैं। राजस्थान की जनता इनको कभी माफ नहीं करेगी, चाहे बाई इलेक्शन हो, चाहे पंचायती राज हो, इनको जवाब मिल गया और भविष्य में जवाब मिल जाएगा।

श्रीमती शोभा चौहान (सोजत): राज्य को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के विजन के साथ पेश भाजपा सरकार का दूसरा पूर्ण बजट ग्रीन थीम पर आधारित होने के साथ ही शिक्षा, युवा, कौशल विकास एवं रोजगारपरक भी है। ग्रामीण टूरिज्म को प्रोत्साहन देते हुए माननीय वित्त मंत्री जी ने युवाओं को सवा लाख सरकारी नौकरियां एवं एक लाख पचास हजार निजी क्षेत्र में नौकरियों के अवसर प्रदान किये है। नई पीढ़ी को स्टार्टअप के लिए फंड उपलब्ध करवाया जाएगा, ये बहुत अच्छे कदम हैं। 20 करोड़ रूपये से ज्ञान भारत मिशन की स्थापना, ए.आई. एवं रोजगार नीति युवाओं के कौशल विकास के लिए समुचित अवसर मिल सकेंगे। विश्वकर्मा युवा रोजगार प्रशिक्षण, रोजगारपरक नीति, रोजगार मेला, कैंपस साक्षात्कार, तथा नए स्टार्टअप से नेटवर्किंग उपलब्ध होगी, जिससे निश्चय ही जनरेशन "जैड" के युवा आर्थिक रूप से समृद्ध होंगे। विश्वकर्मा युवा उधमी योजना की शुरुआत होगी, जिसमें 2 करोड़ तक के लोन पर 8 प्रतिशत ब्याज सब्सिडी मिलेगी।

बजट में अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों कृषि, किसान, युवा, पर्यटन, अक्षय ऊर्जा, पेट्रो

केमिकल, छोटे उद्योगों आदि को समाहित कर सभी क्षेत्रों को आगे बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। बजट में भविष्य के मापदंडों जैसे सतत विकास लक्ष्य, ग्रीन एग्रीकल्चर, ग्रीन एनर्जी आदि को प्रमुखता दी है, जो दीर्घकालीन विजन दर्शाता है। बजट में रामजल सेतू लिंक परियोजना को धरातल पर लाने की घोषणा की गयी है। कृषि, किसान, पशुधन पर ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना का दायरा बढाकर इसमें दो गुना किसान शामिल किये गये है और गौ पालकों को ब्याज मुक्त ऋण देने का वादा किया है। अगस्त 2025 में बहु प्रतिक्षित रिफाइनरी से उत्पादन प्रारम्भ हो जायेगा, जिससे रोजगार के अवसर बढेंगे और करोड़ों रूपये का राजस्व मिलेगा, इससे राजस्थान विकास की दिशा में तेजी से आगे बढेगा।

इधर महिलाओं को पोषण के लिए आंगनबाडी केन्द्र में गर्भवती महिलाओं को अंतिम पांच माह के लिए अतिरिक्त पोषण के लिए "मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना लागू की गयी है, इससे लगभग 2 लाख 35 हजार महिलाएं लाभान्वित होगी। "मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना" के अंतर्गत आंगनबाडी में आने वाले तीन माह से छह वर्ष के बच्चों को अतिरिक्त पोषण के लिए सप्ताह में तीन दिन के स्थान पर पांच दिन दूध उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है।

आंगनबाड़ी में बच्चों का पोषण बहुत महत्वपूर्ण है। राजस्थान में इससे संबंधित घोषणा भी एक अच्छा कदम है। लखपति दीदी की श्रेणी में लाये जाने का लक्ष्य बढाकर 20 लाख किये जाने की घोषणा की गयी है, इससे प्रदेश की महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण एवं आजीविका संवर्धन दिशा में मजबूत होगी।

राजस्थान में पेयजल संकट को कम करने के लिए जल जीवन मिशन योजना में 20 लाख घरों को नये कनेक्शन दिये जाने की घोषणा के साथ इससे जुडे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए करोड़ों रुपये का बजटीय प्रावधान भी किया गया है।

सरकार द्वारा प्रदेश के सभी वर्गों का ध्यान रखते हुए 150 यूनिट बिजली नि:शुल्क दिये जाने की घोषणा की है। किसानों को और अधिक समृद्ध बनाने की दिशा में सोचते हुए पीएम किसान सम्मान निधि में मिलने वाली सहायता राशि 8 हजार से बढाकर 9 हजार रुपये किये जाने की घोषणा की गई है। मैं माननीय मुख्यमंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी को धन्यवाद प्रेषित करती हूं कि ग्रामीण जनों को अच्छी सड़क की सुविधा दिये जाने हेतू प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में नोन पेचेबल सडकों के लिए 10 से 15 करोड़ की घोषणा की है। 5000 से अधिक की आबादी वाले गांवों में अटल प्रगति पथ बनाये जाने की भी घोषणा की गई, इससे ग्रामीण जनों को क्षतिग्रस्त सड़कों पर आवागमन और दुर्घटनाओं से निजात मिल सकेगी। हमारे प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी का विजन एवं मुख्य मंत्री आदरणीय भजन लाल जी शर्मा का मिशन अग्रणी राजस्थान बनाने हेतु सर्वजन हिताय का खुशहाल राजस्थान बजट प्रस्तुत किया गया है।

मैं, मेरी विधानसभा क्षेत्र सोजत की बात करूं तो विगत बजट घोषणा में माननीय मुख्य मंत्री जी एवं माननीय वित्त मंत्री जी द्वारा अनेक महत्वपूर्ण सौग़ातें प्रदान की है, इनमें

से लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है। इस बजट सत्र 2025-26 में भी समाज के प्रत्येक वर्ग एवं प्रत्येक क्षेत्र को सर्वजन हिताय की भावना को दृष्टिगत रखते हुए मेरे निवेदन पर माननीय मुख्य मंत्री जी एवं वित्त मंत्री जी ने विधान सभा क्षेत्र सोजत में अनेक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक कार्यों का पिटारा खोल दिया है। रायपुर सीएचसी को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत किये जाने पर क्षेत्रवासियों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। साथ ही कानून व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ किये जाने के उद्देश्य से रायपुर में पुलिस उप अधीक्षक कार्यालय की घोषणा की गई। सोजत रोड में कन्या महाविद्यालय स्वीकृत किया गया। सोजत सीटी में रोडवेज़ बस स्टैंड का विस्तार एवं नवीनीकरण का कार्य स्वीकृत किया गया। निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने हेतु सोजत सिटी में नवीन औद्योगिक क्षेत्र स्थापना कार्य की घोषणा भी की गयी। किसानों को फसल पिलाई हेतु क्षेत्र का टूटीया बांध के जीर्णोद्धार कार्य स्वीकृत किया गया और सोजत क्षेत्र कस्बे में पिछले बजट में नगर पालिका बनायी गयी थी, इसकी सम्पूर्ण आबादी को पेयजल संकट से उबारने के लिए जल शोधन संयंत्र के साथ कंटालिया बांध से सोजत रोड तक पाइप लाइन निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई।

इन सभी महत्वपूर्ण कार्यों की स्वीकृति देने के लिए मैं माननीय मुख्यमंत्री आदरणीय भजन लाल जी शर्मा, वित्त मंत्री आदरणीया दिया कुमारी का धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित करती हूं, साथ ही यह निवेदन करती हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र में कुछ महत्वपूर्ण घोषणाएं की जानी शेष हैं। मैं आपके माध्यम से इनकी पूरक बजट में घोषणा किये जाने का विनम्र निवेदन करना चाहूंगी।

रायपुर ग्राम पंचायत को नगर पालिका घोषित किया जाए। बगडीनगर उप तहसील को तहसील में क्रमोन्नत किया जाएं। महोदय जी, मेरे क्षेत्र में कई सड़कों की हालात खराब है इनमें से पांच अति महत्वपूर्ण है जिनकी घोषणा करवायी जाए, जिनमें चंडावल नगर से देवली कलां होते हुए रामपुरा कलां तक चौडाई एवं सुदृढ़ीकरण कार्य 13 किलोमीटर, चंडावल नगर से बींजा गुडा होते हुए खोडिया तक 18 किलोमीटर, रायरा कला से रायरा खुर्द, किराणा का बाडिया, कालीकाकर, रायरा कलां, देवडूंगरी, सिंगपुरा से देव डूंगरी होते हुए बींजा गुडा तक दूरी 15 किलोमीटर, रेपडावास से रामासनी सांदवान होते हुए मेव तक दूरी 13 किलोमीटर, रायपुर-दीपावास सम्पर्क सडक से एनएच-162 तक दूरी 5 किलोमीटर।

साथ ही ऊर्जा विभाग से संबंधित मांग, देवली हुला एवं चौपडा में 33/11 केवी का जीएसएस स्थापित किया जाए। हमारे यशस्वी माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा के इरादे चट्टानों की तरह मजबूत है, जिनके नेतृत्व में राजस्थान निरन्तर चहुंमुखी विकास की ओर सदैव अग्रसर होता रहेगा।

पेयजल की गंभीर समस्या को देखते हुए मैं आपसे विनम्र प्रार्थना करना चाहूंगी कि हमारी कुछ ऐसी पंचायतें हैं जिनको जवाई से जुड़वाया जाये, ताकि लोगों को राहत मिल सके। अन्त में कुछ लाईनों के साथ मैं मेरी बात समाप्त करना चाहूंगी।

'मंजिल क्या है, रास्ता क्या है, हौसला हो तो फासला क्या है।
हवाओं के भरोसे मत उड़, चट्टानें तूफ़ानों का भी रूख मोड देती है।
अपने पंखों पर भरोसा रख, हवाओं के भरोसे तो पतंगें उड़ा करती है।'

धन्यवाद।

श्री सभापतिः श्री चन्द्रभान सिंह आक्या। पांच मिनट में अपनी बात कहे।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया उसके लिए धन्यवाद। जिस प्रकार का राजस्थान की सरकार ने बजट रखा है, जिस प्रकार का बजट पूरे राजस्थान में दिया है, उसके लिए जितनी भी मैं मुख्य मंत्री जी की तारीफ करूं उतनी ही कम है। मोदी जी की सरकार बनने के बाद पूरे देश में विकास हुआ है। 2013-18 में भारतीय जनता पार्टी की, वसुन्धरा जी की सरकार थी, उस समय भी विकास में कमी नहीं रही। अभी भजनलाल जी की सरकार बनने के बाद भी डवलपमेंट में कमी नहीं रही और बहुत से काम व विकास होने बाकी है, उसके लिए सभापति महोदय मैं आपको बताना चाहता हूं। चित्तौडगढ़ ज़िले में काफी सीमेंट फैक्ट्रियां हैं, हिन्दुस्तान जिंक है, वहां के लोकल बच्चों को रोजगार नहीं मिलता है।

VPS-RTM-24.02.2025-16.10-2q

माननीय सभापति महोदय, संसदीय कार्य मंत्री बैठे हैं, इनसे मैं यह रिक्वेस्ट करना चाहता हूं कि हमारे लोकल लोगों को उनकी योग्यता के अनुसार जितने वे पढ़े लिखे हो या उन्होंने आई.टी.आई कर रखी हो, वहां पर कम से कम 50 परसेंट रिजर्वेशन हो और 50 परसेंट लोग हमारे वहां के लिये जाये क्योंकि धूल वे खाते हैं, मिट्टी वे खाते हैं, जमीन हमारी जाती है और वास्तव में जो प्रदूषण फैलता है, उसकी समस्या हम झेलते हैं। पानी की कमी होती है वह हम लोग झेलते हैं और हमारे ही लोगों को रोजगार नहीं मिलता है इसलिए इधर-उधर भटकते फिरते हैं और वे दूसरी लाइन पर चलते हैं, इसलिए मैं सरकार के मंत्रीजी से यह कहना चाहता हूं कि रिप्लाई में यह बात कहें, लोकल लोगों को रोजगार ज्यादा से ज्यादा मिलें, उसके लिए आप व्यवस्था करायें।

माननीय सभापति महोदय, यह गौशाला वाली बात, हमारी सरकार भी बनती है और विपक्ष की सरकार भी बनती है, वह गौशाला के बारे में चर्चा करती है कि पहली वाली सरकार ने यह बात की थी कि हम हर पंचायत हैडक्वार्टर पर गौशाला बनाएंगे पर गौशाला वे नहीं बना पाये। मैं माननीय मुख्य मंत्रीजी से यह मांग करता हूं, हमारे संसदीय कार्य मंत्रीजी बैठे हैं क्योंकि हम लोग भी चुनावों में वादे करते हैं, चुनाव में हर बार गायों की बात होती है पर आखिर में गायों के लिए हम कुछ नहीं कर पाते हैं इसलिए गायों के बारे में चर्चा करके, हर पंचायत हैडक्वार्टर पर गौशाला बने और वहां पर सरकार की तरफ से उसे नरेगा से जोड़ा जाए। जो आदमी अगर दो गायें रखेगा तो उसकी मजदूरी उसको ज्यादा मिलेगी और अगर उसको नरेगा से जोड़ दिया जायेगा तो गौशालाओं को हंड्रेड परसेंट, वे गौशालाएं अच्छी चलेंगी

और उनके अनुदान के लिए जो पैसा, स्टाम्प ड्यूटी से जो पैसा आता है, वह पैसा भी उन गौशालाओं के चला जाये और गौशालाओं का बजट, वह पैसा तीन-तीन, चार-चार, पांच-पांच महीने तक पेंडिंग रहता है तो हर महीने जैसे राजकीय कर्मचारी को तनख्वाह मिलती है, एम.एल.ए., एम.पी. को तनख्वाह मिलती है, उसी प्रकार से उन गौशालाओं का जो पैसा होता है, वह टाइम टू टाइम हर महीने चला जाये तो वह अच्छा है और गौशालाओं का पैसा अगर जायेगा तो टाइम पर घास खरीदी जायेगी और उन गायों को फायदा होगा, तो इसलिए वह पैसा टाइम पर मिले और सरकार अलग से भी बजट गायों के लिए दे तो वह एक अच्छी बात होगी।

माननीय सभापति महोदय, हमारे यहां पर डोडा चूरे और अफीम की खेती बहुत होती है। हमारे किसान उनको पैदा करने से लगाकर लास्ट तक खूब मेहनत करते हैं, उनको पैदा करने के लिए खूब खड़े रहते हैं और आखिर में हमारा डोडा-चूरा बिकता नहीं है। डोडा-चूरा का पहले सरकार अच्छा पैसा देती थी लेकिन आज वह पैसा देना बंद हो गया और लोग उन डोडा-चूरा को खेती में खाद के रूप में काम लेते हैं। माननीय संसदीय कार्य मंत्री विराज रहे हैं, हमारे वहां पर अफीम की अच्छी खेती होती है तो सरकार उसको सरकारी स्तर पर खरीदे और बाकी जो बचता है, उसको हम जला देंगे। हमारे वहां पर कोई चोरी नहीं करते हैं, हमारे लोग तस्करी नहीं करते हैं, हमारे लोग बहुत ईमानदार लोग हैं। जितनी अफीम होती है, वह सरकार को अफीम देते हैं। जितना डोडा-चूरा पैदा होता है, उसको नष्ट कर देते हैं पर लोग उन पर आरोप-प्रत्यारोप लगाते हैं इसलिए डोडा-चूरा को भी सरकार खरीदे। (समय-समाप्ति-सूचक घंटी)

माननीय सभापति महोदय, आज कांग्रेस वाले बोल नहीं रहे हैं इसलिए आप पूरा पन्द्रह-बीस मिनट का समय दें और आप कृपया घंटी नहीं बजायें। थोड़ा आप ध्यान रखें। संसदीय कार्य मंत्री भी आपको इशारा कर रहे हैं। संसदीय कार्य मंत्री आपको दो बार इशारा भी कर चुके हैं।

श्री सभापति: बोलने वालों की काफी बड़ी लिस्ट है। आप अपनी बात समाप्त करें।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय सभापति महोदय, उसके अलावा बहुत-सी मेरी विधान सभा की मांगें भी हैं। मेरी रिवर फ्रंट की मांग है। मेरे वहां पर कई नदिया हैं, उनमें पुलिया चाहिए। सरकार ने एक मुझे खोर वाली पुलिया दी है, उसके लिए तो धन्यवाद और धनेत से चित्तौड़गढ़ से जोड़ने वाली पुलिया है, उसकी भी जरूरत है, रिवर फ्रंट की चित्तौड़गढ़ में जरूरत है, बहुत-सी रोड्स की जरूरत है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: विराजें। प्लीज विराजिये।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय सभापति महोदय, केवल दो मिनट लूंगा। हमारा किले का डवलपमेंट भी इस सरकार ने किया है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: विराजिये।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): किले का जो पूर्व का गेट है, उसको खोलने का

सरकार अगर फंड देगी तो भी अच्छा रहेगा। माननीय सभापति महोदय, हमारे यहां पर इस बारिश में रोड्स बहुत ज्यादा टूट गयी हैं। सरकार ने दस करोड़ रुपये दिये हैं, वह दस करोड़ रुपये बहुत ही कम है, तो उसके लिए 15 करोड़ रुपये हमें दें और इसके अलावा जो हमारी सड़कें टूटी हुई हैं, उनके पैसे दें और नई रोड्स के लिए हमें पैसे की जरूरत है तो उनके लिए भी पैसे दें।

श्री सभापति: विराजिये।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय सभापति महोदय, मेरे चार सी.एच.सी., माननीय चिकित्सा मंत्रीजी विराज रहे हैं, चिकित्सा मंत्रीजी चार सी.एच.सी. पर जीरो डॉक्टर है और पांच पी.एच.सीज. में जीरो डॉक्टर है। सी.एच.सी. में अगर एक-एक डॉक्टर भी लगा दिया जाये तो बहुत अच्छा होगा। नर्सिंग कर्मचारी लगायें, जी.एन.एम., ए.एन.एम. लगायें क्योंकि चार सी.एच.सी. में तो जीरो स्टाफ है।

श्री सभापति: श्री हमीर सिंह भायल।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): इसलिए वहां पर सी.एच.सी., पी.एच.सी. में स्टाफ लगाये।

श्री सभापति: आप विराजिये।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय सभापति महोदय, विकास और डवलपमेंट की कमी है। ...(व्यवधान)... हमीर साहब, आप रुको। दो मिनट आप नीचे विराजें। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: आपका समय प्रारंभ हो गया, हमीर सिंहजी।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): माननीय सभापति महोदय, बहुत सा विकास और डवलपमेंट आपने किया है और इस बजट में सरकार और देगी और अभी जो सरकार जवाब देगी 27 तारीख को, भजन लालजी जवाब देंगे, उसमें मेरी जो पुलियाएं बाकी हैं, वह देंगे, रोड्स बाकी हैं, वह देंगे। बहुत से पी.एच.सी., मेरे प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गिलुण्ड है, घटियावली है, ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: विराजिये प्लीज।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): जहां-जहां पर पी.एच.सी. में डाक्टर नहीं है, वहां स्टाफ दें और जो रोड्स की कमी है उनकी पूर्ति करें। बिजली की व्यवस्था अच्छी हुई है और आने वाले समय में भी बिजली दिन में मिले...

श्री सभापति: माननीय हमीर सिंहजी। विराजिये, माननीय सदस्य।

श्री चन्द्रभान सिंह चौहान (चित्तौड़गढ़): ऐसी प्रार्थना करते हैं। धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

श्री हमीर सिंह भायल (सिवाना): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे 2025-26 के बजट पर वाद-विवाद, परिचर्चा में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका धन्यवाद और आभार।

राजस्थान के बजट में केन्द्र की ही भांति हर वर्ग को साधने का प्रयास किया गया है। युवा, रोजगार, शहरी ग्रामीण विकास, औद्योगिक विकास, रोड नेटवर्क, पेयजल, सिंचाई, विद्युत, सोलर प्लांट, किसान, मजदूर, व्यापारी, कर्मचारी, महिला, वंचित, उपेक्षित, अल्पसंख्यक सहित सभी वर्गों को साधने, उनके सपनों को वास्तविकता में बदलने का प्रयास किया है, मैं राजस्थान के मुख्य मंत्री भजन लालजी, उप मुख्य मंत्रीजी दिया कुमारजी को धन्यवाद देता हूं राजस्थान की जनता की तरफ से और सिवाना विधान सभा क्षेत्र की जनता की तरफ से जिन्होंने अपने बजट को, विजन को लेकर वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया है, प्रदेश को 3 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का बजट दिया है। 160 प्रमुख घोषणाओं के साथ प्रदेश को कई सौगातें दी हैं। मेरे क्षेत्र की जनता की ओर से भी माननीय सी.एम. साहब और डिप्टी सी.एम. साहब का आभार प्रकट करना चाहूंगा।

प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि जब विगत बजट की सभी बातें धरातल पर उतार कर नया बजट पेश हुआ है। इससे पहले पुराना जो बजट था उसकी क्रियान्विति 70 से 80 परसेंट होना यह एक बहुत बड़ी बात है। आज ग्रीन बजट की आमजन सराहना कर रहा है। जलवायु संरक्षण, आने वाले समय में ऑक्सीजन आम जन को आराम से मिल सके, इसको ध्यान में रखते हुए प्रदेश का ग्रीन बजट पेश किया गया है। आपने कोरोना काल में देखा होगा और गये बजट में जो बजट देने के बाद में वृक्षारोपण का कार्य आदरणीय मुख्य मंत्रीजी ने पूरे राजस्थान में किया था, उसका यह उदाहरण है कि आज ऑक्सीजन आराम से लोगों को मिल रही है। बजट को लेकर युवा जोश में है, सरकार की महिला वर्ग से लगाकर हर वर्ग सराहना कर रहा है। किसानों के लिए यह पहला राज्य है जिसने सम्मान दिया है और किसान सम्मान निधि को बढ़ाया है। चुनाव घोषणा पत्र में आदरणीय मुख्य मंत्रीजी और हमारी भारतीय जनता पार्टी का यह विजन था, उसके आधार पर किसान सम्मान राशि को बढ़ाकर अब नौ हजार रुपये प्रतिवर्ष किया गया है, यह किसानों के लिए बहुत बड़ी राहत है और आने वाले समय में यह 12,000 भी पूरे होंगे।

(समय:16.18 बजे)

(श्री अर्जुन लाल जीनगर, सभापति, पदासीन)

सामाजिक सुरक्षा पेंशन को लेकर प्रदेश सरकार ने सकारात्मक कदम उठाया है। प्रति माह 1250 रुपये दिये हैं। कांग्रेस सरकार ने 1500 रुपये देने का वादा किया था परंतु उन्होंने वह पूरा नहीं किया उलटा आयु के आधार पर जो पेंशन मिलती थी, उसको भी घटाया गया और वह मात्र 1000 रुपये ही कर दी थी पर भजन लालजी की सरकार आम जन के लिए संवेदनशील रहकर कार्य कर रही है। प्रदेश सरकार ने सुव्यवस्थित वित्तीय प्रबंध करके 42 हजार करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय का प्रबंध किया है जो प्रदेश के विकास में पंख लगाने का काम करेगा।

सरकार ने नये जिलों को कागजों में ही नहीं बल्कि धरातल पर उतारने का काम किया है। नये जिले जहां पर खुले हैं, वहां उनको बजट देकर, बजट का प्रबंध करके नवीन जिलों को

स्थापित करने के लिए, आम जन को नये जिले की सुविधा मिल सके, इसको लेकर एक नया विजन हाथ में लिया है, जिससे जनता को राहत मिलेगी। भवन निर्माण से लेकर सभी सुविधाएं देने के लिए सरकार ने बजट में प्रबंध किया है। विगत सरकार के कुप्रबंध से एक भी नवीन जिले का भवन तो क्या कोई कार्य चालू भी नहीं कर पाये थे। माननीय सभापति महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र में विगत बजट के दौरान जो कार्य स्वीकृत किये थे, उन सभी कामों को गति देकर कार्य शुरू करवा दिया गया है।

SSY/RTM/24.02.2025/16.20/3a

सभी काम प्रगति पर हैं। विधान सभा क्षेत्र सिवाना के लिए विशेष बजट प्रावधान करने से क्षेत्र में विकास के कामों को गति मिली है। आम जन को महसूस होने लगा है कि क्षेत्र में विकास के कार्य हो रहे हैं। 2025-26 में सिवाना क्षेत्र को बहुत सारी सौगातें मिली हैं। जिसके लिए मैं क्षेत्र की जनता की ओर से धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूं। मैं पूरा आशान्वित हूं कि यह कार्य आम जन के हित के रहेंगे और जल्दी ही पूरे किये जायेंगें।

प्रदेश की विकासशील सरकार एक ही वर्ष में नया आयाम स्थापित करने को लेकर, सबसे बड़ा काम ईआरसीपी योजना को पूर्वी राजस्थान की सबसे बड़ी नहरी पेयजल के साथ किसानों को सिंचाई हेतु पानी देने की योजना को लेकर कार्य कर रही है, जिसको राम जल सेतु लिंक परियोजना के नाम से धरातल पर उतारकर कार्य शुरू हुआ है। प्रदेश के थार रेगिस्तान में पेयजल की कमी को देखते हुए हम सभी उम्मीद करते हैं कि जल्दी ही ईआरसीपी की तरह डब्ल्यूआरसीपी योजना को लाकर, जिसमें मरूस्थलीय जिलों को जीवन दान मिल सकेगा, पेयजल के लिए, मात्र पीने के पानी के लिए भी समस्या है, तो आने वाले समय में अधिक समस्या आने वाली है। उसी को मध्य नजर रखते हुए रेगिस्तानी जिले बाड़मेर, बालोतरा, जैसलमेर, जोधपुर, फलौदी, बीकानेर सहित अन्य जिलों की पेयजल समस्या के निवारण को लेकर डब्ल्यूआरसीपी योजना बनाकर स्वीकृति की जानी जनहित में रहेगी।

पेयजल सभी घरों को उपलब्ध हो सके इसको लेकर जल जीवन मिशन योजना को 2028 तक आगे बढ़ाने का कार्य के लिए मैं भारत के प्रधान मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा। राजस्थान ढाणियों में बसा हुआ है, ढाणी और गांव के बीच में खेत, खलिहान में बसा हुआ है। उनके लिए यह अति आवश्यक है। इसका सर्वे कराकर जल जीवन मिशन का करें। गत 5 वर्षों में पूर्व सरकार द्वारा जो इसका भट्ठा बैठा दिया था, रसातल में डाल दिया था, अब 2028 तक एक भी ढाणी वंचित नहीं रहे, जल जीवन मिशन में हर व्यक्ति को पीने के लिए ढाणी तक पानी मिले, इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा। यह पश्चिमी राजस्थान, रेगिस्तान के लिए, मानव जीवन के लिए, पशु-पक्षी के लिए यह योजना बहुत अच्छा कार्य करेगी। इसके लिए मैं मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। शीघ्र ही शुरू करवाकर इसको भी पूरा करें।

मेरे क्षेत्र की समस्या, सिवाना विधान सभा क्षेत्र में पेयजल की 3 स्कीम, जो सभी अंतिम

छोर हैं, नर्मदा प्रोजेक्ट जिसमें कोई काम हुआ ही नहीं, पोकरण-फलसुंड-सिवाना, उम्मेद सागर धावा समदड़ी, इन योजनाओं में सिवाना का भाग टेल पर है। पानी कभी भी पूरा नहीं मिल रहा है। समदड़ी क्षेत्र के लिए स्टोरेज, पंप हाउस, शोभा के पास जिसमें बालोतरा का भाग भी आता है, राशि को स्वीकृत किया जाना जनहित में होगा। उम्मेद सागर धावा समदड़ी खंड योजना के बन रहे स्टोरेज, में किया जाना जनहित में रहेगा। सिवाना क्षेत्र के लिए पोकरण फलसुंड, बालोतरा, सिवाना की जो लाइन है उसको नई पाइप लाइन के लिए डीपीआर बनाकर और नर्मदा से भी, माननीय मंत्री महोदय विराजे हैं, मैंने आज सिंचाई मंत्री जी से भी निवेदन किया है, पेयजल मंत्री जी भी यहां विराजे हैं, सिवाना टेल पर है, तो नर्मदा का एक प्रोजेक्ट बनाकर, अपने सिंचाई मंत्री जी पानी देने के लिए तैयार हैं, आप डीपीआर बनाकर बालोतरा और सिवाना को मीठा पानी, नर्मदा का पीने के लिए दें। खेती के लिए नहीं मिले कोई चिंता नहीं, लेकिन पीने के लिए पानी की महती आवश्यकता है। इसके लिए आप पूरा प्रबंध करके इसको करने की कोशिश करें।

सिवाना को खूब दिया है। आगे भी रोड से लगाकर जहां भी आवश्यकता है, 2-3 जीएसएस कोई बाकी रहे हैं तो वह भी करने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी को और निवेदन करूंगा। विगत जो सरकार थी, उन्होंने, परसों एक माननीय सदस्य बता रहे थे कि आपके बजट में अभी तक कोई कार्य नहीं हुआ है। बजट 2023-24 कांग्रेस सरकार ने जो पेश किया था, उसमें मैं पाइंट वाइज बताऊंगा, बिन्दुवार, धरातल पर भी काम नहीं हुआ। बिन्दु संख्या 179 एक हजार सर्व मित्र लगायेंगे, डबल जीरो, बिन्दु संख्या 191, नंदी गो शाला की घोषणा की थी, डबल जीरो। राजस्थान में बिन्दु संख्या 185, पशु मित्र योजना खोलेंगे, डबल जीरो। बिन्दु संख्या 182, लंपी बीमारी में दुधारू गायों की मौत पर 40 हजार रुपया देंगे, अपने चहेते-चहेतों की अलग कार्ययोजना बनाकर, कार्यकर्ताओं का नाम लिखकर उनको थोड़ा-बहुत दिया, डबल जीरो करने का काम किया। बिन्दु संख्या 181, कामधेनु पशु बीमा योजना, एक भी पशु का बीमा नहीं किया। बिन्दु संख्या 177, नये पटवार मंडल की घोषणा, एक भी नहीं खुला। बिन्दु संख्या 189, कृषक मित्र और कृषि विज्ञान स्नातक को वरीयता की बात कही थी, एक भी नहीं हुआ।

श्री सभापति: श्री बालमुकुन्दाचार्य।

श्री हमीर सिंह भायल (सिवाना): बिन्दु संख्या 133, भाग दूसरा, महात्मा गांधी प्रेरक युवाओं को रोजगार देंगे, एक भी नहीं हुआ। बिन्दु संख्या 107, ईआरसीपी योजना को बजट प्रावधान किया जायेगा, कुछ भी नहीं कर पाये। प्रत्येक गांव में एक किलोमीटर इंटरलॉकिंग सड़क बनाने का जो वादा किया था, एक भी पंचायत में राजस्थान में नहीं बना।

श्री सभापति: विराजें। विराजें अब। विराजें, हो गया। नाम पुकार लिया।

श्री हमीर सिंह भायल (सिवाना): मैं, मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देता हुआ और सभापति जी को धन्यवाद देता हुआ, सरकार ने शानदार, जानदार बजट दिया, इसके लिए मैं धन्यवाद भारतीय जनता पाटी को और मुख्य मंत्री जी को देता हूं। धन्यवाद। जय भारत। जय हिन्द।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): सभापति महोदय, जय हिन्द, जय भारत। जय श्रीराम।

अनेक माननीय सदस्य: जय श्रीराम।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): आज डबल धन्यवाद कि एक तो शांति पूर्वक आप और हम सब सुन पा रहे हैं, कह पा रहे हैं। यहां उपद्रवी लोग नहीं हैं, जिसकी वजह से यहां शांति पूर्वक सदन चल पा रहा है।

सभापति महोदय, मुझे आज 2025-26 के बजट पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं सर्वप्रथम धन्यवाद देना चाहूंगा डबल इंजन की सरकार, आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा साहब का जिनके नेतृत्व में राजस्थान ऐतिहासिक विकास की ओर बढ़ रहा है। मैंने यह अनुभव भी किया, विषय तो बजट का है लेकिन जो परिस्थितियां हैं, देखते हुए बोलना बनता ही बनता है। हम लोग पिछले दिनों से देख रहे हैं, विपक्ष का जो रवैया है, यह समझ में आया कि पेट दर्द किस बात का है। हमारे निर्दलीय साथी भी हमारे साथ बैठे हैं, वह भी हमारा पूरा सहयोग कर रहे हैं। एक मात्र कांग्रेस के पेट में दर्द क्यों है? पेट में दर्द नाथी के बाड़े से शुरू होकर वहीं खत्म हो रहा है।

कांग्रेस काल में सिर्फ खाली घोषणाएं होती थीं, चर्चाएं होती थी लेकिन एक भी काम धरातल पर उतरा नहीं। उसका नतीजा था कि कुछ मम्मी, बेटा, बेटी, जीजाजी, चार लोगों के परिवार में सिमटकर के यह पार्टी रह गई। कहा वह किया नहीं, उसका नतीजा यह निकला कि यह लोग हमारे आने के पश्चात उप चुनाव थे, उप चुनावों में कई लोगों ने ठुमके लगाये, कइयों ने अपने गमछे घुमाये और कई-कई प्रकार के ऐसे शब्द बोले जिन पर आपत्ति होनी चाहिए थी। लेकिन देवतुल्य जनता ने उसका जवाब दिया और ऐसा जवाब दिया कि सूपड़ा साफ हो गया।

अब पेट में दर्द इस बात का है कि पहला बजट दिया तो पहली बॉल पर ही सिक्सर। आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा साहब ने पहला बजट दिया तो पहली बॉल में सिक्सर। दूसरा बजट दिया तो बॉल बाउंड्री से बाहर। अब ढूंढे तो ढूंढे क्या? क्या गतिरोध करें? क्या समस्या बताएं? कुछ बचा नहीं है। बिना भेदभाव के, कांग्रेस काल में भेदभाव होता था। यहां मेरे से अनुभवी विधायक मौजूद हैं, इनके क्षेत्रों के काम को बाधित कर दिया जाता था। इनके बजट को रोक दिया जाता था। इनके साथ भी लाठी, भाटा जंग और इन पर केस और लगा दिये जाते थे। यानी अभी माननीय सदस्यों ने कहा कि जीरो बटा जीरो, वही अंक इनको देने चाहिए थे और वह जनता ने दिये भी हैं।

आपके द्वारा 5 वर्षों में फाइव स्टार होटलों में जो समय व्यतीत किया उसका यह नतीजा निकला कि आज जनता ने आपको दिल्ली से भी डिलीट किया है, हरियाणा से भी डिलीट किया है। आने वाले समय में और जगह से भी वह संकल्प पूरा होगा कांग्रेस मुक्त भारत का। जल्दी ही सभी जगह से डिलीट होने वाले हैं। देवतुल्य जनता बाहर देख रही है, पूरे राजस्थान में चर्चा बनी है कि देवतुल्य जनता ने जो आपको चुनकर महत्वपूर्ण समय दिया था, चुनकर यहां भेजा उनकी समस्याओं के लिए भेजा था, समस्या के निदान के लिए भेजा था। उनकी

बात रखने के लिए भेजा था लेकिन यहां पर बात क्या रखी गई? स्कूलों में बालक, बालिकाएं ऐसी हरकत नहीं करते जिस प्रकार की हरकतें यहां हम लगातार देख रहे हैं।

spp/rtm/24.02.2025/16.30/3b

हम जो नये सदस्य चुनकर आये हैं, वह हम आप लोगों से क्या सीखेंगे? आप लोगों को बाहर वाले देखते हैं तो हमसे पूछते हैं कि यह लोग जो सदस्य चुनकर जाते हैं, यह जनता के द्वारा चुनकर गये हैं, यह वहां पर खेलकूद और बदमाशी के लिये जाते हैं। जो हरकतें यहां देखी जा रही हैं।

इतना महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक बजट आया, लोग इसकी जय-जयकार कर रहे हैं। जिस भजन मंडली को आप लोग लेकर हमारा हास्य करते हैं, वही भजन मंडली आज एक ऐतिहासिक काम राजस्थान में कर रही है और उन चार वर्गों में जो आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी ने काम बांट रखे हैं कि हमारे लिये गरीब गणेश है, मातृ और नारी शक्ति के लिये हमें काम करना है, किसान और युवाओं के लिये हमें काम करना है और उन्हीं चार जाति को लेकर हम सब लोग काम कर रहे हैं। बार-बार जय भीम की बुल रही थी। जय भीम की जय हम सब बोलते हैं। लेकिन देवतुल्य जनता यह भी जान गयी है कि आदरणीय भीमराव साहब अम्बेडकर को आपने किस तरह से रोकने का प्रयास किया था। जनता यह भी जानती है कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी के आने के बाद पंचतीर्थ भी बने और भीमराव अम्बेडकर साहब, जिनकी आप सिर्फ बात किया करते थे और पुस्तक लिये घूमते थे, जिसको आपने कभी पढ़ा नहीं, उनको मान-सम्मान दिलाने का काम, उनके दिये हुए निर्देशों की पालना करने का काम कौन कर रहा है?

आज एक 'दादी' शब्द से आपत्ति हुई। बड़े-बूढ़ों को 'दादी', 'दादा', 'जीजी', 'बुआ' यह कहने की परम्परा है। लेकिन मैंने यह भी अनुभव किया कि आप लोगों के बीच ऐसी कोई परम्परा रही नहीं कि इस प्रकार के भारत के, सनातन के, यहां के लोक, रीति-रिवाज की उन बातों को लेकर आप लोग आगे बढ़े हैं। आप हमेशा से सनातन विरोधी रहे हैं। आप जहां भी बैठकर सुन रहे होंगे, अच्छा होता कि आप सामने बैठकर सुनते, लेकिन शायद जनता भी बाहर यह सोच रही है कि थोड़े बहुत गलत लोगों को चुनकर भेज दिया, जो हमारी समस्याओं के निदान के लिये नहीं, यहां पर सिर्फ खाली बिना किसी बात के बतंगड़ बनाना, उस काम को यहां पर कर रहे हैं। अगर आपको लगता है कि इन्दिराजी को 'दादी' गलत कह दिया तो कल को आपको लगेगा नेहरूजी को 'चाचा' भी गलत कह दिया। फिर आपको आपत्ति होने लगेगी कि महात्मा गांधीजी को 'बापू' कहना भी गलत है, 'राष्ट्रपिता' भी कहना गलत है, फिर आपको ऐसा लगने लगेगा। बड़े-बूढ़ों लोगों को सम्मान देना हमारा स्वभाव है, हम सम्मान देना चाहते हैं, आप नहीं लेना चाहते, वह आपकी मर्जी है। चलो, कोई बात नहीं, आप लोग ऐतिहासिक जो दो बार बजट मिला है, आने के साथ आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा साहब और आदरणीय वित्त मंत्री, दिया कुमारी जी ने और हमारी पूरी

कैबिनेट ने ऐतिहासिक काम करके इस प्रदेश को समृद्ध करने के काम का श्रीगणेश किया, उस काम से आप कहीं न कहीं सहमत नहीं हुए। इसलिए आप लोग इस प्रकार का हल्ला करके माहौल बिगाड़ना चाहते हैं, लेकिन आप सदन से जा रहे हैं, देवतुल्य जनता आपको सदन में आने लायक नहीं छोड़ेगी।

माननीय सभापति महोदय, मैं हवामहल की 2 लाख 60 हजार देवतुल्य जनता की ओर से प्रदेश की भाजपा सरकार और आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा को बहुत बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत साधुवाद देता हूं कि आपने पांच साल से जो यह प्रदेश पिछड़ा था, उसमें हमारी विधान सभा भी कहीं पीछे थी, आपने ऐतिहासिक बजट देकर उसको आगे लाने का काम किया है। पहले सड़क ढूढ़ते थे तो सड़क की जगह धूल मिलती थी और नल के अन्दर हवा आती थी और जो नल लगाने की योजना थी, वह हवा-हवाई हो गयी थी, क्योंकि वह योजना सेंटर की थी। आपने उस सेंटर की योजना को गरीब, ढाणी, गांव तक नहीं पहुंच पाये, उसको बाधित करने का काम किया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी में शीर्ष नेतृत्व हों, या कार्यकर्ता हो, वह गरीब, ढाणी, गांव और किसान की समस्या जानता है। आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदीजी उस घर, उस परिवार से आते हैं, उन्होंने वो स्थितियां देखी हैं कि कहां किस चीज की आवश्यकता है, उस बात को जानते हैं। उसी क्रम में आदरणीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा साहब एक किसान के बेटे हैं, एक साधारण परिवार से आते हैं और सरपंच से उनका कार्यकाल प्रारंभ हुआ है, तो वह जानते हैं कि गांवों में क्या समस्या है, किसान की क्या पीड़ा है? उसी बात को लेकर किसान की आमदनी को भी दुगनी करने का काम किया, किसानों को समृद्ध करने का भी काम किया और आज ई.आर.सी.पी. के बाद यह देखें कि आज राजस्थान हरा-भरा होगा, समृद्ध होगा, किसान भी समृद्ध होगा। (समय समाप्ति सूचक घंटी)

हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने और वित्त मंत्रीजी दिया कुमारी जी का मैं बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं कि हवामहल विधान सभा क्षेत्र को भी ऐतिहासिक बजट दिया। आदरणीय यशस्वी प्रधान मंत्री, प्रधान सेवक नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में भाजपा की और सनातन की सरकार ने राजस्थान सरकार बनने के तत्पश्चात् जिस प्रकार से कार्य किये, उसी क्रम में 9 हजार 600 किलोमीटर से अधिक नवीन सड़कों का निर्माण, 13 हजार किलोमीटर से अधिक सड़कों का उन्नयन, पेयजल से हमारी समस्या को पूर्णतः दूर करने का काम किया। अब इसमें और गति आ रही है। 301 करोड़ रुपये की लागत से कार्यादेश तथा 41 हजार 621 करोड़ रुपये की लागत से कार्यों की निविदाएं जारी कर दी गयी हैं। इसके अलावा, आगामी वर्ष 20 लाख घरों में कनेक्शन दिये जाने की बात हो, चाहे प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुविधा हेतु 425 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विभिन्न कार्य करवाये जायेंगे। इसी क्रम में 1500 हैण्डपम्प लगाने की घोषणा और 425 करोड़ रुपये से अधिक के कार्यों का अन्य योजनाओं का जिस प्रकार से श्रीगणेश हो रहा है, यह अग्रणी राजस्थान के लिये ऐतिहासिक कदम है।

आगामी वर्ष में 50 हजार नये कृषि तथा 5 लाख घरेलू कनेक्शन दिये जाने के लिये हमारी सरकार द्वारा घोषणा की गयी, यह बहुत ही सराहनीय कदम है। साथ ही, विभिन्न श्रेणियों में 180 जी.एस.एस. का निर्माण करवाया जाएगा जिससे निर्बाध रूप से बिजली जनता को मिल सके। निर्विघ्न होकर जनता भी और आम किसान भी घरों में पूर्ण रूप से विद्युत का लाभ ले सकें, इसलिये यह एक ऐतिहासिक कदम उठाया है।

श्री सभापतिः श्री अंशुमान सिंह भाटी।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): महोदय, नगरीय विकास से भी 780 करोड़ रुपये की लागत से ऐतिहासिक काम होगा। माननीय सभापति महोदय, मैं दो मिनट में अपनी बात पूरी कर दूंगा।

श्री सभापतिः हो गयी पूरी।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): आज शांतिपूर्वक हम लोग अपनी बात कह पा रहे हैं। माननीय सभापति महोदय, मेरी कुछ परकोटे के सम्बन्ध में डिमांड है, उसे मैं आपके माध्यम से कहना चाहूंगा। हमारे विधान सभा क्षेत्र को ऐतिहासिक बजट मिला है, इसमें कोई दोराय नहीं है।

श्री सभापतिः धन्यवाद, विराजें।

श्री अंशुमान सिंह भाटी (कोलायत): विराजिये, दो मिनट हमको भी बोलने दीजिये।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): पिछले बजट से भी हमारा काम लगभग 99 प्रतिशत पूरा हुआ है। हमारे परकोटे का शहर प्राचीन शहर है।

श्री अंशुमान सिंह भाटी (कोलायत): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे आज वित्तीय वर्ष 2025-26 बजट पर अपने विचार रखने का मौका दिया।

श्री बालमुकुन्दाचार्य (हवा महल): यू.डी.एच. मंत्री विराजमान हैं। हमारा शहर प्राचीन शहर है। इस शहर को, इस पुरातत्व को बचाने के लिये और हमें कुछ आवश्यकताएं हैं, जो मैं आपको विधिवत स्वयं को निवेदन करूंगा ताकि हमारे शहर में परकोटे में पलायन की समस्या रुके और परकोटे में जो रहने वाले लोग हैं, उनका व्यापार है, उनका जो रहना है, उसमें आपका और सहयोग मिले। धन्यवाद।

श्री अंशुमान सिंह भाटी (कोलायत): माननीय सभापति महोदय, लगातार दूसरी बार इस प्रकार का ऐतिहासिक बजट देने के लिये मैं हमारे मुख्य मंत्रीजी भजन लाल जी शर्मा और उप मुख्य मंत्रीजी दिया कुमारी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद कोलायत की जनता की तरफ से, बीकानेर की तरफ से करना चाहूंगा। साथ ही राजस्थान के पहले ग्रीन बजट के लिये इन सभी को बधाई देना चाहूंगा।

माननीय सभापति महोदय, 2030 तक राजस्थान राज्य की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने हेतु हम लगातार अग्रसर हैं। विगत वर्ष के अन्दर हमें दो कामयाबी मिली। जैसे कि राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हमने 35 लाख करोड़ के निवेश के एम.ओ.यू. किये हैं जिससे राजस्थान राज्य को एक नई दिशा मिलेगी

और इससे इस राजस्थान की दशा बदलेगी।

इसके साथ ही राम जल सेतु लिंक परियोजना के तहत तीन नहरों के पानी को संचय करके लाखों हैक्टेयर भूमि को सिंचित करेंगे। इसके साथ ही, एक तिहाई राजस्थान की जनता को स्वच्छ पेयजल से हम आपूर्ति प्रदान करेंगे। मुझे अच्छी तरह से याद है आज से तकरीबन आठ महीने पूर्व इसी विधान सभा में चलते सत्र के अन्दर जब राजस्थान सरकार का पहला बजट आया तो हमको यह बात कही गयी कि आपके जो चुनावी बजट की घोषणाएं हैं, यह सारी धरातल पर नहीं उतरेंगी और यह मात्र चुनावी बजट ही रहेगा। परंतु मुझे आज इस बात का बड़ा गर्व होता है, बड़ी खुशी होती है कि उन चुनावी घोषणाओं में, जो हमारे घोषणा पत्र में 58 प्रतिशत मांगें और बजट घोषणा की 75 प्रतिशत मांगें आज धरातल पर उतरती नजर आ रही हैं।

jyg/rtm/24.02.25/16.40/3c

अगर मैं अपने कोलायत विधान सभा क्षेत्र की बात करूं तो वहां पर हमें 132 केवी जीएसएस गोकुल का काम चालू हो चुका है। भूरासर रोड है, वहां पर भी काम चालू हो चुका है, एसडीएच कोलायत का टेंडर होकर काम चालू हो चुका है। एसडीएच बज्जू का भी काम प्रगति पर चल रहा है, जमीन की टेंडर प्रक्रिया चल रही है, 320 करोड़ रुपये का नहरों का जो कार्य था, वो भी टेंडर प्रक्रिया से चालू हो चुका है। सिरेमिक पार्क का भी काम चालू हो चुका है।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार से इस बजट के अन्दर हमारी जल आपूर्ति के लिए विशेष जैसे जेजेएम की हमारी स्कीम है, जो जेजेएम की स्कीम थी, सरकार के अंदर जो भ्रष्टाचार हुआ, उसके कारण से जो धरातल पर उसका जो स्वरूप उतरना चाहिए था वो नहीं उतर पाया, इस जनहित के मुद्दे को देखते हुए हमारे प्रधान मंत्रीजी ने संवेदनशीलता दिखायी और जेजेएम स्कीम की तारीख अंतिम में वृद्धि करते हुए 2028 तक बढ़ायी जा चुकी है। इसके लिए भी मैं उनका धन्यवाद और आभार प्रकट करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, हमारी काफी लम्बे समय से मांग थी, जिस प्रकार से ट्राइबल एरिया डवलपमेंट प्रोजेक्ट और बृज क्षेत्र के लिए अलग से फण्ड आया करता था, तो हमारा जो सीमांत क्षेत्र है उसकी मुख्य मांग थी कि वहां पर विकास कार्य बाधित हो रहे हैं, जो हमारा जो अंत्योदय का सिद्धांत था, उस पर हम अमल करते हुए, हमारा जो लक्ष्य अंत्योदय, प्रण अंत्योदय, पंथ अंत्योदय की बात जो हमने की वो आज हमने धरातल पर उतारी, हमने आज मुख्यमंत्री थार सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम के तहत डेढ़ सौ करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया है। साथ ही साथ नोन-पैचेबल में जितनी भी मरुस्थलीय क्षेत्रों में रोड़ें हैं उनके लिए भी 15-15 करोड़ रुपये दिये हैं।

माननीय सभापति महोदय, राजस्थान में रोजगार नीति 2025 के तहत सवा लाख युवाओं को हम सरकारी नौकरियां प्रदान करेंगे, साथ ही निजी क्षेत्र में डेढ़ लाख युवाओं को रोजगार

देंगे। इस प्रकार से पर्यावरण, कृषि, सिंचाई, शिक्षा, चिकित्सा, इन तमाम क्षेत्रों पर सरकार ने अपना मुख्य फोकस रखा है। हमने जितनी भी अपने विधान सभा क्षेत्र की मांग रखी उससे सवाया सरकार ने हमको दिया है। हमारे क्षेत्र में मुख्य तौर पर बात थी कि हमारे क्षेत्र में आज से 30-40 वर्ष पूर्व भी जितने वाटर कोर्स जिनको हम आम भाषा में खाळे कहते हैं, बने थे, उनके समय पर रख-रखाव एवं मेंटिनेंस नहीं होने के कारण उनमें हमको काफी वाटर लोसेज का सामना करना पड़ता है। सरकार को, विभाग को, जो भी इर्रिगेशन का रेगुलेशन है, उसको धरातल पर लागू करने में बहुत समस्या आती है। इस बार सरकार ने बरसलपुर शाखा नहर प्रणाली के ऊपर उसके जितने भी 72,246 हेक्टेयर भूमि में जितने भी चक हैं, उन सभी चकों के खाळों के जीर्णोद्धार के लिए 250 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति दी है और साथ ही साथ हमारे 961 आरडी से लेकर 1050 आरडी इंदिरा गांधी नहर परियोजना के उसके अन्दर जितनी भी, चारणवाला शाखा, भीकमपुर ब्रांच, गुडियाला माइनर, इनके लिए भी 150 करोड़ रुपये की सरकार ने वित्तीय सुविधा प्रदान की है।

माननीय सभापति महोदय, अगर मैं कोलायत वितरिका की बात करूं, उसके लिए 35 करोड़, खिदत वितरिका के लिए 25 करोड़, इंदिर गांधी नहर परियोजना के जितने भी पम्पिंग स्टेशन हैं, उन पर पम्प हाउस पर जितने भी लिफ्ट प्रोजेक्ट्स हैं, उन पर 15 करोड़ रुपये से सोलर पार्क स्थापित करने की सरकार ने वित्तीय सुविधा दी है। इंदिरा गांधी नहर परियोजना के सेकंड फेज के अन्दर 620 आरडी से लेकर 1458 आरडी तक जितने भी मुख्य नहर के पास जो पटड़े हैं उनके सुदृढ़ीकरण के लिए 75 करोड़ रुपये दिये हैं। कोलायत कस्बे के लिए, आसपास के गांवों के लिए 11 करोड़ रुपये और हमारा जो मगरा क्षेत्र है, हदना तहसील, कोलायत तहसील के लिए भी 58 करोड़ रुपये की सरकार ने हमको सहायता प्रदान की है।

माननीय सभापति महोदय, देशनोक नगरपालिका के लिए 11 करोड़ पेयजल आपूर्ति के लिए हमारे लिए प्रावधान किया गया है। 220 केवी जीएसएस हमें पलाना भी दिया है, जिससे वहां पर जितने नलकूप संचालित हैं वहां पर भी हमको इससे काफी सुविधा मिलेगी। देशनोक के लिए 9 करोड़, एनएच 9 में 900 एच से 911 एच तक, हमारी एमडीआर 365 है उसके लिए 62 करोड़ का फण्ड दिया। कोलायत को पहली बार खेल स्टेडियम मिल रहा है। इस प्रकार से लिस्ट से बहुत लम्बी है। सरूदलसर में हमें पीएचसी मिली है।

माननीय सभापति महोदय, ज्यादा कुछ डिमाण्ड करना तो मेरा उचित नहीं है परंतु वहां की जनता की मुख्य मांगें मैं आपके माध्यम से सरकार तक पहुंचाना चाहूंगा। इंदिरा गांधी नहर परियोजना के 910 आरडी से लेकर 820 आरडी तक सेम का पानी होने से वहां पर काफी ट्यूबवैल संचालित हो रहे हैं, तो इन हजारों ट्यूबवैल के लिए, इसके साथ-साथ हमारे यहां बागड़सर लिफ्ट है और जितनी भी जिप्सम फैक्ट्रीज वहां पर स्थापित हैं, तो वहां पर वॉल्टेज की काफी दिक्कत है, सारा सिस्टम ओवरलोड चल रहा है, तो उस समस्या से निजात पाने के लिए हमें वहां पर आरडी 838 पर 132 केवी का जीएसएस चाहिए।

माननीय सभापति महोदय, धार्मिक पर्यटन के हिसाब से हमारे कोलायत में काफी

संभावनाएं हैं। हमारे पास देशनोक करणी माताजी का मन्दिर है, चारणवाला में हमारे नखल बन्नासा का मन्दिर है, काली नाड़ी धाम कोलासर में है, हमारे एक धार्मिक सर्किट बनाने की काफी लम्बे समय से मांग है। इसके लिए मैं सरकार से भी अनुरोध करूंगा कि हमें 1000 आरडी इंदिरा गांधी नहर परियोजना से काली नाड़ी धाम होते हुए करणी सिंह लिफ्ट है, वहां तक हमको 25 करोड रुपये रोड के लिए देना सुनिश्चित करावें। गिरासर और देशनोक में उप तहसील भी देवें।

माननीय सभापति महोदय, कोलायत विधान सभा क्षेत्र राजस्थान का तीसरा सबसे बड़ा विधान सभा क्षेत्र है, यहां पर हमें पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन ऑफिस की तत्काल आवश्यकता है। सुदूर ढाणी, गांव हमारे हैं, जैसे बोड़ू, बज्जू, वहां पर भी हमें मिल्क प्रोसेसिंग यूनिट्स की आवश्यकता है।

माननीय सभापति महोदय, अब मुख्य तौर पर मैं आपका ध्यान इस तरफ आकर्षित करना चाहूंगा कि सिंचाई सुविधा बढ़ाने में अपने जितने भी प्रयास डाल सकें, उससे ही सही मायनों में पूरे राजस्थान का विकास हो पायेगा। उदाहरण के तौर पर आईजीएनपी जब धरातल पर उतरी थी तब उसकी लागत 8 हजार करोड़ रुपये थी पर पहली बार हमको ऐसा देखने को मिल रहा है कि इस 8 हजार करोड़ रुपये के इंवेस्टमेंट पर हमको 16 हजार करोड़ रुपये की रेवेन्यू हर साल आईजीएनपी हमको प्रदान करती है। आईजीएनपी के अन्दर 37 लाख टन का खाद्यान, 3 लाख टन की कॉमर्शियल क्रोप, 60 लाख टन का चारा एवं 3100 करोड़ की मत्स्य से हमको राजस्थान की अर्थव्यवस्था में योगदान मिलता है। अगर हम सिंचाई सुविधा को विकसित करेंगे तो न सिर्फ आधारभूत सुविधा साथ ही साथ व्यापार भी बढ़ेगा, कृषि उत्पादन बढ़ेगा, पशुपालन बढ़ेगा, पेयजल आपूर्ति होगी जिससे सही मायनों में राजस्थान का विकास होगा। जिससे न सिर्फ वहां के क्षेत्रवासियों का जीवन स्तर बदलेगा बल्कि रिश्तेदारियों में, खानपान में भी सुधार आयेगा।

माननीय सभापति महोदय, जितने भी हमारी ईरिगेशन की फैसिलिटीज हैं, आज हम इन पर इतने आश्रित हो चुके हैं कि अगर आईजीएनपी मात्र चार महीने भी बंद रह जाये तो आधे से ज्यादा राजस्थान का पीने के पानी ही नहीं पहुंच पायेगा। इसको दूर करने के लिए हमारा जितना भी बरसाती पानी है, जो भी हमारा एक्सेस रेन वाटर है उसको हार्वेस्ट करें, उसको हम संरक्षित करें, उस पानी का संचय करके हम हमारी जितनी भी जन कल्याणकारी योजनाएं हैं, उन पर हमको विशेष तौर पर ध्यान देना चाहिए।

माननीय सभापति महोदय, मेरा आपसे यह भी अनुरोध है कि गांव के अन्दर जो भी हमारा दूध, अनाज, फल, सब्जी और कैश क्रोप का उत्पादन होता है, उसका सही तरीके से भण्डारण, स्टोरेज, प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, पैकेजिंग, मार्केटिंग और ऋण की सही व्यवस्था नहीं होने से जितने भी हमारे किसान हैं, उनको खुद के चौथाई रेट के अन्दर जितना भी उनका उत्पादन है, उनको बिचौलियों को और उनके जितने भी प्राइवेट प्लेयर्स हैं उनको देना पड़ता है। हमारा जो एक लक्ष्य है कि हमारे जितने भी किसान हैं, उनकी आय दोगुनी करने

का हमारा लक्ष्य है तो उसमें कहीं न कहीं हमको दिक्कत आ रही है, तो जब हम किसानों को करोड़पति बनाने की बात करते हैं तो अपन को सबसे पहले शुरुआती तौर पर कोई भी पूरे राजस्थान में जिला तय करें और उसके नजदीक 20 किलोमीटर की पैरिफेरी में एक गांव चिंह्ति कर लें और उस गांव के अन्दर यह बात रखे कि सरकार वहां पर चाहे ऋण की हो, चाहे प्रोसेसिंग यूनिट की हो चाहे पैकेजिंग हो या चाहे मार्केटिंग हो, सरकार उस ब्लॉक को एक आदर्श ब्लॉक के तौर पर विकसित करे और जो भी उत्पादन गांव वाले वहां पर कर रहे हैं, उस उत्पादन को सरकार के कोऑपरेटिव सिस्टम के तहत एक सिस्टम गांव वालों को सरकार की मुहैया करावे, तो निश्चित रूप से मैं कहना चाहता हूं कि सरकार ने यदि इस ओर ध्यान दिया तो आगे आने वाले समय में राजस्थान पहला राज्य होगा जो इन किसानों की आय को दोगुना करके दिखायेगा। जो करोड़ों का फण्ड सरकार ने हमको दिया है वो निश्चित रूप से मुख्य बात यह है कि जो फण्ड हमको अलोट होता है वो धरातल पर उतरना जरूरी है। मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि एक ऐसी इम्प्लीमेंटिंग कमेटी बने जो इन बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारे क्योंकि विगत सरकार के अन्दर हम यह देखते आये हैं कि सरकार के अन्दर किस प्रकार से भ्रष्टाचार हुआ, उन कर्मचारियों ने एक तरफ तो जहां रोड आगे चल रही थी और पीछे से रोड उखड़ रही थी, वैसी परिस्थितियां हमें भी देखने को नहीं मिले। आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, बहुत-बहुत आभार।

श्री सभापति: श्री लादु लाल पितलिया।

श्री लादु लाल पितलिया (सहाड़ा): टारगढ़ वाले काला-गोरा भैंरूनाथ भगवान की जय। खजुरिया श्याम की जय, बाड़यक माताजी की जय।

माननीय सभापति महोदय, गरीबों की मसीहा एवं हमारी लोकप्रिय उप मुख्य मंत्री महोदया, सुश्री दिया कुमारीजी द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 का जो बजट सदन में प्रस्तुत किया वो प्रदेश के समग्र विकास के लक्ष्य को हासिल करने के उद्देश्य से और समाज के सभी वर्गों, किसानों, पशुपालकों, व्यापारियों, उद्यमियों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों के सुझावों, विचारों को ध्यान में रखते हुए भरपूर लाभ और खुशियां बांटने वाला है। आपने मुझे इस बजट पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय मुख्य मंत्रीजी का आभार प्रकट करने का अवसर प्रदान किया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। माननीय सभापति महोदय, उप मुख्य मंत्रीजी ने बजट में जो भी घोषणाएं की वो जल्द ही धरातल पर उतरेगी।

MLS/RTM/24.02.2025/16:50/3d

उप मुख्य मंत्री जी ने इस बजट में प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल सुविधा हेतु 425 करोड़ रुपये तथा प्रदेश के शहरी क्षेत्रों हेतु अमृत 2.0 योजना के अन्तर्गत 183 नगर निकायों में पेयजल आपूर्ति के लिए 5 हजार 13 करोड़ रुपये के कार्य हाथ में लिये। आने वाली

गर्मियों में भी पानी के संकट का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए आगामी वर्ष में 1 हजार ट्यूबवैल्स तथा डेढ़ हजार हैंडपम्प्स की बहुत ही शानदार घोषणा है। युवाओं के लिए 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियों का जो प्रावधान किया गया, वह भी काबिल-ए-तारीफ है। पहली बार अलग से रखे 'ग्रीन बजट' में स्मार्ट सिटी की घोषणा भी की गयी तथा इसमें 'ऑक्सीजन जनरेटर' अरावली पर्वत श्रृंखला को 250 करोड़ से हरी चुनरी ओढ़ाने का काम किया गया। 'मिशन हरियालो' के तहत एक वर्ष में 10 करोड़ पौधे लगाने का काम हमारी सरकार कर रही है। आमजन को मुफ्त बिजली का दायरा 100 यूनिट से बढ़ाकर 150 यूनिट करने का प्रावधान किया गया। 5 लाख घरेलू कनेक्शंस तथा 20 हजार कृषि कनेक्शंस के साथ 20 लाख घरों को नल से जोड़ने का काम भी हमारी सरकार कर रही है।

घर की महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पति-पत्नी के नाम जॉइंट प्रॉपर्टी लेने पर 0.5 फीसदी स्टाम्प ड्यूटी में छूट का प्रावधान किया गया। महिला सुरक्षा के लिए नागरिक सुरक्षा अधिनियम लाने और स्मार्ट पुलिसिंग के लिए 3500 नये पद घोषित किये गये तथा राजीविका मिशन के तहत लखपति दीदी की संख्या बढ़ाकर 20 लाख करना भी बहुत अच्छी बात है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक उपयोग रोकने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत को एक-एक लाख रुपये से बर्तन बैंक की घोषणा से पर्यावरण को शुद्धता मिलेगी। प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में सड़कों के निर्माण के लिए 10-10 करोड़ रुपये, मरु क्षेत्र के लिए 15 करोड़ रुपये की घोषणा तथा प्रत्येक विधायक को जन सुनवाई केन्द्र स्थापित करने के लिए 10 लाख रुपये की घोषणा भी बहुत अच्छी है।

नि:शुल्क जांच व दवा के लिए 3500 करोड़ रुपये का 'मां कोष' गठित करने की घोषणा, वरिष्ठ नागरिकों के लिए अलग से केयर पैकेज, दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ट्रक व बस चालकों सहित अन्य कामगारों के लिए 'मां नेत्र वाउचर योजना' की घोषणा काबिल-ए-तारीफ है। चिकित्सा सुविधाओं के लिए 750 डॉक्टरों व 1500 पैरा मेडिकल स्टाफ की नियुक्ति की जायेगी तथा देवस्थान विभाग की ओर से 50 हजार बुजुर्गों को एसी ट्रेन से तीर्थ यात्रा पर भेजने की बात बजट में की गयी है। 10 लाख नये परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा योजना से आम गरीब को सीधा लाभ मिलेगा। 25 हजार घुमंतू परिवारों के लिए आवासीय पट्टे, सामाजिक सुरक्षा के तहत कमजोर आय वाले बुजुर्गों, विधवाओं की पेंशन बढ़ाकर 1250 रुपये करना राहत प्रदान करेगा।

बच्चों को आंगनबाड़ी में अब 3 दिन की जगह 5 दिन दूध मिलेगा और किसान सम्मान निधि को 9 हजार रुपये करने से 70.36 लाख किसानों को फायदा मिलेगा तथा 35 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ ब्याज मुक्त ऋण वितरित किये जाएंगे। काली बाई योजना के तहत 35 हजार स्कूटियों का वितरण किया जायेगा। माननीय सभापति महोदय, जन-जन के लाड़ले मुख्य मंत्री जी, वित्त मंत्री जी ने बजट 2025-26 में सभी वर्गों, किसानों, पशु पालकों, व्यापारियों, उद्यमियों, युवाओं, महिलाओं और विद्यार्थियों का विशेष ध्यान रखा है, जिसके लिए मैं राजस्थान की जनता की ओर से मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी का आभार प्रकट

करता हूं।

वित्त मंत्री जी द्वारा भीलवाड़ा जिले और मेरे विधान सभा क्षेत्र सहाड़ा के लिए भी इस बजट में घोषणाएं की गयी हैं, उसके लिए मैं विधान सभा क्षेत्रवासियों की ओर से माननीय मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करता हूं। माननीय मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी से मैं इस सदन के माध्यम से अनुरोध करता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र सहाड़ा में उप खण्ड रायपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने की आवश्यकता है। कारोई प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत किया जाये। चिरखेड़ा उप स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत किया जाये तथा हरिपुरा (उल्लई), गाडरी खेड़ा (कांगनी), सत्यावड़ी (शिवरती), मंडपिया (सुरावास) में नये उप स्वास्थ्य केन्द्र की घोषणा की जाये, ताकि चिकित्सा सुविधाओं का लाभ सहाड़ा की जनता को मिल सके। उप खण्ड रायपुर में राजकीय अध्यापक प्रशिक्षण (बीएड) महाविद्यालय तथा राजकीय कन्या महाविद्यालय खोलने की सख्त आवश्यकता है।

नाथडियास से मोटरा खेड़ा के बीच कोठारी नदी पर पुलिया निर्माण करने से जनता को आने-जाने में सुगमता हो सके। लगभग 19 किलोमीटर लम्बी एमडीआर रोड 201 सहाड़ा से कांगनी, सालेरा चौराहा नेगड़िया खेड़ा और गिरडिया होते हुए तक डामरीकरण, सड़क का चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण, नौगांवा चौराहे से गाडरमाला तक डामरीकरण, सड़क का चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण निर्माण, सेथुरिया से भैरू नाथ मन्दिर कानपुरा वाया पीलीखेड़ा तक 6 किलोमीटर सड़क निर्माण की आवश्यकता है। नाथडियास से आम्बा का खेड़ा, खूट्या से नांदशा, रामा से छातोल, जोरावरपुरा से सरेवड़ी होते हुए भीटा चौराहा तक, सगरेव से थला, मोखमपुरा से पीथलपुरा, मोखमपुरा से नया खेड़ा और सरेवड़ी से लड़की के बीच में पुलिया निर्माण कराने की आवश्यकता है। सहाड़ा, पोटला एवं गंगापुर शहरी जल योजनाओं का पुनर्गठन तथा रायथलियास बांध पर नवीन पम्प हाउस निर्माण एवं पाइप लाइन का कार्य, मोखुन्दा जिला भीलवाड़ा को उप तहसील बनाने तथा कारोई उप तहसील को तहसील में क्रमोन्नत कराने की आवश्यकता है।

ब्लॉक आयुष चिकित्सालय, रायपुर के भवन निर्माण हेतु बजट स्वीकृत करना, किसानों को निरन्तर बिजली आपूर्ति हेतु सांगवा, बरडोद, सातलियास, बाघपुरा, पालरा, रालीखेड़ा, बोरियापुरा में नये 33 केवी जीएसएस खोले जाएं। राजस्व सम्बन्धित कार्यों की सहूलियत के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर कार्यालय खोला जाये। भरक माता जी के मन्दिर पर रोप-वे स्वीकृत किया जाये। उप खण्ड गंगापुर में बहूद्देशीय पशु चिकित्सालय, सगरेव (रायपुर), चिरखेड़ा (सहाड़ा) में उप पशु चिकित्सा केन्द्र स्वीकृत किये जाएं। राजकीय प्राथमिक विद्यालय थोरिया खेड़ा, फतेहपुरा, डागड़ी, सरेवड़ी, भटेवर, टूंगच, कलाल खेड़ी (रायपुर), रायथलियास, नीम का खेड़ा (सहाड़ा), मोमी, जागदरी, कान्या खेड़ी, जवासिया, बांसड़ा, दादिया, नौगांवा (सुवाणा) आदि को राजकीय माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत किया जाये।

मेरे विधान सभा क्षेत्र के लड़की (रायपुर) फीडर एवं नहर, लाम्बा (सहाड़ा) चन्द्रभागा फीडर, काबरड़ा बांध, रायथलियास बांध, लाखोला तालाब, आदि हेतु तालाबों एवं नहरों का जीर्णोद्धार हेतु बजट की घोषणा, बनास नदी से फुकिया बांध (सहाड़ा) में आव नहर द्वारा पानी भरना। माननीय, उक्त बांध पिछले 50 वर्षों से खाली पड़े हैं और हमारे किसान भाइयों को काफी तकलीफ पड़ रही है, इस पर भी नहर निर्माण करके भरा जा सकता है। चिकित्सा विभाग में रिक्त पड़े पदों को शीघ्र भरा जाये, सहाड़ा, गंगापुर, रायपुर में डॉक्टरों की कमी है।

सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जय, जय श्री राम। गो माता की जय।

श्री सभापतिः श्री मनोज कुमार।

MKD/RTM/24.02.2025/17:00/3e

श्री मनोज कुमार (सादुलपुर): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बजट 2025-26 पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद, आभार।

मैं राजस्थान के मुख्य मंत्री महोदय, वित्त मंत्री महोदय का धन्यवाद ज्ञापित करता हूं कि उन्होंने राजस्थान का एक वर्ष का जो विजन पेश किया। मेरे विधान सभा क्षेत्र में सड़क निर्माण के लिए लगभग 70 करोड़ रुपये दिये, उसके लिए मैं दिल की गहराई से हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, हमारा बजट राजस्थान की विधान सभा में पेश होने के बाद, जब धरातल की बात सामने आई। माननीय सभापति महोदय, उस बात के लिए पूरे सदन के सामने, पूरे प्रशासन के सामने, एक बात कहना चाहता हूं कि हमारे बजट की धरातल पर जब पालना की बात आती है, उस स्थान पर हम निश्चित रूप से विफल होने की स्थिति में रहते हैं। उस स्थान पर हमारे बजट की निश्चितता से पालना हो और हर कार्य की, जिसकी सदन में घोषणा की गई हो, उसको अन्तिम छोर तक पहुंचाया जाये।

माननीय सभापति महोदय, इसमें सबसे गम्भीर बात ग्रीन बजट की सब लोग कर रहे हैं। मैं उसी बात से शुरू करना चाहता हूं, ग्रीन बजट, एक पेड़ मां के नाम, जो अभियान चलाया, माननीय मुख्य मंत्री जी धन्यवाद के पात्र हैं, लेकिन हम इस बात पर गौर नहीं कर रहे हैं कि खेजड़ी राजस्थान प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण पेड़ है, उसकी कटाई इस राजस्थान में जिस हद से हो रही है, आप कितने ही पेड़ लगा लें, राजस्थान में आप पेड़ लगाकर पूर्ति नहीं कर पायेंगे। मैं मेरे क्षेत्र की बात कर सकता हूं, रोजाना आठ से दस हजार खेजड़ी के पेड़ कटते हैं और उन खेजड़ी के पेड़ को प्रशासन, पुलिस प्रशासन और वन विभाग मिलकर, तीनों उन लोगों को चलाने का काम करते हैं। इसलिए सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि सबसे पहले पेड़ का कटना रोक लीजिये, आपके लगाने की चिन्ता खतम हो जायेगी। आप कटते हुए पेड़ों को नहीं रोक पा रहे हैं, इसलिए उनको रोकना बहुत जरूरी है।

(समयः बजे)

(श्री वासुदेव देवनानी, अध्यक्ष, पदासीन)

माननीय अध्यक्ष महोदय, अब मैं आपके सामने मेरे विधान सभा क्षेत्र में जिस तरीके से सिंचाई की बात हुई। सिंचाई के क्षेत्र में, मेरे विधान सभा क्षेत्र में सिद्धमुख नहर परियोजना लंबे अरसे से पिछले 30 वर्ष से, लगातार इन कांग्रेस के नेताओं ने, माननीय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के सामने उसका उद्घाटन हुआ, माननीय सोनिया गांधी जी के माध्यम से उद्घाटन हुआ, माननीय राहुल गांधी जी से उद्घाटन हुआ, लेकिन एक बूंद पानी किसान को आज तक नहीं मिला। इस बजट में भी हमारी सिद्धमुख नहर परियोजना का एक शब्द भी नहीं लिया गया। इसलिए मैं मांग करता हूं कि मेरी सिद्धमुख नहर परियोजना में आप मुरब्बाबंदी और चकबन्दी करके किसान को पानी उपलब्ध कराने का काम करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ यमुना जल का 17 फरवरी, 2024 को एमओयू हुआ और चार महीने में उसको धरातल पर उतारने की सरकार ने बात की थी, लेकिन इस बजट में हमारे यमुना जल समझौते की चर्चा भी नहीं हुई, एक शब्द भी नहीं लिया गया। इसलिए मैं आग्रह करता हूं, माननीय मुख्यमंत्री महोदय से कि यमुना जल से हमारे चूरू, झुंझुनूं, सीकर को जो लाभ मिलना है, उसको धरातल पर उतारने के लिए, मैं तो आपकी ट्रिपल इंजन सरकार मानता हूं, राजस्थान में आपकी सरकार है, हरियाणा में आपकी सरकार है और दिल्ली में आपकी सरकार है। इसलिए आपसे आग्रह करता हूं कि आप यमुना जल समझौते को धरातल पर उतारकर जनता को लाभान्वित करने का काम करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ-साथ मैं अमृतकाल 2.0 के लिए, मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र, नगरपालिका में मांग करता हूं कि अमृतकाल 2.0 में हमें शामिल करते हुए, हमारी जनता को लाभ दिया जाए। इसके साथ ही साथ पिछली सरकार में आरयूआईडीपी योजना में नगरपालिका राजगढ़ में पिछले बजट में घोषणा हुई थी, लेकिन आज तक वो धरातल पर नहीं उतर पाई। इसलिए मैं मांग करता हूं कि हमें आरयूडीपी में शामिल किया जाए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, एक हमारी बहुत बड़ी राजस्थान की जनता की मांग है। ईडब्ल्यूएस सरलीकरण के प्रस्ताव को लेकर लंबे समय से हमारे हर क्षेत्र से विधायक मांग करते हैं। इस ईडब्ल्यूएस के सरलीकरण का प्रस्ताव सदन में लाकर केंद्र सरकार को भेजा जाये। जिंस तरीके से राजस्थान में ईडब्ल्यूएस लागू किया गया है, उसी तर्ज पर केन्द्र सरकार की नौकरियों में भी ईडब्ल्यूएस को सरलीकरण करके लागू किया जाए।

माननीय मुख्यमंत्री महोदय ने जन सुनवाई केन्द्र की घोषणा की है। एमएलए जन सुनवाई केंद्र बनेंगे। मैं स्वागत करता हूं। धन्यवाद के पात्र हैं, माननीय मुख्य मंत्री महोदय, लेकिन दस लाख में जन सुनवाई केन्द्र नहीं बन पाएगा। इसलिए, इस राशि को बढ़ाकर कम से कम पच्चीस लाख किया जाए और उस पच्चीस लाख में विधायक कोष से 10 लाख की जो राशि की है, उसमें पन्द्रह लाख राज्य सरकार दे, जिससे जन सुनवाई केन्द्र अच्छा बन

सके।

इसके साथ-साथ माननीय सदस्यों की तरफ से मांग आती है, हमारा विधायक कोष पिछली सरकार ने बढ़ाया, पांच करोड़ रुपये किया। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि महंगाई बढ़ गयी है, दस करोड़ रुपये विधायक कोष को किया जाए जिससे राजस्थान की जनता का विकास किया जा सके।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसी के साथ मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र की कुछ मांगें आपके माध्यम से रखना चाहता हूं कि पंचायत समिति चांदगोठी, अमीरवासी पंचायत समिति बनाया जाए। इसके साथ ही साथ मेरे चांदगोठी में एईएन ऑफिस और सिद्धमुख में एईएन ऑफिस विद्युत विभाग की घोषणा की जाएं। जिससे मेरी जनता को लाभ मिल सके।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ राजस्थान में कॉलेज की बात करें तो कॉलेज तो सरकार ने खूब खोली हैं, भवन भी बन गए, लेकिन राजस्थान के कॉलेजों की जो हालत है, वह बदतर स्तर पर है। किसी भी कॉलेज में एक प्रोफेसर नहीं है। इसलिए कॉलेज खोलने के साथ ही साथ उन कॉलेजों में प्रोफेसर होने से ये लाभ मिल पाएगा, जिससे हमारे छात्र पढ़ सके और पढ़ाने वाले लोग उन कॉलेजों में हो, ऐसी स्थिति है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथ मैं यह भी मांग करना चाहता हूं, मेरे विधान सभा क्षेत्र में चांदगोठी, रामपुरा में पीएचसी खोली जाए। रामपुरा में सरकारी महाविद्यालय खोला जाए। चांदगोठी में खेल का बहुत बड़ा एक स्थान है, चांदगोठी में जिम का स्थान है, बड़ा केंद्र किया जाए। वहां खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय लेवल पर अपना नाम रोशन करने का काम किया है।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे सांखू को एक उप तहसील बनाया जाए और सांखू में महाविद्यालय खोला जाये। मेरे विधान सभा क्षेत्र में राजगढ़ में इंजीनियरिंग महाविद्यालय की कमी है। इंजीनियरिंग महाविद्यालय खोला जाए।

माननीय अध्यक्ष महोदय, रोजगार और बेरोजगारी की अगर हम बात करें तो आपके माध्यम से गंभीर विषय है, मुख्य मंत्री बजट घोषणा 2023-24 में, बिंदु संख्या 159 पर राजस्थान लॉजिस्टिक सर्विस डिलीवरी कॉर्पोरेशन आरएलएसडीसी गठन की घोषणा हुई थी, लेकिन आज दिन तक उसका नोटिफिकेशन जारी नहीं हुआ। इसमें ठेका प्रथा पर, संविदा पर लगे, हमारे प्रदेश के उन बेरोज़गारों के साथ संविदा पर लगने पर अन्याय और जुल्म ज्यादती हो रही है।

विद्यार्थी मित्र आज धरने पर बैठे हैं। इसी कारण बैठे हैं कि उनका संपूर्ण रूप से संविदा पर रेगुलाइजेशन नहीं हुआ। युवा मित्रों को जिस तरीके से बाहर भेजने का काम हुआ, 5000 लोगों का, उसका कारण है कि वो संविदा पर थे, वो ठेका प्रथा पर थे। इसलिए इस बोर्ड का गठन करके हमारे प्रदेश में हर विभाग में जो संविदा पर लगे कर्मचारी-अधिकारी, जिनको लगाया है, उनको नियमित करने के लिए इस बोर्ड का गठन का नोटिफिकेशन जारी किया जाए और उनके हो रहे शोषण को संरक्षित करने का काम करें।

माननीय अध्यक्ष महोदय, इसके साथ ही साथ 2013 में एनएनएम भर्ती है, वो भी संविदा के आधार पर। 2 मिनट में समाप्त करता हूं। 2013 की उस भर्ती में आज भी 66 हजार एएनएम संविदा भर्ती के कारण वंचित हैं। उनको भी इसमें शामिल करते हुए वापस लिया जाए, क्योंकि इस बोर्ड का गठन होगा तो उनके साथ न्याय और उनका संरक्षण होगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरी कुछ मांगें हैं। गोठयाबडी विद्यालय भवन निर्माण, वह पूर्णतः जर्जर हो चुका है। यह विद्यालय बारहवीं तक का विद्यालय है। उसका भवन निर्माण किया जाए। इसके साथ ही साथ, मेरे विधान सभा क्षेत्र में सूरतपुर में खेल के सामान की बात करुं। खेल के मामले में पिछली बार मैंने विधान सभा में भी मेरी मांग रखी थी और माननीय मंत्री महोदय ने मुझे आश्वस्त भी किया था कि ग्रामीण ओलम्पिक खेल में, जो भ्रष्टाचार हुआ, उसकी हम जांच कराएंगे, लेकिन आज दिन तक उसकी जांच नहीं हुई। 1 अरब 26 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से मांग करता हूं कि मंत्री जी ने आश्वस्त किया था सदन में, उस आश्वासन की पालना करके, उन भ्रष्ट लोगों के खिलाफ़ जांच करे। आज भी उसी क्रीड़ा परिषद में, उनके दंपति के रूप में आज भी लूटने का काम कर रहे हैं। आज भी आपकी सरकार में वो लूट रहे हैं। माननीय अध्यक्ष महोदय, इसलिए आप के माध्यम से फिर से जांच की मांग करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, मेरे रामपुरा में एक 33/11 जीएसएस की, जसवंतपुरा और अमीरवास और डिगारणा में, मैं आपके माध्यम से मांग करना चाहता हूं। पीएम सूर्य योजना की घोषणा की सरकार ने की है। मैं धन्यवाद करना चाहता हूँ, सरकार ने 150 यूनिट की बात की, लेकिन मैं इसके साथ-साथ कहना चाहता हूं, इस योजना में भी आपने उन्हीं 65 लाख लोगों का नाम लिया है, जो पहले से 200 यूनिट में रजिस्टर्ड हैं।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि इस योजना में 35 लाख लोग जो वंचित रह गए, वे शामिल नहीं हो पाए। सरकार राजस्थान के उन 35 लाख लोगों को भी शामिल करें, जिससे राजस्थान में 200 यूनिट में, जो भेदभाव हो रहा है, इस भेदभाव को आप मिटाने का काम करे। कांग्रेस ने गलती की, आप उस गलती को मत दोहराओ। आप उन 35 लाख लोगों को भी लाभ देने की घोषणा करें। पीएम सूर्य योजना में 150 यूनिट की बात कर रहे हो, ये आप कब से लागू करोगे? ये भी आपको इस बजट के प्रत्युत्तर में बताने की जरूरत है, क्योंकि जब तक आपकी सौर ऊर्जा नहीं लगेगी, तब तक आप 150 देने वाले नहीं हो और सौर ऊर्जा आपकी सालों में नहीं लगेगी, इसलिए आप निश्चितता करो कि इनको 150 यूनिट अभी से फ्री देंगे और सौर ऊर्जा लगती जाएगी और इनको देते जाएंगे।

अध्यक्ष महोदय, अपने समय दिया, आपका बहुत बहुत आभार, धन्यवाद।

अध्यक्ष द्वारा सम्बोधन

गतिरोध को समाप्त करने व सदन के समन्वयी संचालन के लिए व्यक्तिगत के स्थान पर सामूहिक भावनाओं को तरजीह दिया जाना महत्वपूर्ण

श्री अध्यक्षः मैं अगला नाम पुकारूं, उसके पहले जो कुछ भी पिछले दिनों, 4 दिन से डैडलॉक था। उसमें सदन के द्वारा किए गए या अपने आसन के द्वारा किये गए प्रयत्न, आपके सामने जानकारी के लिए देना चाह रहा हूं। यह सदन का गतिरोध, हमने बहुत प्रयत्न किया कि यह टूटे।

Bhs/Rtm/24.02.25/17.10/3f

क्योंकि यह सदन अपने यहां आठ करोड़ जनता का प्रतिनिधित्व करता है। दो सौ एम.एल.एज आते हैं यहां पर चर्चा हो, सार्थक बहस हो और मुद्दों का समाधान किया जाये और इसके लिए पहले भी मैंने शुरू से प्रयत्न किया कि सर्वदलीय बैठक जो पहले यहां कभी नहीं होती थी वह सर्वदलीय बैठक भी होनी शुरू हुई, सारे दलों से चर्चा हुई, उसमें सहमति प्रकट करते रहे और सहमति के बाद सदन जब चलने लगा, मैं पीड़ा से कह रहा हूं कि कुछ लोग ईवन प्रश्न काल की भी जो व्यवस्था है कि दो पूरक प्रश्न पूछेंगे और विपक्ष का नेता उसमें कुछ अपनी बात, प्रश्न पूछ सकता है लेकिन उनको भी न मानते हुए सदस्य जो अभी निलम्बित हैं श्रीमान डोटासरा जी वो बार-बार खड़े होकर के और उसमें डिस्टर्ब करते थे तो भी मैं बार-बार उनको समझाता रहा। पक्ष और विपक्ष से जो कोई भी लोग बीच में खड़े होते थे, उनको टोकते हुए सदन अच्छी तरह चले इसका प्रयत्न होता रहा।

बीच में जिस दिन मुख्य मंत्री का भाषण था उस दिन भी उसको किरोड़ी जी के फोन टेपिंग को लेकर के अवरोध किया, समझाया, किया लेकिन फिर भी वो उनका भाषण पूरे उस सदन के अवरोध के दौरान हुआ और अब भी जो यह अवरोध हुआ, मैं समझता हूं कि इसमें जो एक मंत्री जी का था उसके बारे में मैं टिप्पणी तो नहीं करूंगा, क्या रहा, लेकिन सब लोगों ने सुनी है। उस विषय को लेकर के इन्होंने जब सदन के डायस पर चढ़ कर के आये, मैंने सवेरे भी पढ़ करके बताया कि सदन के अध्यक्ष के नजदीक आना या डायस पर चढ़ना उसका स्वतः निलम्बन होता है। तो जब नहीं माने और डायस पर चढ़ गये तो मजबूरन होकर हमको 6 लोग जो ऊपर चढ़े थे उनका निलम्बन करना पडा और निलम्बन के बाद वो बाहर नहीं गये और यहां पर आकर के धरने पर बैठ गये। जब धरने पर बैठे, हमने काफी आग्रह किया।

मैंने उसी समय इनको अपने चैम्बर में बुलाया, बातचीत की, लेकिन उसके बाद भी वहां से उठ करके चल दिये, समाधान की ओर वो आगे नहीं बढ़े और उसके पश्चात यहां पर उनके लिए जितनी व्यवस्थाएं जो मानव होने के नाते या माननीय विधायक होने के नाते अपेक्षित थी उससे आगे होकर के इनकी हमने व्यवस्थाएं भी की और बार-बार हमारे सत्ता पक्ष के लोगों को मैंने कहा कि इनको सम्भालो। हमारे सचिव, मार्शल और सदन के कुछ अपने माननीय मंत्री गण लगातार उनके सम्पर्क में थे। मैं भी उनसे बराबर टच में था ताकि धरने पर कोई व्यक्ति बैठे, हमें भी शोभा नहीं देता।

सदन की गरिमा है और इस सदन की बहुत बड़ी गरिमा रही है और उसको ठेस न पहुंचे

इसके लिये हम प्रयत्न करते रहे और कल शाम से हमने कहा कि सोमवार को सदन होगा, प्रयत्न किया जाये और कल शाम से चर्चा करते रहे और आज सवेरे भी इन्होंने एश्योर किया था कि हम इसका समाधान करने के लिए आपका सहयोग करेंगे। इनको बुलाया और एक बार तो, क्वेश्चन ऑवर में कभी स्थगन नहीं होता, मैंने स्थगित भी उसको किया और इनको अपने यहां बुलाया और इनके लोग आये, वहां एश्योर करके गये कि हम क्या-क्या करेंगे। उसमें अपने सत्ता पक्ष के लोग थे और विपक्ष के भी प्रमुख लोग थे। वहां पर एश्योर करके गये। उसके बाद आज यहां पर आने पर मैंने उनको कहा कि अपनी सीटों पर जाइये और कुछ न कुछ हमारी चर्चा हुई है मैं आपके सामने रखता हूं और उसके बाद सीटों पर जाने के बाद आज तक के राजस्थान के इतिहास में निलम्बित विधायक कभी सदन में नहीं आ सकता लेकिन वो क्षमा मांगना चाह रहे थे, जो एश्योर किया था, खेद प्रकट करना चाह रहे थे, हमने उसके आधार पर उनको विशेष अनुमति, आज तक के राजस्थान के इतिहास की परम्पराओं से हट करके उनको यह मौका हमने दिया।

यहां आने के बाद वह पूरी तरह जो तय हुआ था उसको उन्होंने उलट दिया और प्रमुख नेताओं में ऐसे वरिष्ठ लोग हमारे माननीय व सबसे बड़े राजेन्द्र जी पारीक हैं वे थे, जूली जी थे, इनके सचेतक थे और प्रमुख लोग थे लेकिन उस बात को इग्नोर करके उन्होंने वही अपने हिसाब से घुमाने का प्रयत्न किया। हमने हमारी ओर से कोई कसर नहीं छोडी। इनके सारे वरिष्ठ नेताओं से औपचारिक-अनौपचारिक हमने चर्चा भी की लेकिन आज पीड़ा की बात है कि इतना सब कुछ होने के बावजूद बैठक में भाग लेने के स्थान पर दुबारा वापस डायस पर चढ़ने लगे तब जाकर के मुझे मार्शल को कहना पड़ा कि आप इनको रोकिये और इन्होंने मार्शल ने और सत्ता पक्ष ने भी बड़े संयम के साथ काम लेते हुए, उनको केवल रोका। उसके बाद लंच में फिर इनको बुलाया, फिर बातचीत हुई, फिर तय हुआ। लेकिन लगातार जो वायदे किये जा रहे थे उस पर वो न ध्यान देकर के केवल सदन में हठधर्मिता के कारण आज सदन इस स्थिति में नहीं आया और यह हठधर्मिता तो बर्दाश्त नहीं होगी और यह सदन कोई कहे कि मैं इसको हाईजेक कर लूंगा, यह सदन हाईजेक नहीं होगा। यह सदन यहां की परम्पराओं, यहां की मर्यादाओं और नियमों के तहत होगा।

लोक सभा में भी यह व्यवस्था है कि यदि कोई नजदीक आ जाता है तो अपने आप निलम्बित पाया जाता है। कई विधान सभाओं में है लेकिन यहां पर डायस पर चढ़ना घोर अनुशासनहीनता है जिसकी जितनी आलोचना, निन्दा की जाये वह कम है।

इसलिये मैं अपनी ओर से एक बार उनसे पुनः आग्रह करूंगा कि यह सदन की मर्यादाओं में सदन चलाने में सहयोग करें। शायद व्यवस्थाओं में वो अपने वादे को पूरा करते तो उन 6 सदस्यों को, जिनको निलम्बित किया है, उनके बारे में भी सदन विचार करता। सदन उन पर विचार करने से पहले ही उन्होंने सारी अपनी हठधर्मिता की कि हम जैसा चाहेंगे वैसा चलेगा। यह तो आज तक सदन में नहीं है।

सदन की मर्यादाएं और गरिमा यह श्रेष्ठ रही हैं और मैं तो आज आपके माध्यम से बड़ा

स्पष्ट करना चाह रहा हूं कि यह सदन में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी। हठधर्मिता छोड़ें और वो यहां पर आकर के अपनी सदन की जो बहस है वो चले और नियमों के तहत आयें, नियमों के तहत जो भी लोकतंत्र की व्यवस्था है उसमें सदन, आसन, हम सब लोग करने को तैयार हैं और बाहर जाकर के जब यह कहते हैं कि हमने मिटाने की कोशिश की, हमको सहयोग नहीं मिला, इसलिये मुझे यह आपके सामने विषय रखना पडा। इसके हमारे सचेतक, हमारे संसदीय मंत्री, सब उसके गवाह हैं, हमने कहीं कोई प्रयास नहीं छोड़ा। इसके बावजूद यदि सदन में इस तरह का वातावरण का बनता है तो यह सदन कैसे चले, यह सबको सामूहिक रूप से मिल करके चिन्तन करना होगा। आये दिन यहां आकर के उस दिन उस दिन जो दृश्य था मैं उसका वर्णन नहीं कर सकता, किसी भी तरह उसको सही नहीं माना जा सकता। बातें होती हैं विपक्ष अपनी बात कहता है, अपनी बात रखें, उसमें कई बार व्यक्ति, जगह से थोड़ी बहुत नाराजगी व्यक्त करते हुए अपना वहां पर नारे लगाता है, कभी कभार वैल में आ जाता है, वह भी अनुशासनहीनता है, फिर भी इनको सहन करते-करते और आज आप लोगों की आंखों के सामने आपने देखा कि किस तरह और जब सदन स्थगित करने के बाद इनके प्रमुख नेता जो आज निलम्बित हैं वो यहां पर विधायकों के सामने जो उन्होंने भाषण किया है वह भाषण सारे टीवी चैनल्स पर चल रहा है। उसको देखने के बाद सिर शर्म के साथ झुक जाता है कि आप आसन के बारे में और बाकी लोगों के बारे में इस प्रकार की भावनाएं रखते हो, टिप्पणियां करते हो। वह निन्दनीय है, असहनीय है।

अतः मैं सदन से अपेक्षा करूंगा कि इस प्रकार की बातों को ध्यान में रखते हुए हम सब लोग इस सदन को अच्छा चलायें उसमें सहयोग प्रदान करें। आज इतना विश्वास दिलाता हूं कि उसमें मेरे सहयोग में सत्ता पक्ष ने भी खूब सहयोग किया, विपक्ष ने भी प्रारम्भ में सबने वादा किया लेकिन उनकी टीम में से जो भी एक व्यक्ति मैं समझता हूं कि नाम लेने की तुलना में, उनकी अपनी व्यक्तिगत आकांक्षाएं कहूं, या हठधर्मिता कहूं, या आड़ूपन कहूं मैं, कुछ अच्छा शब्द नहीं है जिसके कारण से उन्होंने यह वातावरण खराब किया। मैं विपक्ष के भी कई अपने आपके माध्यम से सारे सदस्यों से अपील करूंगा कि आप सहयोग करें और ऐसे लोगों के कहने में न आयें। हम सब लोग मिल करके सदन चलायें और ईश्वर उनको भी सद्बुद्धि दे और उनको प्रेरणा दे कि वो भी आकर के सारे नियमानुसार सदन में माफी मांगते हुए सदन की कार्यवाही में भाग लें ऐसा मेरा आपसे आग्रह है। धन्यवाद।

अब श्री राधेश्याम बैरवा।

आय व्ययक

आय व्ययक अनुमान वर्ष 2025-26 पर सामान्य वाद विवाद

श्री राधेश्याम बैरवा (बारां-अटरू): माननीय अध्यक्ष महोदय, आज बजट 2025-26 आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। यह बजट गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, महिलाओं व बुजुर्गों सभी के लिए विकास के लिए नये आयाम स्थापित करता है। मैं माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी और माननीय उप मुख्य मंत्री दिया कुमारी

जी को धन्यवाद देता हूं, ...

Kas/rtm/24.02.2025/17.20/3g

जिन्होंने बजट के माध्यम से भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी के "सबका साथ सबका विकास" और हर वर्ग के उत्थान के लिए अंत्योदय की भावना को धरातल पर उतारने का काम किया है।

(समय: बजे)

(श्री संदीप शर्मा, सभापति पदासीन)

माननीय सभापति महोदय, 2014 से वर्तमान तक केंद्र सरकार ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण, कश्मीर में धारा 370 को हटाने, तीन तलाक को समाप्त करने जैसे कार्य कर राष्ट्र की एकता को मजबूत करने का लगातार कार्य किया है। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, उज्ज्वला योजना, जैसी योजनाओं के माध्यम से गरीब, किसान, महिलाओं की बेहतरी के लिए कार्य किया। सभापति महोदय, इस कार्यकाल में 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 में बालाकोट एयर स्ट्राइक, अंतरराष्ट्रीय व्यापार में लगातार प्रगति से भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैश्विक शक्ति के रूप में उभर कर आया है और सभी बड़े देश भारत की शक्ति का लोहा मान रहे हैं।

माननीय सभापति महोदय, राजस्थान में भी दिसंबर 2023 में भाजपा सरकार बनने के बाद से ही माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी के नेतृत्व में राजस्थान सरकार तथा उसके सभी मंत्री राज्य को विकास की नई गति देने और वर्ष 2030 तक 350 मिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में लगातार कार्य कर रहे हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए हाल ही में सफल राइजिंग राजस्थान समिट संपन्न हुआ। जिससे राजस्थान में औद्योगिक विकास को गति मिली और 35 लाख करोड़ से अधिक के MOUs पर विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के साथ हस्ताक्षर किए गए। वहीं दूसरी ओर पूर्वी राजस्थान में सिंचाई और पेयजल की व्यवस्था के लिए दिसंबर, 2024 में यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी, माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी और मध्य प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री मोहन यादव जी ने राम जल सेतु लिंक योजना की शुरुआत की, जो सिंचाई और ग्रामीणों के पेयजल की समस्या को भारी स्तर पर सुधार करेगी।

माननीय सभापति महोदय, इन सब कार्यों को आगे बढ़ते हुए माननीया वित्त मंत्री महोदया ने वर्ष 2025-26 के बजट में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत 183 नगरीय निकायों के पेयजल आपूर्ति के लिए 5123 करोड़ रुपए के कार्य करवाने की घोषणा की है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन (शहरी) की घोषणा की है, जिसका मैं स्वागत करता हूं तथा साथ ही आशा करता हूं कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के नगरीय क्षेत्रों बारां और अटरू में इस योजना का लाभ पहुंचेगा। जहां पर कांग्रेस सरकार के नेताओं ने 5 वर्ष की सरकार में विकास

के नाम पर सिर्फ अपने निजी स्वार्थ सिद्ध किए।

माननीय सभापति महोदय, बारां जिला कृषि क्षेत्र में राजस्थान में सबसे अग्रणी जिला है। यहां के अधिकतर लोग आय के लिए कृषि पर पूरी तरह से निर्भर हैं। जहां हमारी सरकार ने बजट के माध्यम से सिंचाई के क्षेत्र में राम जल सेतु लिंक परियोजना के अंतर्गत 9300 करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों की घोषणा की है। वहीं इसके अलावा मेरे विधान सभा क्षेत्र के मेहमा चाह तालाब की मरम्मत, परवन नदी पर सुरक्षा दीवार का निर्माण, परवन लिफ्ट योजना की दाई मुख्य नहर की लाइनिंग व जीर्णोद्धार का कार्य आदि से इस क्षेत्र को सिंचाई के क्षेत्र में लाभ मिलेगा। माननीय सभापति महोदय, इस क्षेत्र में लंबे समय से परवन बृहद सिंचाई परियोजना का कार्य चल रहा है। क्षेत्र के सभी किसान इस परियोजना के पूर्ण होने का इंतजार वर्षों से कर रहे हैं। हाड़ौती के सभी किसान इसके पूर्ण होने से बड़े स्तर पर लाभान्वित होंगे। इसके लिए सरकार इस परियोजना के लिए अलग से बजट उपलब्ध करवा कर सभी अधिकारियों को कार्य जल्दी पूर्ण करवाने के लिए निर्देशित करें, ताकि यह क्षेत्र कृषि के क्षेत्र में और अधिक प्रगति कर सके।

माननीय सभापति महोदय, संपूर्ण भारत के किसान माननीय प्रधान मंत्री जी द्वारा शुरु की गई प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि, राष्ट्रीय फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना आदि योजनाओं के माध्यम से लगातार लाभान्वित हो रहे हैं। जिसके लिए पूरे भारत के किसानों का भरोसा माननीय प्रधानमंत्री जी पर इतने वर्षों से बना हुआ है। इसी क्रम में बजट में वित्त मंत्री जी ने पीएम किसान सम्मान निधि की राशि को और बढ़ाकर 9 हजार रुपए प्रतिवर्ष करने की घोषणा, ब्याज मुक्त अल्पकालीन फसली ऋण वितरण के लक्ष्य में वृद्धि करते हुए 25 हजार करोड़ रुपए के ऋण वितरित करने की घोषणा, सभी किसानों के लिए हर्ष का विषय है। इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी को मैं धन्यवाद देता हूं।

माननीय सभापति महोदय, हाड़ौती क्षेत्र लहसुन उत्पादन में सबसे अग्रणी है। इसी को ध्यान में रखते हुए बारां जिले के लिए लहसुन उत्कृष्टता केंद्र की घोषणा करने के लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी और कृषि मंत्री जी का धन्यवाद देता हूं। साथ ही यहां यह भी बताना चाहूंगा कि बारां कृषि उपज मंडी प्रांगण इतने बड़े स्तर पर कृषि जिन्सों के लिए छोटा पड़ रहा है। इसके लिए आवश्यक है कि मंडी का विस्तार किया जाए तथा साथ ही शहर में होने वाले ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए भविष्य में नलका रोड होते हुए मंडी के लिए एक नया रास्ता बनाया जाए।

माननीय सभापति महोदय, बजट में रबी 2025 हेतु विद्युत वितरण के पीक सप्लाई में वृद्धि कर 20 हजार 700 मेगावाट बिजली सप्लाई की जानी प्रस्तावित की है तथा साथ ही आगामी वर्ष में 50 हजार नए कनेक्शन देने की घोषणा बारां जिले के किसानों के लिए स्वागत योग्य है। माननीय सभापति महोदय, बारां-अटरू विधान सभा क्षेत्र के लिए बरडिया बालाजी, छजावा में 33/11 केवी जीएसएस निर्माण की घोषणा के लिए माननीय मुख्य मंत्री जी और माननीय ऊर्जा मंत्री हीरालाल जी को मैं धन्यवाद देता हूं।

माननीय सभापति महोदय, बजट में सड़क निर्माण के क्षेत्र में 5000 करोड़ से अधिक की लागत के विभिन्न कार्यों की घोषणा की। साथ ही 5000 से अधिक आबादी वाले ग्रामीण इलाकों में अटल प्रगति पथ के निर्माण कार्यों की घोषणा हुई है। इसके साथ ही प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र को 10-10 करोड़ रुपए की राशि में नॉन पैचेबल सड़कों के कार्य करवाने की घोषणा भी की गई। इनके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी, जो PWD मंत्री भी हैं, को मैं धन्यवाद देता हूं। वित्त मंत्री महोदया ने 15 शहरों में रिंग रोड के निर्माण कार्य प्रस्तावित किए हैं। माननीय सभापति महोदय, इस सदन के माध्यम से मैं बताना चाहता हूं कि बारां शहर के अंदर के रोड काफी सकरे हैं और इन्हें चौड़ा करने की क्षमता भी सीमित है। सभापति महोदय, इन सब वजह से लगातार ट्रेफिक जाम और सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। महोदय, बारां शहर के निवासी भी आशा करते हैं कि शहर में रिंग रोड बने, जिससे शहर पर ट्रेफिक का बोझ कम हो सके और दुर्घटनाओं में कमी आए। माननीय सभापति महोदय, लंबे समय से मेरे विधान सभा क्षेत्र के अटरू शहरवासियों की बस स्टैंड की मांग थी। बजट में इसकी घोषणा होने से मैं समस्त अटरूवासियों की तरफ से मुख्य मंत्री जी और उप मुख्य मंत्री प्रेम चन्द बैरवा जी को धन्यवाद देता हूं।

माननीय सभापति महोदय, चिकित्सा क्षेत्र में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य (MAA) योजना के अन्तर्गत प्रदेश के लोगों को चिकित्सा लाभ प्राप्त हो रहा है। इसके अन्तर्गत और सुविधाओं की वृद्धि स्वागत योग्य कदम है। बजट के माध्यम से माननीय वित्त मंत्री महोदया ने प्रदेश की 70 वर्ष की आयु से अधिक के वृद्धजनों को आवश्यकता अनुसार घर पर ही नि:शुल्क दवा उपलब्ध कराये जाने की घोषणा स्वागत योग्य कदम है। प्रदेश में 750 चिकित्सकों तथा 151 पैरामेडिकल क्रमिकों के पद सृजित करने से स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर होंगी और आम आदमी को सरकारी अस्पताल में अच्छा इलाज मिल सकेगा।

माननीय सभापति महोदय, हमारी सरकार ने लगातार SC, ST, OBC और अन्य वंचित वर्ग के परिवारों के लिए कई तरह के कार्य किए हैं। वित्त मंत्री महोदया ने इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए मेरे विधान सभा क्षेत्र बारां-अटरू के बारां के लिए विद्यालय स्तरीय सावित्री बाई फुले छात्रावास तथा अटरू में सहरिया बालिका छात्रावास की घोषणा की है। इसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी और समाज कल्याण मंत्री अविनाश गहलोत जी का मैं आभारी हूं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, विराजिए।

श्री राधेश्याम बैरवा (बारां-अटरू): इसके साथ ही प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण व आजीविका संवर्धन हेतु राजीविका मिशन के अंतर्गत महिलाओं को 'लखपति दीदी' की श्रेणी में लाये जाने का लक्ष्य बढ़ाकर 20 लाख किये जाने की घोषणा, महिलाओं के सशक्तिकरण में मील का पत्थर साबित होगी।

श्री सभापति: श्री अरुण चौधरी। माननीय सदस्य, विराजिए प्लीज।

श्री राधेश्याम बैरवा (बारां-अटरू): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, मैं आपका बहुत-बहुत आभारी हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

Msk/rtm/24.02.25/1730/3h

श्री अरूण चौधरी (पचपदरा): माननीय सभापति महोदय, सर्वप्रथम मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे राजस्थान प्रदेश बजट 2025-26 के तहत बोलने का मौका दिया। माननीय सभापति महोदय, मैं राजस्थान की सब आठ करोड़ जनता को भी धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास किया और भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास करने से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी। सरकार बनने के उपरान्त राजस्थान के लोकप्रिय युवा मुख्य मंत्री श्री भजन लाल जी शर्मा और प्रदेश की उप मुख्य मंत्री श्रीमती दिया कुमारी जी ने एक शानदार और जानदार इस राजस्थान को बजट दिया, यह बजट 'सर्वजन हिताय और सर्वजन सुखाय' की भावना को रख प्रदेश के सर्वांगीण विकास हेतु यह बजट पेश किया गया है। साथ ही, मैं पचपदरा विधान सभा क्षेत्र के लिए भी जो अति महत्वपूर्ण कार्यों की घोषणा की गयी, उसके लिए भी मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय और माननीय उप मुख्य मंत्री महोदय का ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, मैं धन्यवाद देता हूं कि पिछले कई वर्षों से हमारे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर रिफाइनरी का कार्य चल रहा था, हर किसी को यह आशा थी कि राजस्थान को जो सर्वाधिक औद्योगिक क्षेत्र है, उस औद्योगिक क्षेत्र की रिफाइनरी का शुभारंभ कब होगा। जिसकी घोषणा हमारे यशस्वी माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने अगस्त, 2025 में शुरू करने की घोषणा की, उसके लिए मैं ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूं। क्योंकि हमारे मुख्य मंत्री महोदय ने अभी हाल ही में इस रिफाइनरी का स्वयं जाकर निरीक्षण किया और निरीक्षण करने के पश्चात उन्होंने खुद ने पाया कि पिछले पांच साल की जो सरकार थी, उस सरकार ने इस रिफाइनरी के तहत जो कार्य होना था, उस कार्य के अन्दर लटकाने का काम किया और उस देरी के कारण हमारे राजस्थान को राजस्व की हानि भी हुई है।

माननीय सभापति महोदय, मैं प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री भजन लाल जी शर्मा और हमारी दिया कुमारी जी को भी धन्यवाद देता हूं कि इस बजट के मार्फत आपने प्रदेश के किसान हों, युवा हों, उद्योग जगत से जुड़े लोग हों, मजदूर हों, महिला हो, पुरुष हो, अन्य पिछड़ा वर्ग से हो, अनुसूचित जाति, अनुसूचिज जनजाति के क्षेत्र से हो, चाहे मरूस्थलीय क्षेत्र से हो, चाहे टीएसपी क्षेत्र से हो, चाहे डांग या मेवात क्षेत्र से हो, आपने सभी को साधकर जो बजट दिया है, यह सभी के हितार्थ का बजट है। माननीय सभापति महोदय, जब यह बजट पेश किया जा रहा था, मैंने देखा इस बजट के अन्दर, जब समस्त विधान सभा क्षेत्रों के अन्दर कुछ न कुछ घोषणाएं हो रही थीं, लेकिन हमारे जो विपक्षी सदस्यगण हैं, जो आज इस सदन से वाक्आउट कर गये हैं। वह वाक्आउट करने का कारण एक ही है कि उनके मन के अन्दर अब बोलने की कोई बात नहीं है। हमारे भजन लाल जी ने जब 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' का जो बजट पेश किया, उस बजट का जवाब किस मुंह से देंगे, इसी के कारण से उन्होंने वाक्आउट किया है। मैं माननीय चिकित्सा मंत्री महोदय को आपके मार्फत अपनी तरफ से एक बात

कहना चाहूंगा कि हमारे चिकित्सा मंत्री महोदय अगली बार जब भी हमारे चिकित्सकों को लगायें तो हमारे विपक्ष के भाइयों के एरिये में जरूर एक-न-एक चिकित्सक लगायें, क्योंकि अगर कान के चिकित्सक लगायेंगे, क्योंकि उनको सुनायी नहीं दे रहा है, सुनायी नहीं दे रहा तो मेज थपथपानी नहीं पड़ती। मैं यह चाहूंगा कि अभी तक तो यह बजट एक ट्रेलर के रूप में है, अभी पिक्चर और बाकी है। क्योंकि भजन लाल जी की सरकार है और यह सर्वजन हिताय को लेकर आमजन, आम राजस्थान को कैसे विकसित राजस्थान बनाया जाये, उसको लेकर हमारे भजनलाल जी पूरा विश्वास लेकर चल रहे हैं।

मैं विगत सरकार में पांच वर्ष में किये कार्यों को अपनी दो पंक्तियों में बताना चाहूंगा।

योजनाओं की रेवड़ियों से बांट, मेरे प्रदेश का कबाड़ा बना दिया
कुर्सी की उस खींचतान में मेरे प्रदेश को अखाड़ा बना दिया,
बेरोजगार युवाओं और किसानों के साथ खेलने वालो,
आप सभी ने मेरे प्रदेश को मिलकर नाथी का बाड़ा बना दिया।

मैं विपक्ष की सरकार को अपने दो शब्द और भी कहना चाहूंगा कि- इस सरकार ने किसी भी काम को या तो अटका दिया या भटका दिया या लटका दिया, इस भावना को लेकर उन्होंने पांच साल काम किया और जनता ने हमारी भारतीय जनता पार्टी पर विश्वास जताया और उस विश्वास के कारण आज भजन लाल जी की सरकार जो ठोस बजट लेकर आयी है, उसके लिए भी मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं।

माननीय सभापति महोदय, हमारी सरकार राम राज्य के प्रति संकल्पित है। जो प्रभु के प्रति आस्था और विश्वास रखती है तो हम प्रभु की पूजा करने वालों को कैसे भूल सकते हैं। हमारी सरकार ने प्रतिमाह पुजारी का मानदेय बढ़ाकर साढ़े सात हजार रुपये किया और मंदिरों में भोग की राशि तीन हजार रुपये प्रतिमाह की, उसके लिए बहुत-बहुत ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद देता हूं। इसी के साथ जयपुर के आराध्य देव गोविन्द देव जी को भी हम कैसे भूल सकते हैं, क्योंकि यह गोविन्द की धरती है और गोविन्द देव जी के मन्दिर पर गोविन्द देव जी कला महोत्सव की घोषणा की तो उससे भी हमारी जयपुर नगरी का स्वरूप भी अलग से निखरेगा।

हमारी सरकार स्वामी विवेकानंद जी की पंक्तियों को ध्यान में रखते हुए - युवा वही होता है, जिसके हाथों में शक्ति, पैरों में गति, ह्रदय में ऊर्जा और आंखों में सपने होते हैं, इस भाव को लेकर आगे बढ़ रही है, उसी के अनुरूप युवाओं के लिए 500 करोड़ रुपये विवेकानंद सहायता कोष की घोषणा करने, आगामी वर्ष में सवा लाख पदों पर भर्ती करने व निजी क्षेत्र में डेढ़ लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराये जाने की घोषणा का भी मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं। हमारी उप मुख्य मंत्री जी के शब्द 'Prevention is better than cure' के मूल मंत्र को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने प्रत्येक सीएचसी पर डिजीटल एक्स-रे मशीन तथा अन्य प्रकार की जांच करने की जो घोषणा की है, उसके लिए भी मैं बहुत-बहुत हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करता हूं।

'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता' अर्थात जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। इसी भाव को ध्यान में रख हमारे देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लखपति दीदी बनाने की घोषणा की, उसी अनुसरण में हमारे प्रदेश में भी 20 लाख लखपति दीदी बनाने की जो घोषणा की है और महिला निधि क्रेडिट कॉ-ऑपरेटिव सोसाइटी लिमिटेड खोले जाने तथा हमारी महिलाओं को कम ब्याज दर पर ऋण देने की घोषणा की है, उसका भी मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं। साथ ही, 25 हजार सौलर दीदी की भी घोषणा का भी मैं स्वागत और अभिनंदन करता हूं। इसी के साथ मुख्य मंत्री महोदय ने इस बजट के अन्दर हमारी आशा सहयोगिनी और हमारे जो भी वकर्स हैं, उनकी 10 प्रतिशत आय बढ़ायी है, उसके लिए भी मैं बहुत-बहुत स्वागत और अभिनंदन करता हूं। माननीय सभापति महोदय, हमारी सरकार महात्मा गांधी जी एवं सरदार वल्लभ भाई पटेल से प्रेरणा लेकर 24 X 7 घंटों के अनुसार आमजन को राहत प्रदान करते हुए कार्य रही है, तभी तो कहते हैं, हम सपने नहीं बुनते, हकीकत को ही बुनते हैं, तभी तो ही हम मोदी जी को चुनते हैं।

माननीय सभापति महोदय, मेरे विधान सभा क्षेत्र की कुछ मांगे हैं, जो मैं आपके समक्ष रखना चाहूंगा और सरकार को भी बताना चाहूंगा कि मेरा पचपदरा विधान सभा क्षेत्र है, उसका पचपदरा शहर और जसौल, इन दोनों को, ग्राम पंचायत को नगरपालिका और नर्मदा का पानी हमारे बालोतरा एवं सिवाना के गांवों में लाने के लिए एक डीपीआर बनाने हेतु इस बजट रिप्लाई में घोषणा करायें तो अति मेहरबानी होगी। इसी के साथ पाली और जोधपुर से जो प्रवाहित गंदा पानी है, जो लूणी नदी में आता है और हमारे डोली, अरबा, कल्याणपुर क्षेत्र में आता है, उसमें चैनल के मार्फत अगर कोई बनायेंगे तो वह भी एक अति मेहरबानी होगी और इस लूणी नदी को भी अगर पुनर्जीवित करेंगे तो उससे भी अति मेहरबानी होगी।

इसके अलावा मेरे विधान सभा क्षेत्र के सीएचसी, कीटनोद, असादा और दूधवा के अन्दर बनाने की घोषणा जरूर करावें। इसके अलावा मेरे विधान सभा क्षेत्र में पीएचसी में कालूडी, मूल की ढाणी, गोदावास, ग्वालनाडा, नेवरी, कूड़ी आदि क्षेत्रों में जरूर घोषणा करायें। मैं हमारे मुख्य मंत्री और उप मुख्य मंत्री जी को धन्यवाद देना चाहूंगा कि उन्होंने हमेशा, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी का एक ही विश्वास होता है, जो कहते हैं, वह करते हैं, उसी के अनुरूप हमारी भारतीय जनता पार्टी ने लोगों का विश्वास जीतकर इस बजट में जो घोषणाएं की हैं, उसके लिए मैं पुनः मुख्य मंत्री महोदय का बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूं, जय हिन्द, जय भारत।

श्री सभापतिः धन्यवाद। श्री गोपी चन्द मीणा।

mdp/rtm/24.02.2025/17:40/3j

श्री गोपीचन्द मीणा (जहाजपुर): माननीय सभापति महोदय, मुझे बजट वर्ष 2025-26 पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए धन्यवाद। राजस्थान के लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी, उप मुख्य मंत्री महोदया वित्त मंत्री जी आदरणीया दिया कुमारी जी ने राजस्थान प्रदेश के लिए

शानदार, जानदार, विकसित भारत, विकसित राजस्थान आत्मनिर्भर करने के लिए बजट पेश किया। इस बजट में राजस्थान के हर वर्ग को किसानों के लिए, महिलाओं के लिए, युवाओं के लिए, एस.सी/एस.टी./ओ.बी.सी. के लिए, हर वर्ग के उत्थान के लिए बजट पेश किया गया है। मैं इस बजट की सराहना करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय सभापति महोदय, इस बजट में कांग्रेस के भाई, विपक्ष के भाई कह रहे थे, लेकिन विगत पांच साल में सरकार ने, कांग्रेस ने अपने प्रथम वर्ष के बजट में जो घोषणाएं कीं, वह पांच साल के कार्यकाल में कार्य पूर्ण नहीं कर पायी थी। यहां तक कि घोषणाओं के पेटे वित्तीय स्वीकृति के लिए कांग्रेस पार्टी आपस में ही लड़ने-झगड़ने में रही। विगत कांग्रेस सरकार बजट घोषणाओं को पूरी करती भी तो कहां से, इनके पास ठोस वित्तीय प्रबंधन का अभाव बना रहा। अपनी एनर्जी तो आपस के लड़ाई-झगड़ों में लगाने में रहे। इतना ही नहीं किया, हमारे देश के लोकप्रिय प्रधान मंत्री जी की जन-कल्याणकारी योजनाओं को भी इन्होंने गड्ढे में डालने का काम किया। जल जीवन मिशन, पेयजल जैसा काम था, उस कार्य को रोककर इन्होंने जमकर भ्रष्टाचार किया। आम जनता को लूटने का काम किया। प्रधान मंत्री आवास योजना, जो एक गरीब को मकान देने का काम मोदी जी का संकल्प था, ऐसे काम को इन्होंने रोका। हर क्षेत्र में भारत सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं को रोकने का काम किया।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि कांग्रेस सरकार ने लम्बे समय से भ्रष्टाचार किया, घोटाले किए, हर क्षेत्र में लूट मचाई। बिजली के क्षेत्र में किसानों के साथ धोखा किया। ट्रांसफार्मर टाइम से नहीं देते थे। तार लगाकर उनसे अवैध वसूली करके, वी.सी.आर. बनाकर किसानों से पैसा अर्जित करते थे। लेकिन हमारे लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारे ऊर्जा मंत्री जी के अथक प्रयासों से अभी समय पर किसानों को बिजली मिल रही है। उन्हें दिन में बिजली मिल रही है। कांग्रेस सरकार रात के समय बिजली देती थी। आज हर वर्ग खुश है।

माननीय सभापति महोदय, कांग्रेस सरकार ने पिछले पांच सालों में भ्रष्टाचार, पेपर लीक, हमारे युवाओं के साथ धोखा किया। बेरोजगार युवा भटकता रहा, कांग्रेस सरकार ने कोई सुध नहीं ली। पढ़े-लिखे युवा वर्ग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते रहे। सरकार की मशीनरी ऑपरेट करने वाले कर्मचारी/अधिकारी, आर.पी.एस.सी. के मेम्बर पेपर आउट करते रहे। फर्जी डिग्रियां बनाते रहे। बड़े-बड़े नेता अपने परिजनों को प्रशासनिक पदों पर भर्ती कराते रहे। वे ही आज सदन में बढ़-चढ़ कर बोल रहे हैं। प्रदेश की जनता जान चुकी है, लेकिन इनके चेहरे में शिकन तक नहीं है। फर्जी डिग्री माफिया सक्रिय रहे। सरकार सोती रही, युवा छटपटाता रहा। कांग्रेस सरकार को कोसता रहा, लेकिन हमारे लोकप्रिय यशस्वी मुख्य मंत्री भजन लाल जी शर्मा की हमारी सरकार ने आते ही पेपर लीक करने वाले भ्रष्टाचारियों को एस.आई.टी. का गठन करके जेल में डालने का काम किया। हमारे मुख्य मंत्री जी को युवाओं की तरफ से धन्यवाद व आभार प्रकट करना चाहता हूं। उनको तो ठोस सज़ा दी, लेकिन इस वित्तीय वर्ष

2025-26 में पौने तीन लाख गैर सरकारी व सरकारी नौकरियां देने का उन्होंने वादा किया व घोषणा की है। माननीय मुख्य मंत्री जी का मैं मेरी ओर से, प्रदेश की 8 करोड़ जनता की ओर से आभार प्रकट करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, कांग्रेस सरकार ने केवल कर्ज लेने पर ही ध्यान दिया। प्रदेश की स्वयं की आय जनरेट करने का प्रयास नहीं किया। लोकप्रिय यशस्वी माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल शर्मा जी के नेतृत्व में सरकार ने प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन डालर की अर्थव्यवस्था में बदलने का काम किया। हमारी सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 में स्वयं के संसाधनों व अन्य स्रोतों से 42 हजार करोड़ अतिरिक्त रुपये की वित्तीय व्यवस्था ठोस रूप से करने जा रही है। अगस्त, 2025 तक पचपदरा रिफाइनरी से वेट से आमदनी होगी। असेट्स मॉनिटाइजेशन में लैंड पूलिंग, लैंड एग्रीगेशन के माध्यम से प्रदेश में अच्छे विकास के साथ वित्तीय व्यवस्था होना निश्चित है। कंसोलिडेटेड फंड, शासकीय फंड से सरकार को आमदनी होने वाली है।

बिजली के क्षेत्र में भी हमारी सरकार ने अच्छी व्यवस्था की है। पूर्ववर्ती सरकार में पांच वर्षों तक रोना रोते रहे। हर क्षेत्र में रोना रोते रहे। आज हमारे मुख्य मंत्री जी, डबल इंजन की सरकार, हमारे देश के लोकप्रिय प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में किसानों को, हर वर्ग को सुविधा मिल रही है।

प्रदेश का वित्तीय प्रबंधन विशेषज्ञों के हाथ में है। हमारे मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी की सोच का दायरा बहुत बड़ा है। हमारी सरकार द्वारा लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में भाजपा संकल्प पत्र के 58 प्रतिशत वादे पूर्ण हो चुके हैं। शेष पर तेज गति से कार्यवाही जारी है। हमारी सरकार में 2024-25 के बजट में 90 प्रतिशत घोषणाओं में स्वीकृतियां जारी कर भूमि आवंटन कर कार्य प्रारम्भ कर दिये गये हैं।

माननीय सभापति महोदय, प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी की गारंटी साकार हो रही है। हमारे राजस्थान प्रदेश में बजट घोषणाओं में अभी दिया है कि ट्रेफिक में राहत देने हेतु प्रदेश के 15 शहरों में रिंग रोड निर्माण, हर महीने 150 यूनिट बिजली देने का वादा, 1000 नई बसें खरीदने का, भीलवाड़ा जिले में, सिर्फ एक जिले में ही कांग्रेस सरकार ने विगत 5 सालों में 50 बसें बंद कर दी। माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय उप मुख्य मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि हमारी भीलवाड़ा जिले की जो 50 बसें बंद कर दी गयी, वे वापस चालू करने की मैं मांग करता हूं। सड़क ठीक कराने के लिए 10 करोड़ रुपये देना, MAA कोष गठित कर दूसरे राज्य में इलाज देना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य केलिए 1300 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया। गरीबों की आँख की जांच के बाद फ्री में चश्मा देना, बुज़ुर्गों को ट्रेन-प्लेन से फ्री में धार्मिक तीर्थ यात्रा करवाना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में राशि बढ़ाना, जीरो एक्सीडेंट जोन बनाना, 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के बुजुर्गों को घर पर ही फ्री दवा पहुंचाना, बालिकाओं को नि:शुल्क स्कूटी बांटना, 20 लाख लखपति दीदी बनाना, पिंक टायलेट बनाना, आंगनबाड़ी केन्द्रों पर हफ्ते में 5 दिन दूध पिलाना, गर्भवती माता, बहिनों को 5 माह

तक पोषण किट देना, पंचायती राज प्रतिनिधियों का मानदेय बढ़ाना, पुजारियों का मानदेय बढ़ाना, 7500 रुपये प्रतिमाह करना, पी.एम. किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाना, गेहूं की एम.एस.पी. पर बोनस बढ़ाना, 30 लाख किसानों को 25 हजार करोड़ रुपये का लोन देना, गोबर गैस प्लांट लगाने के लिए सब्सिडी देना, 900 करोड़ रुपये से क्लीन एंड ग्रीन सिटी बनाने की घोषणा करना।

महिलाओं] युवाओं, किसानों के भले के लिए ऐतिहासिक घोषणाएं की गयीं। ये बजट विजनरी है। महिलाओं को सशक्त बनाने वाला बजट है, हेल्थ को मजबूत करने वाला बजट है, यूथ के लिए अपॉर्च्युनिटी बढ़ाने वाला बजट है, किसानों को समृद्ध करने वाला बजट है, मजदूर के हाथ मजबूत करने वाला बजट है, प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने वाला बजट है। यह चुनावी वाहवाही लूटने वाला बजट नहीं होकर आगामी विकसित भारत संकल्प 2047, आत्मनिर्भर भारत, आत्मनिर्भर राजस्थान 2047 प्रदेश को समृद्धशाली बनाने वाला बजट पेश किया गया है।

राजस्थान प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कृषि, पर्यटन का महत्वपूर्ण स्थान है। किसानों के लिए विशेष बजट दिया गया है। इसमें किसान सम्मान पर फोकस किया गया है। 1350 करोड़ रुपये कृषि विकास कार्य किये गये। योजना के तहत 50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। फसलों की सुरक्षा के लिए 75 हजार किसानों को अनुदान देने का बजट में किया गया है। 30 हजार किलोमीटर लंबाई में किसानों की तारबंदी के लिए अनुदान, 225 करोड़ रुपये मिल्चिंग प्रावधान, मिड-डे-मील में श्रीअन्न मोटे अनाज की खपत, सदुपयोग, मिलेट्स उत्पाद आउटलेट्स, भूमिहीन कृषकों को कृषि उपकरण, किसानों को विदेशों का टूर करवाना, राज्य से बाहर भ्रमण की सुविधा, जल प्रबंधन के लिए राजस्थान वाटर ग्रिड कॉरपोरेशन की घोषणा, पर्यटन के लिए 975 करोड़ का प्रावधान में बजट में बहुत ही सराहनीय होने के साथ प्रदेश की जी.डी.पी. बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका पर्यटन की होगी। पर्यटन को ग्रामीण क्षेत्र तक ले जाकर प्रदेश की आर्थिक आय में वृद्धि के साथ ग्रामीण स्तर पर रोजगार के नये अवसर सृजन करने की व्यवस्था बजट में की गयी है।

प्रदेश के देवस्थानों का सौन्दर्यीकरण, विकास, क्लीन एंड ग्रीन सिटी के रूप में विकसित करना, प्रदेश के आदिवासी क्षेत्र के धार्मिक स्थलों को टूरिस्ट सर्किट बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था। साथ ही, एस.सी./एस.टी. का बजट माननीय मुख्य मंत्री जी ने बढ़ाकर 1000 करोड़ 1750 करोड़ रुपये किया। मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का सभी वर्ग की ओर से, राजस्थान की 8 करोड़ जनता की ओर से आभार प्रकट करता हूं।

सड़क भी होगी, सड़क पर सुरक्षा भी होगी। स्टेट हाइवे, बाईपास, फ्लाईओवर, एलिवेटेड रोड, आर.ओ.बी., आर.यू.बी. आदि के लिए 5000 करोड़ से ज्यादा की घोषणाएं, मुख्य मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं। 12500 करोड़ रुपये की लागत से प्रदेश के शहरी विकास को प्राथमिकता दी है। प्रदेश विकसित राजस्थान की ओर बढ़ रहा है। 18 नये औद्योगिक क्षेत्र बनाने आधारभूत संरचना के लिए 150 करोड़ रुपये, मेरे विधान सभा क्षेत्र में माननीय मुख्य

मंत्री जी ने व वित्त मंत्री जी ने दो कॉलेज दिये हैं। कन्या महाविद्यालय दिया, कोटड़ी में महाविद्यालय दिया। उप जिला अस्पताल दिया और कोटडी में जिला अस्पताल दिया है। बिजली के क्षेत्र में दो ग्रिड दिए हैं। 33 केवी ग्रिड दिया है। पीपलूंद, पंडेर-रेडवास में रीको दिया है। ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। आजादी के 75 वर्ष के बाद पहली बार ऐसा शानदार, जानदार बजट हुआ। मुख्य मंत्री घोषणाओं का बजट तो हमने कभी देखा ही नहीं। हमारी जहाजपुर की जनता कह रही है मुख्य मंत्री बजट घोषणा में पहली बार लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारे विकास की गंगा बह रही है। कांग्रेस ने लगातार हमारे विकास को रोकने का काम किया। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार विकास की गंगा बहाने का काम कर रही है।

माननीय सभापति महोदय, मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र की कुछ डिमांड्स रखना चाहता हूं। जहाजपुर में कृषि महाविद्यालय खोलने की मांग करता हूं। जहाजपुर नगर पालिका में सौन्दर्यीकरण की मांग कर रहा हूं। सवाईपुर तहसील में तहसीलदार व अन्य पद स्वीकृत कर भवन निर्माण हेतु बजट स्वीकृति की मांग करता हूं। सवाईपुर पी.एच.सी., लुहारीकला में सी.एच.सी. क्रमोन्नत करने की मांग करता हूं। 5000 की आबादी के 12 गांव में अटल पथ स्वीकृत करने की माननीय लोकप्रिय मुख्य मंत्री जी ने बजट में घोषणा की है, उनका आभार प्रकट करता हूं। गाडोल, खजूरिया, शकररोड, सवाईपुर में खेल स्टेडियम की मांग करता हूं।

Ans/rtm 17.50 3k 24.02.2025

ऊन्चा में जनजाति आवासीय छात्रावास खोलने की मांग करता हूं। कोटडी उपखण्ड क्षेत्र में तथा ऊन्चा ग्राम पंचायत क्षेत्र को मैं नगर पालिका बनाने की मांग करता हूं। आपने बोलने का समय दिया, इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री सभापति: श्री भागचन्द टांकड़ा

श्री भागचन्द टांकड़ा (बांदीकुई): माननीय सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बजट भाषण 2025-26 पर चर्चा का अवसर दिया। मैं इस बजट की जितनी प्रशंसा करूँ उतनी ही कम है। राजस्थान की सबसे बडी पंचायत में डबल इंजन की सरकार ने जो बजट प्रस्तुत किया है, उसमें हमारे स्वर्गीय भैरोसिंह जी शेखावत, पूर्व मुख्य मंत्री वसुंधरा राजे तथा माननीय मुख्य मंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा का विजन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

माननीया वित्त मंत्री दीया कुमारी जी ने राजस्थान बजट 2025-26 पेश किया है, जो राज्य के समग्र एवं सतत विकास पर केंद्रित है। यह बजट राज्य के विकास और नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। यह बजट राजस्थान के इतिहास में पहला ग्रीन बजट है, जो पर्यावरण संरक्षण और स्थायी विकास पर जोर देता है। ग्रीन बजट के रूप में यह बजट पर्यावरण संरक्षण और स्थायी विकास पर जोर देता है। यह बजट राज्य के समग्र विकास पर केंद्रित है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों

पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह बजट सतत विकास को बढ़ावा देता है, जिससे राज्य के नागरिकों के जीवन में सुधार हो सके।

माननीय मुख्य मंत्री श्री भजनलाल जी शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार ने प्रथम वर्ष के कार्यकाल में नये कीर्तिमान स्थापित करते हुए राईजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेन्ट समिट का सफलतम आयोजन किया, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किये गये जिनमें अधिकतर एम.ओ.यू. धरातल पर उतरने प्रारम्भ हो गए।

वित्त मंत्री दीया कुमारी जी ने इस बजट में दिल्ली-मुम्बई इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर से लिंक कर दो लॉजिस्टिक पार्क स्थापित किये जाने की घोषणा कर प्रदेश में रोजगार सृजन की ओर एक विशेष कदम उठाया है।

इस बजट में युवाओं के लिए सरकारी विभागों और राजकीय उपक्रमों में आगामी वर्ष में 01 लाख 25 हजार पदों पर भर्तियों की घोषणा की है। सरकार ने राजस्थान रोजगार गारंटी 2025 लाने की घोषणा की है, जिससे युवाओं को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी ।

सरकार ने बजट में ऊर्जा और पेयजल की व्यवस्था के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की हैं। इनमें से एक महत्वपूर्ण घोषणा है जल जीवन मिशन के तहत 15 हजार करोड़ रुपये व्यय कर 25 लाख ग्रामीण घरों में नल से जल पहुँचाने का लक्ष्य, जो राज्य के नागरिकों के जीवन में सुधार लाने में मदद करेगा। इसके अलावा, सरकार ने 6 वृहद पेयजल परियोजनाओं का कार्य हाथ में लेने की घोषणा की है, जिनकी लागत लगभग 20 हजार 370 करोड़ रुपये होगी। राजस्थान का बजट विकास की नई कहानी है, इसमें राज्य का भविष्य उज्ज्वल होगा। यह बजट राजस्थान के नागरिकों के लिए एक नई उम्मीद है, एक बेहतर भविष्य की ओर बढ़ने का एक नया मौका है।

माननीय सभापति महोदय, अब मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल जी एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी जी से, मेरे ज़िले में मेंहदीपुर बालाजी का बहुत बड़ा मन्दिर है जिससे पूरे देश के लोगों की आस्था जुड़ी हुई है व पपलाज माता मन्दिर के विकास की मांग करता हूं। मेरे विधान सभा क्षेत्र में पर्यटन को बढावा देने की दृष्टि से झाझीरामपुरा का कुण्ड, करनावर का सांवलिया धाम और बांदीकुई में अँग्रेज़ों के समय के प्राचीन प्रोटेस्टेंट और कैथोलिक चर्च के जीर्णोद्धार की मांग करता हूं।

बांदीकुई विधान सभा क्षेत्र के जनसंख्या घनत्व एवं विशाल क्षेत्रफल को दृष्टिगत रखते हुए आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की दृष्टि से बांदीकुई उप खण्ड मुख्यालय पर स्थित उप जिला चिकित्सालय को जिला चिकित्सालय तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बसवा को उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नत करने की घोषणा इस बजट सत्र में किये जाने की मांग करता हूं।

बांदीकुई विधान सभा क्षेत्र में सड़कों तथा राजकीय भवनों के निर्माण कार्यों पर प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु बांदीकुई में अधिशासी अभियंता, सार्वजनिक निर्माण विभाग कार्यालय की

स्वीकृति प्रदान की जाये एवं एसएच-25 से बसवा, सबडावली होते हुए कठूमर रोड पर जोडा जाये जिससे गोवर्धन जी जाने की सीधी सड़क की सुविधा मिल सके।

इसके साथ ही बांदीकुई में अतिरिक्त जिला कलक्टर कार्यालय, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय, उप तहसील बडियाल कलां को तहसील में क्रमोन्नत करने तथा बैजूपाडा पंचायत समिति में विधान सभा क्षेत्र बांदीकुई की आने वाली ग्राम पंचायतें तथा बसवा-बांदीकुई पंचायत समिति से ग्राम पंचायतों को शामिल करते हुए बडियाल कलां में नवीन पंचायत समिति की स्वीकृति बजट सत्र में किये जाने की वित्त मंत्री जी से मांग करता हूं।

बांदीकुई विधान सभा क्षेत्र के रेहडिया बांध, गुढाकटला बांध, धपावन बांध, बडियाल खुर्द बांध, पूछडी बांध, घाटीदीपपुरा बांध, अमन सागर बाधों को पीकेसी- ईआरसीपी रामजल सेतु लिंक परियोजना में जोड़ने की मांग करता हूं।

मैं सरकार से मांग करता हूं कि कृषकों की आय वृद्धि हेतु प्रत्येक खेत में उद्योग स्थापित किये जाने का प्रयास किया जाये, जिससे किसान की आमदनी दुगुनी करने में मदद मिले। मेरे विधान सभा क्षेत्र बांदीकुई में बील व बेर बहुतायत रूप से पैदा किया जाता है। बील से संबंधित उत्पादों यथा आचार, मुरब्बा, रस के लिए लघु उद्योगों की स्थापना बांदीकुई में की जा सकती है जिससे किसानों की आमदनी दुगुनी हो जाये।

सदन की कार्यवाही

विधान सभा की बैठक के निर्धारित समय में वृद्धि

श्री जोगेश्वर गर्ग (सरकारी मुख्य सचेतक): सभापति महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं कि सदन का समय आधा घंटा बढ़ाया जाए।

श्री सभापति: सदन का समय आधा घंटा बढाया जाये?

(स्वीकृत)

सदन का समय आधा घंटा बढ़ाया गया।

आय व्ययक

आय व्ययक अनुमान वर्ष 2025-26 पर सामान्य वाद विवाद

श्री भागचन्द टांकड़ा (बांदीकुई): माननीय सभापति महोदय मैं आपके माध्यम से बांदीकुई उपखण्ड मुख्यालय पर स्थाई हवाई पट्टी निर्माण, ब्लॉक मुख्यालय बांदीकुई एवं बसवा में ब्लॉक आयुर्वेद चिकित्सालय, पीचूपाडा खुर्द, नन्देरा, केशरीसिंहपुरा, गुल्लाना, गोलाडा, ऐचेडी, झाझीरामपुरा में नवीन आयुर्वेद औषधालय खोलने की मांग करता हूं।

उप स्वास्थ्य केन्द्र कोलवा, केसरीसिंहपुरा, पीचूपाडा खुर्द, भांवता, गुल्लाना, कोलाना, पण्डितपुरा, अगावली, झाझीरामपुरा को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र अरनिया एवं बडियाल कलां को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत करने की मांग करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से राजकीय प्राथमिक विद्यालय, दुडकी, रावली की कोठी, ढाणी बगथल, नानगवाडा रामपुरा, बाडा वालों का बास को उच्च प्राथमिक

विद्यालय में तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बाग की ढाणी नारायणपुरा, रानापाडा, बडवाली, गोलाडा मोड, भांवती, भोजवाडा, कांच की ढाणी, सीमला, हरसोरा को उच्च माध्यमिक विद्यालय में एवं राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय बास गुढलिया को राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय बास गुढलिया मे क्रमोन्नत करने की मांग करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बसवा एवं आभानेरी में कृषि संकाय, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नन्देरा में विज्ञान संकाय एवं कृषि संकाय, धांधोलाई, केसरीसिंहपुरा, अक्षयपुरी, बास बिवाई, अनन्तवाडा में विज्ञान संकाय, गुढलिया में गणित विषय, स्व. बी.एन. जोशी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बांदीकुई में संस्कृत विषय, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बांदीकुई में संस्कृत विषय खोलने की मांग करता हूं।

वित्त मंत्री जी द्वारा बजट में दौसा ज़िले और मेरे बांदीकुई विधानसभा क्षेत्र के लिए जो घोषणा की है उसके लिए मैं ह्रदय की गहराई से पुनः उनका आभार व्यक्त करता हूं। धन्यवाद। जय हिन्द। जय भारत।

श्री सभापति: श्री रविन्द्र सिंह भाटी। पांच मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर बोलने का मौका दिया, धन्यवाद। सबसे पहले तो मैं पक्ष और विपक्ष, दोनों से निवेदन करना चाहूंगा कि आप गतिरोध को खतम करे। जनता के आशीर्वाद के साथ हमें भी यहां आने का मौका मिला है। पक्ष और विपक्ष की इस लड़ाई में जितने भी निर्दलीय उम्मीदवार हैं वह अपनी बात नहीं रख पा रहे हैं।

श्री सभापति: माननीय सदस्य, आप अपनी बात रखिये।

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): मुझे इस चीज का भी दुख है कि आज पर्ची थी, आज पर्ची निकली भी थी, जोजरी नदी जैसा एक प्रकरण था वह चला गया। कई सारी पर्चियां हैं। मैं निवेदन करना चाहूंगा कि ऐसे गतिरोध तोड़े।

साथ ही साथ मैं प्रदेश की सरकार को बहुत-बहुत धन्यवाद दूंगा कि उन्होंने अगासड़ी गंगापुरा में दो नये जीएसएस हमें दिये। राजडाल की एक रोड दी। 15 करोड़ रुपये मरूस्थलीय इलाक़ों के लिए दिये हैं, उसके लिए भी मैं धन्यवाद देता हूं। मुख्य मंत्री जी ने एक नया थार सीमा विकास कार्यक्रम, साथ ही साथ डेजर्ट एडवेंचर टूरिज्म को इंट्रोडयूज़ करवाया है, मैं इसके लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। रामदेव जन्मस्थली काश्मीर के लिए, जीर्णोद्धार के लिए विशेष पैकेज दिया है, उसके धन्यवाद। कई सारी और भी चीज़ें हैं, उन तमाम चीजों के लिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं।

परन्तु कई सारी चीज़ें आज भी छूट रही है, जिसमें एक बहुत बड़ी मांग पश्चिमी राजस्थान की रही है, बाकासर के अन्दर एक ड्राई पोर्ट बनना था। चौहटन से आने वाले हमारे सदस्य भी यहीं है, यह भी काफी लंबे से मांग कर रहे हैं। अगर वह ड्राई पोर्ट बनता है तो उस क्षेत्र की जनता को, वहां के युवाओं को कई सारे नये रोजगार के अवसर मिल सकते

हैं, मेरा निवेदन है कि इस बारे में सोचा जाए। साथ ही, ईआरसीपी की तर्ज पर डब्ल्यूआरसीपी की मांग काफी लंबे समय से चली आ रही है। वेस्टर्न राजस्थान के तमाम जो भी माननीय सदस्य यहां आ रहे हैं उन सभी ने, चाहे पक्ष के हो या विपक्ष के हो, सभी ने यह मांग रखी, ताकि वेस्टर्न राजस्थान हरा-भरा हो सके। पानी, बिजली, शिक्षा, चिकित्सा, सड़क और तमाम चीज़ें जिनके बारे में कई-कई चीज़ें आई भी है।

VPS-RTM-24.02.2025-18.00-3I

पर, माननीय सभापति महोदय, वेस्टर्न राजस्थान बहुत बड़ा क्षेत्र है। मुझे यह लगता है कि जो चीजें, जो घोषणाएं होनी चाहिए थीं, पूरी तरीके से अभी तक नहीं हो पायी। पानी हमारी एक बहुत बड़ी समस्या है। आने वाले गर्मियों के दिनों में पानी की स्थिति और खराब होती जाएगी तो मेरा यह निवेदन है क्योंकि यहां पर माननीय मंत्रीजी भी विराज रहे हैं तो यह निवेदन है कि 10 हैंडपम्प और 5 ट्यूबवैल से लगभग 610 गांवों में पहुंचाना तकरीबन असंभव है तो मेरा यह निवेदन है कि वेस्टर्न राजस्थान के लिए, उस थार के लिए एक विशेष योजना आप बनायें।

साथ ही साथ, अगर बिजली की मैं बात करूं तो वर्तमान स्थिति भी बिजली के क्षेत्र में काफी उतार-चढ़ाव वाली ही चल रही है। आज भी उन किसानों को बिजली पूरे तरीके से नहीं मिल पा रही है। छह घंटों की बात हम कर रहे हैं, पर बड़े दु:ख के साथ यह कहना पड़ रहा है कि पश्चिमी राजस्थान जो पूरे राजस्थान को कहीं न कहीं जो बिजली देने में समर्थ है, पर आज दीया तले अँधेरा की स्थिति हो चुकी है, हमारे उन किसान भाइयों को पूरे तरीके से यह बिजली नहीं मिल रही है। कृषि कनेक्शन की हम बात कर रहे हैं। हम यह कह रहे हैं कि हम अभी खूब सारे कृषि कनेक्शन देंगे पर, माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से प्रदेश की सरकार से यह निवेदन करना चाहूंगा कि 2016 से लेकर आज तक के कई सारे हमारे जो किसान हैं, उनकी फाइलें पेंडिंग पड़ी हुई हैं, उन्हें नये कनेक्शन नहीं मिले हैं, यह एक बहुत बड़ी चिंता की बात है। मेरा प्रदेश की सरकार से यह निवेदन है कि उन किसानों के हित में सोचते हुए उन्हें आप कनेक्शन दें।

साथ ही साथ, मैं बात करूं चिकित्सा की तो चिकित्सा के मामले में उस क्षेत्र में एक जिला अस्पताल गडरा रोड और शिव में होना चाहिए, मैं उसके लिए आपसे यह निवेदन करना चाहूंगा कि आप यह एक बहुत बड़ी सौगात दें, क्योंकि पश्चिमी राजस्थान में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र या एक गांव से दूसरा गांव तकरीबन बीस से तीस किलोमीटर दूर है और ऐसी स्थिति में चिकित्सा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए इस चीज की बहुत ज्यादा जरूरत है। मेरा यह निवेदन है कि आप वहां पर चिकित्सा के मामले में व्यवस्थाओं को और सुदृढ़ करें।

साथ ही साथ, डी.एन.पी. क्षेत्र की मैं बात करूं, होम गार्ड के उन लोगों की बात करूं, साथ ही साथ ई.डब्ल्यू.एस. की बात करूं तो तमाम मुद्दे मेरे पास थे, पर, माननीय सभापति

महोदय, मेरा यह निवेदन है कि इन सब चीजों के लिए हमारे जो सदस्य हैं, जो इन्डिपेंडेंट हैं, उनका भी समय आप थोड़ा हमें दें, क्योंकि डी.एन.पी. हमारी अपने आप में एक बहुत बड़ी समस्या है। डी.एन.पी. के अन्दर लगभग 118 गांव आते हैं। इस डिजिटल युग में भी वहां पर अभी तक नेटवर्क, वहां पर अभी तक पानी, बिजली और तमाम जो मूलभूत सुविधाएं हैं, वे नहीं मिल पायी हैं। साहब, मेरा यह निवेदन है कि डी.एन.पी. की एक बार यात्रा हमारे माननीय मंत्रीगण करें और वहां की स्थितियां देखें तो वाकई में आपको यह लगेगा कि यह बहुत पीछे है।

श्री सभापतिः विराजिये। प्लीज, विराजिये। श्री हंसराज मीना।

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): माननीय सभापति महोदय, मेरा यह निवेदन है कि हमारे बोर्डर होम गार्ड में और विशेषकर पश्चिमी राजस्थान के कई सारे लोग जो लगे हुए हैं, उनको लम्बे समय से भत्ता भी नहीं मिल पा रहा है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, विराजिये।

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): मेरा यह निवेदन है कि ई.डब्ल्यू.एस. के अन्दर सरलीकरण करें।

श्री हंसराज मीना (सपोटरा): माननीय सभापति महोदय, धन्यवाद। ...(व्यवधान)...

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): माननीय सदस्य, एक मिनट।

श्री सभापतिः आप विराजिये।

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): मेरा यह निवेदन है कि विश्वविद्यालय के अन्दर पेंशनर्स का एक मुद्दा था। पिछली सरकार ने उस मुद्दे को लेकर हमें कई महीनों के लिए जेल भेजा था। ...(व्यवधान)...

श्री सभापतिः माननीय सदस्य, आपका हो गया। माननीय सदस्य, आप बोलिये, आपका समय प्रारंभ हो गया। ...(व्यवधान)...

श्री रविन्द्र सिंह भाटी (शिव): मेरा यह निवेदन है कि अब बहुत बड़ी और सुविचार रखने वाली, जनता का हित रखने वाली सरकार आयी है तो उन पेंशनर्स को भी समय पर आप पेंशन दें। बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद।

श्री हंसराज मीना (सपोटरा): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बजट पर अपने विचार रखने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, माननीय मुख्य मंत्री श्री भजन लालजी शर्मा के कुशल एवं सशक्त नेतृत्व में हमारी वित्त एवं उप मुख्य मंत्री श्रीमती दिया कुमारीजी ने राजस्थान के लिए एक ऐतिहासिक और सबके लिए सब कुछ देने वाला जो बजट प्रस्तुत किया है, उसके लिए मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र सहित मेरे सम्पूर्ण करौली जिले की ओर से बहुत-बहुत हार्दिक अभिनंदन करना चाहता हूं।

माननीय सभापति महोदय, इस बजट के अंतर्गत जो हमारे राजस्थान के युवा साथी हैं, जो विगत सरकार में जिस तरह से युवाओं के साथ में धोखा हुआ और सरकार के समय में

जिस तरह से पेपरों का लीक होना, उन तमाम युवा साथियों के साथ में एक छलावा था और उस नकारात्मकता के भँवर से निकाल कर माननीय मुख्य मंत्रीजी ने जिस तरह से एस.आई.टी. का गठन किया और गठन के उपरांत लगभग 200 से ज्यादा गिरफ्तारी होना और हमारी सरकार के एक साथ के कार्य काल में लगभग 60 हजार नियुक्तियां प्रदान करना, उन सभी युवाओं के अन्दर एक जोश और सरकार के प्रति एक विश्वास पैदा किया है। मैं धन्यवाद देना चाहूंगा माननीय मुख्य मंत्रीजी को जिन्होंने 60 हजार नियुक्तियां देने के उपरांत में आगामी वर्ष 2025-26 के अंतर्गत सवा लाख पदों पर भर्ती करने की जो घोषणा की है, निश्चित रूप से राजस्थान के युवाओं के लिए एक सुनहरा मौका है और निजी क्षेत्र के अन्दर जो 1 लाख 50 हजार जॉब उपलब्ध करवाने की जो घोषणा है, वह सराहनीय है।

माननीय सभापति महोदय, मैं धन्यवाद देना चाहूंगा कि जो प्रदेश का अन्नदाता है, हमारी सरकार ने जो देश के यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के द्वारा हमारे किसानों को जो सम्मान निधि के माध्यम से 6000 रुपये प्रति वर्ष दिये जा रहे हैं, उसके साथ में हमारी सरकार ने प्रथम वर्ष में ही 2000 रुपये की वृद्धि की है और एक बार फिर से 1000 रुपये की वृद्धि करते हुए 9000 रुपये जो किसान हमारा भाई है, उस किसान को आर्थिक सम्बल प्रदान करने का जो काम किया है, वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। साथ में ही, माननीय सभापति महोदय, जिस तरह से गेहूं की एम.एस.पी. पर बोनस राशि के रूप में 150 रुपये बढ़ाया है, वह किसानों को आर्थिक सम्बल प्रदान करेगा ही और साथ में किसानों को फसलों को जानवरों से बचाने के लिए 75 हजार किसानों को 30 हजार किलोमीटर तारबंदी के लिए जो अनुदान की घोषणा की है वह स्वागत के योग्य है।

माननीय सभापति महोदय, ई.आर.सी.पी. जो हमारे पूर्व की सरकार ने, माननीय वसुन्धराजी राजे के समय में एक राजस्थान के सामने जो विजन प्रस्तुत किया गया था और उस विजन को पूर्ववर्ती सरकार ने, कांग्रेस ने जिस तरह से उस विजन को लटकाया और ई.आर.सी.पी. को एक पॉलिटिकल टूल बनाने का उन्होंने काम किया। हमारी सरकार ने माननीय प्रधान मंत्रीजी के कुशल नेतृत्व में राम जल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से जो काम किया है और इस बजट के अंतर्गत 9300 करोड़ रुपये की लागत से जो काम हाथ में लिये हैं, मैं यह मानता हूं कि पूर्वी राजस्थान के उन 17 जिलों के लिए यह एक बहुत बड़ी खुशी की बात है और इस संशोधित पी.के.सी., ई.आर.सी.पी. योजना को जब वहां के लोगों को, उस बंजर भूमि को, उस प्यासे कंठ को जब ई.आर.सी.पी. के इस राम जल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से उनको पीने का पानी जब मिलेगा तो निश्चित रूप से उनके अन्दर से एक दुआ निकलकर आएगी और माननीय मुख्य मंत्री श्री भजन लालजी शर्मा के लिए और भारतीय जनता पार्टी की सरकार के लिए कि हे राम तुम्हारा भला करे और राम जल सेतु लिंक परियोजना उस दिन सार्थक होगी।

माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं यह बताना चाहूंगा कि आपने जिस तरह से पिछले बजट के अंतर्गत और इस बजट में न केवल मेरे सपोटरा विधान सभा क्षेत्र

बल्कि सम्पूर्ण करौली जिले को जो सौगातें दी हैं, उसके लिए मैं हमारे सदन के नेता का और माननीय उप मुख्य मंत्रीजी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करना चाहता हूं। इस बार भी मेरे सपोटरा के अंतर्गत हमारा कैला देवी जो न केवल राजस्थान का बल्कि देशभर का आस्था का केन्द्र है, उसके लिए रोडवेज बस स्टैंड की घोषणा होना, निश्चित रूप से लाखों श्रद्धालुओं के लिए जो माताजी के दर्शन करने वहां पर आते हैं, उनके लिए एक सुविधा उनको मिलेगी। साथ में ही, हमारे सपोटरा के अंतर्गत जो खेल स्टेडियम की घोषणा की गयी है, वह सभी युवाओं के लिए आने वाले समय में खेल के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने का अवसर निश्चित रूप से प्रदान करेगी।

माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से मेरी कुछ मांगें हैं जो मैं सदन के सामने रखना चाहूंगा। करणपुर की घाटी जो राजस्थान की सपोटरा विधान सभा जो मध्यप्रदेश से समवर्ती विधान सभा क्षेत्र है और वहां से बीच में केवल यह चम्बल नदी निकलती है और मध्यप्रदेश के विजयपुर नंदी ग्राम काफी लोग कैला देवी के दर्शन करने के लिए आते हैं। विगत दिनों में मध्यप्रदेश के मुख्य मंत्री श्री मोहन यादवजी के द्वारा जिस तरह करणपुर की घाटी के नीचे चम्बल नदी में प्लाटून पुल बनाने की घोषणा की है क्योंकि वहां से जब कैला देवी के दर्शन करने वे लोग आते हैं तो उनको लगभग 148 किलोमीटर की दूरी उनको तय करनी पड़ती है तो मैं आपसे यह निवेदन करना चाहूंगा कि 1992 में जब हमारे पूर्व उप राष्ट्रपति श्रद्धेय स्वर्गीय श्री भैरोंसिंहजी शेखावत मेरे विधान सभा क्षेत्र करणपुर में मां गुमानो देवी, मां कैला माता के दर्शन करने गये थे।

SSY/RTM/24.02.2025/18.10/3m

उस समय में 1992 में उन्होंने 56 लाख रुपये की घोषणा की थी। तब उस करणपुर की घाटी का निर्माण हुआ था। आज लगभग 33 साल से ज्यादा होने के बाद में वह घाटी आज बिलकुल क्षतिग्रस्त हो चुकी है। लगभग हमारे ही विधान सभा क्षेत्र की 40 हजार आबादी वहां निवास करती है। उनको सपोटरा और करौली से कनेक्टिविटी के लिए एक मात्र रास्ता है। आज वह घाटी बिलकुल क्षतिग्रस्त है। उसके लिए मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से मांग करता हूं कि करणपुर की घाटी को बनाने की स्वीकृति बजट के माध्यम से दी जाये।

साथ में कैला देवी, जहां पर देश के श्रद्धालु पहुंचते हैं, वहां पर बेहतर सुविधा उपलब्ध हो, देश के लाखों श्रद्धालु दर्शन करने के लिए आते हैं। उनको बेहतर सुविधा मिले इसके लिए कैला देवी को नगरपालिका का दर्जा दिये जाने की मैं मांग करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से मैं गंगापुर सिटी से कैला देवी मार्ग जहां की रेलवे स्टेशन मेरे विधान सभा क्षेत्र से सबसे नजदीक गंगापुर सिटी है, गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन से कनेक्टिविटी बनाने के लिए कैला देवी का जो सीधा रास्ता है, वह 22 किलोमीटर का है। लेकिन अभी फिलहाल में हम वाया करौली होकर के पहुंचते हैं तो लगभग उसकी दूरी

60 किलोमीटर हो जाती है। तो मेरी मांग मैं आपके माध्यम से करना चाहूंगा कि गंगापुर सिटी रेलवे स्टेशन से ताजपुर तक मात्र 11 किलोमीटर की यदि स्वीकृति मिल जाये तो कैला देवी की दूरी रेलवे स्टेशन गंगापुर सिटी से मात्र 22 किलोमीटर रह जायेगी।

माननीय सभापति महोदय, आपके माध्यम से ताजपुर से खेरला, बिच्छू दोना, सवाई माधोपुर तक रोड की मांग करने के साथ ही बथुआ खो, भांकरी, सांकला मोड़, मंडरायल रोड की मांग करता हूं। साथ ही मेडिकल में नारौली डांग पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत कराने के लिए, भालौती, चौड़ा गांव में पीएचसी में खोलने की मांग करता हूं।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा कि पूर्व के बजट में कृषि उपज मंडी सपोटरा, खिरखड़ी, और खिरकन मंडरायल जो घोषित की गई थी कृषि गौण मंडी, उसके बजट की स्वीकृति की हम मांग करते हैं। सपोटरा और मंडरायल श्यामपुर के अंतर्गत जो रीको औद्योगिक क्षेत्र घोषित किया गया था, उसके भी बजट की हम मांग करते हैं।

माननीय सभापति महोदय, सपोटरा विधान सभा के अंतर्गत जो पिछले बजट में घोषणा हुई, वह निश्चित रूप से ऐतिहासिक घोषणा थी। आज लगभग उन सभी घोषणाओं में से सभी के लिए भूमि चिन्हिकरण किया गया है। आज सभी घोषणाएं जमीनी स्तर पर उतर चुकी हैं। साथ में ही हमारे करौली के आराध्य देव श्री मदन मोहन जी महाराज के मन्दिर के दर्शनार्थ जाने हेतु एक अलग से पुराने पावर हाउस से दाईं ओर कैला मैदान होकर नदी गेट से डोली खार होकर दरवाजा अथवा मन्दिर मुख्य प्रवेश द्वार पर सिंह पोल तक पहुंचने के लिए एक चौड़े मार्ग की बहुत अधिक आवश्यकता है। आपने इस बजट सत्र में बोलने का अवसर दिया, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिन्द। जय भारत। जय कैला मैया।

श्री सभापति: श्री रेवन्तराम डांगा।

श्री रेवन्तराम डांगा (खींवसर): राम राम सा। माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे बजट 2025-26 पर बोलने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत आभार।

हमारे यशस्वी, कर्मयोगी मुख्य मंत्री आदरणीय श्री भजनलाल जी शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की वित्त मंत्री आदरणीया दिया कुमारी जी ने प्रदेश की 8 करोड़ जनता की उम्मीदों पर खरा उतरते हुए इस बजट में खुशहाल राजस्थान के विकास का जो खाका खींचा है उसके लिए मैं प्रदेश एवं खींवसर की जनता की ओर से आपका आभार प्रकट करता हूँ।

किसी शायर ने ठीक ही कहा है-

'रख तू दो चार ही कदम मंजिले राह पर,
मगर जरा तबीयत से
अरे ओ हालात का रोना रोने वाले,
मत भूल कि तेरी तदबीर ही तेरी तकदीर बदल पाएगी'।

ठीक इस तरह हमारी सरकार ने हालात का रोना नहीं रोया और प्रदेश की 8 करोड़ जनता की बेहतरी, खुशहाली, समृद्धि के लिए एक शानदार और जानदार बजट देकर प्रदेश वासियों की उम्मीदों को पंख लगाये हैं।

कल मैं देख रहा था आदरणीया वित्त मंत्री जी जब बजट भाषण पढ़ रही थीं तो हम सत्ता पक्ष के लोग खूब टेबल बजा रहे थे, लेकिन हमारे सामने वाले चुपचाप बैठे थे। ऐसा नहीं होना चाहिए। जनहित की घोषणाओं में सामने वाले भी टेबल बजाते तो अच्छा रहता। बजट में बिना किसी भेदभाव, दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों की जनता की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए घोषणाएं की गई हैं।

सभापति महोदय, आजकल सोशल मीडिया पर मैं एक पोस्ट देखता हूँ जिसमें लिखा होता है, हमारे विपक्ष के साथी पहले कहते थे, मंदिर वहीं बनाएंगे तारीख नहीं बताएंगे, तो मोदी जी ने मंदिर भी बनवा दिया और तारीख भी बता दी। ये कहते थे कि जम्मू-कश्मीर से धारा 370 कोई नहीं हटा सकता तो मोदी जी ने धारा 370 भी हटा दी और भी कई बाते लिखी होती हैं।

अब ये चलन हमारे राजस्थान में भी चल पड़ा है। राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान हमारे विपक्ष के साथियों ने कहा था कि ईआरसीपी का नाम बदलकर राम जलसेतु लिंक परियोजना करने से कुछ नहीं होगा, पैसा तो अब तक 1 रूपया नहीं दिया। अब इनकी ये इच्छा भी हमारी सरकार ने पूरी कर दी और इसी बजट में राम जल सेतु लिंक परियोजना के लिए 9 हजार करोड़ की राशि का प्रावधान करते हुए उसको धरातल पर उतारने का काम किया है।

यही नहीं हमारी सरकार ने इस बजट में प्रदेश के युवाओं के लिए 1 लाख 25 हजार सरकारी नौकरियों की घोषणा और निजी क्षेत्र में 1 लाख 50 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की घोषणा प्रदेश के बेरोजगारों की उम्मीदों को पूरा करने का काम करेगी।

100 की जगह 150 यूनिट फ्री बिजली की घोषणा स्वागत योग्य कदम है। 50 हजार नये कृषि कनेक्शन और 5 लाख नये घरेलू बिजली कनेक्शन देने की घोषणा, 20 लाख घरों में पेयजल कनेक्शन के लिए 425 करोड़ रुपये, मुख्यमंत्री जल जीवन मिशन शहरी प्रारम्भ किए जाने की घोषणा और उसके लिए 5830 करोड़ का प्रावधान। एक हजार ट्यूबवैल व 1500 हैण्डपम्प लगाने की घोषणा की। किसानों के लिए किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी सहित कई किसान कल्याणकारी घोषणाएं करके प्रदेश की जनता को राहत देने का काम किया है।

मैं हमारे विपक्ष के साथियों को बताना चाहता हूँ कि ये सरकार चुनावी साल का इंतजार करने वाली सरकार नहीं है। ये राजस्थान को विकसित राजस्थान, खुशहाल राजस्थान बनाने के संकल्प के साथ काम करने वाली सरकार है।

इस बजट में नागौर जिले को 765 केवी का नया जीएसएस देने के लिए मैं नागौर जिले की जनता की ओर से आदरणीय मुख्यमंत्री जी और आदरणीया वित्त मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ। इसके बनने से नागौर जिले की बिजली की समस्या लगभग दूर हो जाएगी।

मेरे विधानसभा क्षेत्र खींवसर के लिए भी सरकार ने बजट में कालियास और भोजास में 33 केवी के नये जीएसएस बनाने की घोषणा, खींवसर बाईपास रिंग रोड की घोषणा, खींवसर

में सीवरेज और ड्रेनेज संबंधी विभिन्न कार्य स्वीकृत करने की घोषणा की गई है।

राजकीय महाविद्यालय कुचेरा में विज्ञान संकाय खोलने की घोषणा, चौपडों की ढाणी खींवसर में नया पशु चिकित्सा उप केन्द्र खोलने की घोषणा, मुदियाड़, देऊ फांटा उप स्वास्थ्य केन्द्रों को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में क्रमोन्नत करने की घोषणा और देऊ, बींठवाल, पारासरा में नये उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने की घोषणाएं की गई हैं उसके लिए मैं मेरे विधानसभा क्षेत्र खींवसर की जनता की ओर से आदरणीय मुख्यमंत्री जी और आदरणीया वित्त मंत्री जी का आभार प्रकट करता हूं।

साथ ही मैं मेरे विधान सभा क्षेत्र की कुछ मांगे जो इसमें रह गई, उनकी ओर सरकार का ध्यान भी दिलाना चाहता हूँ। मुझे पूरा विश्वास है कि जब बजट चर्चा पर रिप्लाई दिया जाएगा तो मेरी इन छोटी सी मांगों को जरूर पूरा किया जाएगा क्योंकि खींवसर का तो सरकार को वैसे भी विशेष ध्यान रखना है।

मेरा निवेदन है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र खींवसर के पांचौड़ी में नया सरकारी कॉलेज खोलने, खींवसर और रूण में नया आईटीआई कॉलेज खोलने, खरनाल से धुन्धियाडी वाया पालड़ी व्यासा-मुंदियाड-मोड़ी कालियास-भदोरा सड़क का चौडाईकरण एवं सुदृढिकरण कार्य, सिली बॉर्डर-ईसरनावड़ा-पांचलासिद्धा-सैनिक नगर-आचीणा-माडपुरा -दुजासर-स्टेट हाईवे-19 तक सड़क का चौडाईकरण कार्य करें।

कानून-व्यवस्था को बेहतर करने के लिए खींवसर में नया पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय खोलें। पांचौडी, शंखवास, कुचेरा और खरनाल में अजमेर डिस्कॉम का A.En. ऑफिस खोलें। कुचेरा नगरपालिका को नगर परिषद् में क्रमोन्नत करें। कडलू, रूण, तांतवास, करणू, गुडा भगवानदास, कुड़छी पीएचसी को सीएचसी में क्रमोन्नत करें। कुचेरा सीएचसी को ट्रोमा सेंटर में अपग्रेड करें।

वीर तेजाजी महाराज की जन्मस्थली खरनाल में तेजाजी के मंदिर का निर्माण कराने की घोषणा की जाए तो खींवसर की जनता सरकार का, आदरणीय मुख्यमंत्री जी का और आदरणीया वित्त मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार प्रकट करेगी।

श्री सभापतिः विराजें। श्री राजेन्द्र।

श्री रेवन्तराम डांगा (खींवसर): मेरे विधान सभा क्षेत्र खींवसर के भूण्डेल में हडबूजी की जन्म स्थली है। सरकार ने इस बजट में फलोदी के बेंगटी में हडबूजी का पैनोरमा बनाने के लिए घोषणा की है।

श्री सभापतिः 5 मिनट में अपनी बात समाप्त करें। श्री राजेन्द्र जी। विराजिये माननीय सदस्य। आपका समय हो गया।

श्री रेवन्तराम डांगा (खींवसर): मेरा निवेदन है कि हडबूजी का पैनोरमा बेंगटी में बने, लेकिन हडबूजी महाराज की जन्मस्थली भूण्डेल में भी पैनोरमा बने तो हडबूजी महाराज में आस्था रखने वाले लोगों को खुशी होगी। मुझे पूरा विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री जी और वित्त मंत्री जी मेरी बात पर ध्यान देंगे।

श्री सभापतिः विराजिये। माननीय सदस्य। अंकित नहीं होगा।

श्री रेवन्तराम डांगा (खींवसर): 000

spp/rtm/24.02.2025/18.20/3n

श्री राजेन्द्र (महवा): माननीय सभापति महोदय, मुझे आपने 2025-26 के बजट पर मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिये धन्यवाद। माननीय प्रधान मंत्रीजी श्री नरेन्द्र भाई मोदीजी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने अपने कार्यकाल के प्रथम वर्ष में ही प्रदेश के विकास के नये कीर्तिमान स्थापित करते हुए जनता द्वारा व्यक्त किये गये विश्वास को सही प्रमाणित किया। मुझे सम्मानित सदन को अवगत कराते हुए अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है कि माननीय प्रधान मंत्री श्री भजन लाल जी शर्मा जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश के विकास की द्योतक जीएसडीपी वर्ष 2025-26 में बढ़कर 19 लाख 89 हजार करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है।

माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार रामसेतु ईआरसीपी की योजना मेरे विधान सभा क्षेत्र में जो कालीसिंध, पार्वती और चंबल से लिफ्ट योजना गलवा बांध, ईसरदा बांध और बीसलपुर बांध, तीनों बांधों में पानी डालकर हमारे किसानों को, हमारे पेयजल के लिए व्यवस्था सरकार ने की है। मैं आप के माध्यम से धन्यवाद देना चाहता हूँ कि इससे हमारे क्षेत्र के कई जिलों को लाभ होगा और किसानों को सम्बल मिलेगा। आज किसानों के लिए जिस प्रकार किसान सम्मान निधि पहले 6 हजार मिलती थी, 2 हजार हमारी सरकार बनते ही बढ़ाये और 01 हजार अभी बजट घोषणा में करने से हमारे किसानों को सम्बल मिलेगा, क्योंकि आने वाले समय में जिस प्रकार किसान बहुत परेशान रहता था बीज खाद के लिए, तो उसको काफी राहत मिलेगी।

वर्तमान में हमारे जो पशुधन हैं, निःशुल्क आरोग्य योजना जो चल रही है उसमें पहले 138 प्रकार की दवाइयां मिलती थीं। इसको बढ़ाते हुए 200 प्रकार की दवाइयां करने से हमारे जो किसान पशुधन रखते हैं, उनको इसका जरूर लाभ मिलेगा और वो आसानी से अपने जानवरों का इलाज करा सकेंगे। हमारे जो गोपालक हैं उनके लिए 01 लाख रुपये का अनुदान जो देने का काम सरकार कर रही है, वह किसान जो अपने पशु पालते हैं और गाय पालते हैं, उन गोपालकों के लिए 01 लाख रुपये का जो अनुदान दे रही है, सरकार निःशुल्क, मतलब उसमें बिना ब्याज के, यह वास्तव में तारीफ के काबिल है।

माननीय सभापति महोदय, आने वाले समय में किसान क्रेडिट कार्ड जो सीमा पहले अपने 3 लाख रुपये तक की थी, उसको बढ़ाकर 5 लाख रुपये तक करने का काम हमारी माननीय भजन लाल जी की सरकार ने किया है।

माननीय सभापति महोदय, आज प्रकार पर्यावरण को देखते हुए हम गांव में हमारी पंचायतों में भोजन के लिए कई बार प्लास्टिक इस्तेमाल करते हैं, उसके निस्तारण के लिए काफी समस्या आती है। जानवर खा जाते हैं हमारे और उस प्लास्टिक को जानवर खाने की

वजह से उनकी मृत्यु हो जाती है तो 01 लाख रुपये का जो उन्होंने बर्तन देने का काम किया है, वो भी तारीफ के काबिल है।

जिस प्रकार हमारे पहले विद्युत की इतनी समस्या थी की लाइट किसानों को 6 घंटे नहीं मिलती थी और दिन में नहीं मिलती थी, पर जब से हमारी सरकार बनी है। हीरालाल जी हमारे विद्युत मंत्री हैं, 6 घंटे में हमारे को बिजली देने का दिन में काम किया है और ट्रांसफार्मर तो मिलते ही नहीं थे, पांच-पांच, छह-छह दिन तक हमारे को ट्रांसफार्मर नहीं मिलते थे, पर आज 72 घंटे के अंदर हमारे किसान भाई, जिसका भी ट्रांसफार्मर जलता है 72 घंटे के अंदर ट्रांसफार्मर बदलने का काम हमारी सरकार कर रही है।

आने वाले समय में बसों का, जो 500 बसें हैं, हमारे जीसीसी मॉडल योजना के तहत जो बसें बिल्कुल क्षतिग्रस्त हो गईं, उसके लिए नई बसें देने का काम हमारी सरकार कर रही है।

इसी के साथ, जो सड़कें टूटी हुई थीं, उनको मरम्मत कराने के लिए 10-10 करोड़ रुपये हमारी सरकार ने दिये हैं, उसके लिये हम उनके आभारी हैं और आप लोगो ने मुझे इस बजट भाषण पर बोलने का मौका दिया। इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। जय हिंद, जय भारत।

श्री सभापतिः डॉक्टर शैलेश सिंह। पांच मिनट में अपनी बात समाप्त करें।

डॉ. शैलेश सिंह (डीग-कुम्हेर): माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे राजस्थान के बजट 2025-26 पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने अपने प्रथम वर्ष के कार्यकाल में राज्य में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जनता द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास को भी प्रमाणित किया है। साथ ही, माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के अभूतपूर्व सहयोग से राम जलसेतु लिंक परियोजना, जिसको हम संशोधित PKC ERCP कहते थे, उसको धरातल पर लाने का काम किया है। विगत कांग्रेस सरकार ने ईआरसीपी को केवल एक राजनीतिक हथकंडा के अलावा कुछ नहीं किया। हमारे मुख्य मंत्री जी का दृढ़ संकल्प आप देखिये, माननीय सभापति महोदय, उन्होंने कहा है कि ईआरसीपी का शिलान्यास भी हम कर रहे हैं और इसका उद्घाटन भी हम करेंगे। ऐसी दृढ़शक्ति लेकर हमारे मुख्य मंत्री जी राजस्थान की जनता को लाभान्वित करने का काम कर रहे हैं।

माननीय सभापति महोदय, हमारी केंद्र सरकार की परियोजना जल जीवन मिशन से हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी पूरे देश में हर घर नल से जल की कल्पना रखते हैं। पूरे देश में इस योजना पर तेज गति से काम हो रहा है, लेकिन हमारे राजस्थान में पिछली कांग्रेस सरकार ने इस योजना को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया और राजस्थान की जनता इस योजना के लाभ से वंचित रह गयी। जिसे जो मिला, लूट लिया, मंत्री से लेकर अधिकारी, अधिकारी से लेकर ठेकेदार राजस्थान की प्यासी जनता के हक का पैसा लूटकर खा गए। अब हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रयासों से इस योजना का समय 2028 तक बढ़ाकर प्रधान मंत्री जी ने जनता को संजीवनी देने का काम किया है।

माननीय सभापति महोदय, रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर की अगर हम बात करें तो हमारी केंद्र

सरकार की रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के जैसे काम चल रहे हैं, चाहे वो हम नेशनल हाइवेज की बात करें, चाहे एक्सप्रेस-वे की बात करें, उसकी तो हमारे विपक्ष के साथी भी सराहना करते नजर आते हैं और अभी हमारा राजस्थान का जो बजट आया है, उसमें माननीय मुख्य मंत्री भजन लाल जी द्वारा राजस्थान में भी जिस तरह से रोड डवलपमेंट के काम की घोषणा की गयी है वो भी बहुत सराहनीय है। इसके साथ-साथ भरतपुर- मथुरा सड़क को फोरलेन किया गया है और भरतपुर में कई सड़कों के निर्माण की घोषणा भी उन्होंने की है।

माननीय सभापति महोदय, विगत कांग्रेस सरकार ने विकास की राजनीति ना करते हुए जनता को बेवकूफ बना कर वोट बटोरने की राजनीति की है। सबसे बड़ा मैं उदाहरण आपको देना चाहूंगा कि सरकार के जब जाने का समय आया तो उससे कुछ समय पहले इन्होंने जैसे हम चिनौरिया बांटते हैं उस तरह से राजस्थान में जिले बांटे। ना जनता की मांग को देखा गया और ना ही किसी क्षेत्र की डिमांड को देखा गया। केवल और केवल अपने एम एल एज को खुश करने के लिए जिले उन्होंने बांट दिए। मेरे को एक याद आता है उसमें मेरा जो विधान सभा क्षेत्र है डीग-कुम्हेर, उसमें भी डीग को जिला बनाया गया। हमारे जो तत्कालीन विधायक थे, जो कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री भी थे, उन्होंने अपने भाषण में कहा कि रात को 11:45 पर माननीय अशोक गहलोत जी का उनके पास में फ़ोन आया और वो उनके निवास पर गए और उनसे डीग जिले की घोषणा करवाई।

माननीय सभापति महोदय, मैं आप के माध्यम से कहना चाहूंगा कि हमारे तत्कालीन सरकार के माननीय मंत्री महोदय 11:45 पर पता नहीं कौन से मूड में थे कि डीग को जिला तो बनवा दिया, लेकिन सीमाज्ञान भूल गए। भरतपुर नगर निगम क्षेत्र से मात्र चार किलोमीटर की दूरी पर जो गांव आते हैं उनको भी डीग जिले में उन्होंने जुड़वा दिया।

माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि हमारे डीग-कुम्हेर विधान सभा क्षेत्र की रार जो तहसील है, उसको पुनः भरतपुर में जोड़कर यहाँ की जनता को लाभ देने का काम करें।

माननीय सभापति महोदय, मैं आप के माध्यम से कहना चाहूंगा और माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद देना चाहूंगा कि मेरे क्षेत्र में गुड़गांव कैनाल की टेल, जो सिनसिरी और बदनगढ़ तक आती है, उसको आगे ले जाकर होम्स कैनाल में जोड़ने की इस बजट के अंदर घोषणा हुई है, जिससे हमारे किसान को बहुत बड़ी राहत मिलेगी और बहुत पुरानी मांग हमारे यहाँ के किसान की वो थी।

माननीय सभापति महोदय, इसके साथ साथ मैं यह मांग भी करना चाहूंगा कि हमारे जो भरतपुर फीडर के नाम से एक ट्रिब्यूटरी, जिसकी टेल मेरे विधान सभा के गांव अजान तक आती है उसको आगे जघीना माइनर और जाटौली रतवान माइनर में आप मिलाने का काम करें, ऐसा मेरा आपसे निवेदन है।

माननीय मुख्यमंत्री जी को मैं धन्यवाद देना चाहूंगा कि हम सबकी आस्था के प्रतीक

गिर्राजजी के परिक्रमा मार्ग में पड़ने वाले पूंछरी के लोठा, जो 1.2 किलोमीटर का राजस्थान का हिस्सा है, उसके लिए 300 करोड़ रुपये की लागत से वहाँ का विकास कार्य होने जा रहा है। डीग को जिला चिकित्सालय बनाया। डीग को नई रिंग रोड दी, कुम्हेर को कॉलेज दिया। कोर्ट, डीजे कोर्ट और सिविल कोर्ट भी मेरे विधान सभा क्षेत्र में दिए। कुम्हेर में ड्रैनेज सिस्टम दिया। भरतपुर, अलवर रोड को फोरलेन किया। उसके लिए माननीय मुख्य मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद और आपने मेरे को बोलने का मौका दिया। माननीय सभापति महोदय, उसके लिए भी आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री सभापतिः सदन की बैठक मंगलवार, दिनांक 25 फरवरी 2025 के प्रातः 11:00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 18.30 बजे मंगलवार, 25 फरवरी 2025 के 11.00 बजे तक के लिये स्थगित हुई।)